धनबाद
बुधवार 19.02.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-30 अंक-356 पृष्ठ- 12
फाल्गुन कृष्ण पक्ष-7
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

नगर विकास विभाग के 289 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री ने सौंपा नियुक्ति पत्र

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची के प्रोजेक्ट भवन में नगर विकास और आवास विभाग के तहत २८९ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया।

इस दौरान मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि नवनियुक्त कर्मचारियों से यह अपेक्षाएं हैं कि वे अपनी मेहनत और ईमानदारी से राज्य के विकास में योगदान दें। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार शहरी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि इस नियुक्ति को झारखंड के विकास के एक नए अध्याय के रूप में प्रस्तुत किया और नवनियुक्त कर्मचारियों से यह अपेक्षाएं की कि वे राज्य के हर झारखंडी के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए कार्य करें।

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने भी अपने संबोधन में नवनियुक्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि शहरीकरण के बढ़ते दबाव को देखते हुए नगर विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को गति देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

मंगलवार को आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न पदों पर नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। जिनमें गार्डेन अधीक्षक, मेटनरी ऑफिसर, सेनेटरी एण्ड फूड इंस्पेक्टर, सेनेटरी सुपरवाइजर, राजस्व निरीक्षक और विधि सहायक शामिल हैं।

कुल २८९ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए, जो राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

कार्यक्रम में गार्डेन अधीक्षक, मेटनरी ऑफिसर, सेनेटरी एण्ड फूड इंस्पेक्टर, सेनेटरी सुपरवाईजर, राजस्व निरीक्षक एवं विधि सहायक के पदों पर कुल २८९ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। जिसमे गार्डेन अधीक्षक के ९, मेटनरी ऑफिसर के ८, सेनेटरी एण्ड फूड इंस्पेक्टर के १२, सेनेटरी सुपरवाईजर के ४२, राजस्व निरीक्षक के १७४, विधि सहायक के ४४ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया।

झारखंड में गुटखा, तंबाकू युक्त पान मसाला के उत्पादन, वितरण, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध

रांची (ईएमएस): झारखंड में गुटखा और निकोटिन एवं तंबाकू युक्त पान मसाला के उत्पादन, वितरण, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लग गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इससे संबंधित नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। यह प्रतिबंध नोटिफिकेशन जारी होने की तिथि से अगले एक साल तक के लिए प्रभावी होगा।

बताया गया है कि स्थिति की समीक्षा के बाद प्रतिबंध की अवधि आगे भी बढ़ाई जाएगी। झारखंड में इसके पहले वर्ष २०२० में भी गुटखा और पान मसाला के ११ ब्रांडों पर प्रतिबंध लगाया गया था, जो वर्ष २०२३ के जून महीने तक प्रभावी था। करीब डेढ़ साल से प्रतिबंध निष्प्रभावी था। इस बार गुटखा के साथ-साथ निकोटिन और तंबाकू युक्त सभी तरह के पान मसाला पर प्रतिबंध लगाया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव और राज्य खाद्य सुरक्षा आयुक्त अजय कुमार सिंह के हस्ताक्षर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, यह प्रतिबंध फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, २००६ के सेक्शन ३० (२)(ए) और फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (प्रोहिबिशन एंड रिस्ट्रिक्शन ऑन सेल्स) रेगुलेशन, २०११ के रेगुलेशन २, ३ और ४ के तहत लगाया गया है। सरकार ने संबंधित विभाग को इस प्रतिबंध के बारे में संचार माध्यमों में आम सूचना जारी करने का निर्देश दिया है। किसी भी दुकान में गुटखा और तंबाकू या निकोटिन युक्त पान मसाला बिकता हुआ पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि राज्य के सभी सिविल सर्जनों और संबंधित सक्षम अधिकारियों को निर्देश दिया जा रहा है कि वे सरकार की ओर से लागू किए जा रहे प्रतिबंधों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराएं। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने पूर्व में ही कहा था कि राज्य की युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य और हितों को ध्यान में रखकर पान मसाला पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। कैंसर दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम ▶▶ 8

राममंदिर और 370 मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ज्ञानेश कुमार बने मुख्य निर्वाचन आयुक्त

नई दिल्ली (ईएमएस): अयोध्या का राम मंदिर मुद्दा हो या फिर जम्मू कश्मीर से धारा ३७० हटाने का। इन दोनों ही मुद्दों में आईएएस ज्ञानेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। अब ज्ञानेश को देश का मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनाया गया है। कुमार निर्वाचन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले चीफ इलेक्शन कमिश्नर हैं। उनका कार्यकाल २६ जनवरी, २०२९ तक रहेगा, जिसके कुछ दिन बाद निर्वाचन आयोग अगले लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है।

कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय में अपने कार्यकाल के दौरान जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद ३७० के कुछ प्रावधानों को निरस्त किये जाने के बाद निर्णय को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अलावा, ज्ञानेश कुमार ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के बारे में सुप्रीम कोर्ट के मामले से संबंधित दस्तावेजों को भी संभाला। उन्होंने १५ मार्च, २०२४ को निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला था। कुमार १९८८ बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। ठीक इसके एक साल बाद गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में ज्ञानेश कुमार ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के बारे में सुप्रीम कोर्ट के मामले से संबंधित दस्तावेजों को भी संभाला। कुमार ने ▶▶ 8

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने अपने विदाई संदेश में कहा-

चुनाव हारने के बाद आयोग को जिम्मेदार बताने की आदत खत्म हो

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत के नए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) का ऐलान कर दिया है। केरल कैडर के आईएएस अफसर ज्ञानेश कुमार सीईसी की जिम्मेदारी संभालेंगे। अभी तक इस पद पर राजीव कुमार थे जिन्होंने सोमवार को विदाई संदेश में कहा कि चुनाव आयोग को बली का बकरा बनाया जाता है। साथ ही उन्होंने कहा है कि अगर कोई राजनीतिक दल चुनाव हार जाता है, तो चुनाव आयोग को जिम्मेदार बताने की आदत खत्म होनी चाहिए।

राजीव कुमार ने कहा कि एक संस्थान के रूप में आयोग को कई बार अनुचित तरीके से उन लोगों की तरफ से जिम्मेदार बताया जाता है, जो चुनाव के नतीजे स्वीकार नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल चुनाव प्रक्रिया के हर स्तर पर तैयारियों में शामिल होते हैं, जिसमें पूरी पारदर्शिता होती है ▶▶ 8

राज्यकर्मियों का महंगाई भत्ता बढ़ा

✪ झारखंड कैबिनेट की बैठक में 12 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी

रांची (एजेंसी): झारखंड मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आज संपन्न हुई कैबिनेट बैठक में कुल १२ अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन प्रस्तावों में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में वृद्धि, एमएसएमई के लिए विशेष छूट विधेयक, और मारुति सुजुकी के साथ सीएसआर ट्रेनिंग कार्यक्रम का समझौता प्रमुख हैं।

कैबिनेट में स्वीकृत महत्वपूर्ण प्रस्ताव

एमएसएमई विशेष छूट विधेयक-2025 : झारखंड सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाई (एमएसएमई) को विशेष छूट देने के लिए एमएसएमई विशेष छूट विधेयक-२०२५ की स्वीकृति दी गई है।

कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने का प्रस्ताव : राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में वृद्धि की गई है। यह वृद्धि छठे केंद्रीय वेतनमान और पंचम वेतनमान के आधार पर १ जुलाई २०२४ से प्रभावी होगी।

पेंशनधारियों के लिए महंगाई राहत में वृद्धि : राज्य के पेंशनधारियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को भी महंगाई राहत में वृद्धि दी गई है।

मारुति सुजुकी के साथ उच्चतमझौता : राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरिंग ट्रेड्स के लिए मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के साथ सीएसआर के तहत समझौता ज्ञापन (चजण) पर हस्ताक्षर करने की स्वीकृति दी गई है।

करखाना (झारखंड संशोधन) विधेयक, 2024 : करखाना अधिनियम, १९४८ में संशोधन हेतु करखाना (झारखंड संशोधन) विधेयक, २०२४ को स्वीकृति दी गई है।

झारखंड आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका चयन एवं मानदेय नियमावली में संशोधन : झारखंड आंगनबाड़ी ▶▶ 8

अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर मामले में बिचौलिए जेम्स को जमानत

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर मामले में ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिचेल जेम्स को मंगलवार को जमानत दे दी है। मिचेल अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाले में कथित तौर पर बिचौलिए के रुप में काम कर रहा था। क्रिश्चियन २०१८ से भारतीय जेल में बंद है। सीबीआई और ईडी ने मामले में २ अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। ३६०० करोड़ रुपए के १२ वीवीआईपी हेलिकॉप्टर्स की खरीद में उसकी भूमिका की जांच कर रही है। क्रिश्चियन को २०१७ में दुबई से प्रत्यर्पित करके भारत लाया गया था और दिसंबर २०१८ में गिरफ्तार किया गया था।

महाठग सुकेश की याचिका फिर सुप्रीम कोर्ट से खारिज

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की जेल बदलने की याचिका खारिज कर दी। महाठग दिल्ली की मंडोली जेल और पंजाब की जेल छोड़कर किसी अन्य जेल में भेजने की मांग कर रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और पी बी वराले की बेंच ने कहा कि चंद्रशेखर पहले भी ऐसी कई याचिकाएं दाखिल कर चुके हैं, जिन्हें खारिज कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपके पास पैसा है, आप उस पैसों से बार-बार याचिका लगावते रहते हैं। बार-बार एक ही याचिका दायर करना कानून का दुरुपयोग है। महाठग चंद्रशेखर ने दलील दी कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के कारण उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है।

अगले साल से देश के हर जिले में होगी एक एयर एंबुलेंस

नई दिल्ली (ईएमएस): अगले साल से देश के प्रत्येक जिले के पास अपनी एक एयर एंबुलेंस होगी। इससे मरीजों को ले जाने वाली एंबुलेंस के ट्राफिक में फंसने की समस्या से मुक्ति मिल जाएगी। ईप्लेन कंपनी का लक्ष्य २०२६ की अंतिम तिमाही तक इस सेवा को शुरू करना है। कंपनी की वार्षिक उत्पादन क्षमता १०० यूनिट होगी। इस परियोजना के लिए ईप्लेन के संस्थापक और आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर सत्य चक्रवर्ती १० करोड़ डॉलर (करीब ८६० करोड़ रुपये) की फंडिंग जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। अब तक कंपनी २ करोड़ डॉलर की राशि एकत्र कर चुकी है।

इन एयर एंबुलेंस में पायलट, पैरामेडिक, मरीज, स्ट्रेचर और जीवनरक्षक मेडिकल उपकरण होंगे। ये २०० किमी/घंटा की टॉप स्पीड से उड़ान भर सकेंगी और बैटरी चार्ज के आधार पर ११० से २०० किलोमीटर की दूरी तय कर पाएंगी। इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन से भारत का स्वास्थ्य तंत्र और अधिक प्रभावी और सुलभ हो सकेगा। यह सेवा इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग तकनीक पर आधारित होगी, जो न केवल समय की बचत करेगी बल्कि पर्यावरण के लिए भी अनुकूल होगी। इस प्रोजेक्ट के तहत १ अरब डॉलर (करीब ८६ अरब रुपये) की डील हुई है, जिसके तहत आईआईटी मद्रास से जुड़ी इलेक्ट्रिक एयरक्राफ्ट स्टार्टअप ईप्लेन कंपनी ७८८ एयर एंबुलेंस की सप्लाई करेगी। ये एयर एंबुलेंस भारत की प्रमुख एयर एंबुलेंस फर्म को दी जाएंगी और फिर देश के सभी जिलों में तैनात की जाएंगी।यह पहल खासतौर पर भारत ▶▶ 8

अमेरिका ने भारत को दिया एफ 404 इंजनों को लेकर धोखा, अब रुस आया मदद को आगे

रूसी कंपनी रॉस्बरॉन एक्सपोर्ट ने सकारात्मक रुख दिखाया

नई दिल्ली (ईएमएस): तेजस एयरक्राफ्ट के इंजन को लेकर एक बहुत ही बड़ी खबर सामने आई है। अब भारत अपने तेजस इंजन को लेकर रूस से बात कर रहा है। फरवरी २०२१ में भारतीय वायुसेना ने ८३ तेजस लड़ाकू विमानों के लिए हल के साथ ४८,००० करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए। पहला विमान ३१ मार्च, २०२४ तक मिलने की उम्मीद थी। हालांकि, कई कारकों के कारण ये टाइमलाइन फेल हो गई। इसके पीछे की वजह जीई एयरोस्पेस द्वारा समय पर एफ४०४ इंजनों की आपूर्ति करने में विफलता और प्रमुख प्रमाणपत्रों में देरी शामिल है। अमेरिका की ओर से इसके इंजन की डिलीवरी में देरी की जा रही है। अभी भी अमेरिका ने तेजस के इंजन सप्लाई को लेकर कोई समय तय नहीं किया है। इसकारण अब भारत रुस से बता कर रहा है।

वहीं रूस ने इंजन को लेकर बहुत ही सकारात्मक रुख दिखाया है। रूसी कंपनी रॉस्बरॉन एक्सपोर्ट के प्रवक्ता ने कहा है कि हम भारत के साथ मिलकर पार्टनरशिप को आगे बढ़ाना चाहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने ये भी संकेत दे दिए हैं कि तेजस के इंजनों के लिए मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत में भी आगे चलकर बना सकते हैं। भारत के द्वारा तेजस मार्क ए १ फाइटर जेट को लेकर जो इंजन लेने की डील अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक के साथ हुई थी। लेकिन पिछले साल जनरल इलेक्ट्रिक की तरफ से इंजन मिलना था,वहां डिलीवर नहीं हो सका। इसकारण हमारे एचएएल के द्वारा आईएएफ को तेजस एयक्राफ्ट १८ की जगह २ ही डिलीवर हो सके थे। ▶▶ 8

राम मंदिर परिसर में ड्रोन गिरने की घटना से, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

मंदिर की सुरक्षा को बढ़ाया गया

अयोध्या (ईएमएस): अयोध्या में राम मंदिर परिसर में ड्रोन गिरने की घटना से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि यह ड्रोन ३ नंबर गेट के पास उड़ रहा था, तभी एंटी-ड्रोन सिस्टम की मदद से मार गिरा दिया गया। इस घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां ने जांच शुरू कर दी गई है। सोमवार शाम जब श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रामलला दर्शन के लिए आई थी, तभी मंदिर परिसर में एक ड्रोन गिरने की घटना सामने आई। पुलिस ने तुरंत ड्रोन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में यह आशंका है कि भीड़ में भगदड़ मचाने के मकसद से यह हरकत की गई हो। जानकारी के अनुसार ▶▶ 8

कतर के अमीर का राष्ट्रपति भवन में भव्य स्वागत, राष्ट्रपति और पीएम मोदी करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस): कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी भारत की यात्रा पर आए हुए हैं हमद अल थानी का मंगलवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में गार्ड ऑफ ऑनर देकर औपचारिक स्वागत किया गया। उनका स्वागत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और पीएम नरेंद्र मोदी के साथ वरिष्ठ मंत्रियों ने किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अमीर के साथ आए कतर के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की।

कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी सोमवार को दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से बातचीत की। पीएम मोदी ने एयरपोर्ट पर कतर के अमीर शेख तमीम का स्वागत किया। पीएम मोदी ने कतर के अमीर को अपना भाई बताया और भारत में उनके सफल प्रवास की कामना की।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कतर के अमीर से मुलाकात की। कतर के अमीर के साथ ▶▶ 8

अगर भाजपा मेरे बांग्लादेश के आतंकवादियों और कट्टरपंथियों से संबंध के आरोपों को साबित कर दें, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगी : ममता

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांग्लादेश के आतंकवादियों और कट्टरपंथियों से संबंध होने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा विधायक इन आरोपों को साबित कर दें, तो वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगी।

राज्य विधानसभा को संबोधित करते हुए ममता ने अपने खिलाफ "बेबुनियाद टिप्पणियां" करने के लिए भाजपा विधायकों की आलोचना की और कहा कि वह इस तरह के दावों की शिकायत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखेंगी।

टीएमसी सुप्रीमो ने कहा, भाजपा नेता और विधायक बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं कि मेरे कश्मीर में आतंकवादियों और बांग्लादेश के आतंकवादियों व कट्टरपंथियों से संबंध है। अगर भाजपा साबित कर दे कि मेरे आतंकवादियों और कट्टरपंथियों से संबंध हैं, तो मैं इस्तीफा दे दूंगी।

ममता ने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर शिकायत करेंगी कि उनकी पार्टी के विधायक सबूत न होने के बावजूद उन पर बांग्लादेशी कट्टरपंथियों से संबंध होने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, आतंकवाद के झूठे आरोप लगने से मर जाना बेहतर है।

ममता ने कहा, अभिव्यक्ति की आजादी उन्हें (भाजपा विधायकों को) नफरत फैलाने वाले भाषण देने और लोगों को बांटने की अनुमति नहीं देती है। अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब नफरत फैलाने वाली बातें नहीं है। आप (भाजपा विधायक) राजनीतिक लाभ के लिए धर्म का सहारा लेते हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं करते। तृणमूल प्रमुख ने कहा कि वह धर्मनिरपेक्षता और सभी समुदायों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास करती हैं। उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए धर्म का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश में जारी तनाव का जिक्र करते हुए कहा कि पड़ोसी देश में अशांति के बीच उनकी सरकार के प्रयासों से ही पश्चिम बंगाल में शांति एवं सद्भाव सुनिश्चित हुआ है।

मुफ्त बिजली योजना को बनाएं सफल : डीसी

धनबाद (कासं) : मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली

योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में परियोजना अधिकारी ने बताया कि सरकार की ओर से संयंत्र क्षमता के हिसाब से एक किलोवाट पर अनुदान ३० हजार, दो किलोवाट संयंत्र क्षमता पर ६० हजार और तीन किलो वाट एवं उससे अधिक संयंत्र क्षमता पर अनुदान ७८ हजार रुपये दिया जाएगा। इसके लिए उपभोक्ता नेशनल पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि यह योजना सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य घरेलू उपभोक्ताओं के द्वारा सोलर रूफटॉप के माध्यम से ऊर्जा देने को बढ़ावा देना है। जिले के उपभोक्ताओं, डिस्कॉम एवं अन्य हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है। उपायुक्त ने कहा कि पीएम सूर्यघर योजनान्तर्गत धनबाद जिला में किसी एक ग्राम को चिह्नित करते हुए मॉडल सौर ग्राम के रूप में विकसित किया जाना है।

इस के लिए सर्वे कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश उपायुक्त द्वारा दिये गए। उपायुक्त ने कहा कि इस योजना के प्रचार प्रसार के लिए शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में अधिकारी जाए एवं सभी लोगों को योजना की जानकारी पहुंचाएं एवं योजना से लोगों को अच्छादित करें। इसके अलावा उन्होंने सभी सरकारी भवनों में इस योजना के अंतर्गत सोलर लगाने को निर्देशित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री उज्ज्वला योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

इस योजना के तहत घर, गांव, मोहल्लेटोले में सर्वे कराकर विद्युतीकरण करने की योजना है। जिसे लेकर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को छूटे हुए गांव, टोला और मोहल्ला का सर्वे कराकर घरघर बिजली पहुंचाने के लिए निर्देशित किया गया।

मौके पर इलेक्ट्रिकल सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर इलेक्ट्रिसिटी धनबाद, गोविंदपुर, निरसा एवं झरिया के अलावा मैनेजर आरईसी, एलडीएम, डीपीआरओ समेत अन्य मौजूद रहें।

स्व. कार्तिक घोष की पत्नी को मिला 15 लाख

धनबाद (कासं) : विधानसभा आम चुनाव २०२४ के दौरान निरसा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के द्वितीय मतदान कर्मी कार्तिक घोष का निधन हो गया था। मृतक कार्तिक घोष के आश्रित शंपा घोष को उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी माधवी मिश्रा द्वारा १५ लाख का अनुदान राशि मंगलवार को सौंपा गया। उक्त राशि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह सचिव, झारखंड द्वारा उपलब्ध कराई गई थी। इस दौरान उन्होंने मृतक के आश्रित को सांत्वना देते हुए कहा कि जिला प्रशासन आपके साथ हर वक्त खड़ा है। वहीं उनके बच्चों को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी। मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा मौजूद रहें।

आरोही रंग महोत्सव का आयोजन

धनबाद (कासं) : धनबाद सांस्कृतिक कार्य निदेशालय, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में आरोही नाट्य मंच द्वारा नाट्य प्रस्तुति सह सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आरोही रंग महोत्सव २०२५ का आयोजन सफल रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उमेश लोहरा, जिला खेल पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी, धनबाद जिला जनसंपर्क विभाग, धनबाद से एसएमपीओ विनीता कुमारी व एपीआरओ आलोक मिश्रा, संस्था के निर्देशक संजय भारद्वाज व सचिव सह टीम लीडर उर्मिला प्रसाद के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य प्रस्तुति उस्ताद प्रभात कुमार महतो, नटराज कला केंद्र, चौगा, सरायकेला के द्वारा मानभूम छऊ नृत्य की प्रस्तुति की गई। लगभग २० मिनट तक छऊ नृत्य ने दर्शकों को बांधे रखा। १५ दिवसीय नाट्य कार्यशाला में भाग लिए हुए बच्चों के द्वारा नाटक अंधेर नगरी की प्रस्तुति की गई। साथ ही संस्था के रंग कर्मियों द्वारा नाटक सिद्धू, कान्हु के जीवन पर आधारित नाटक विद्रोह की प्रतिध्वनि का मंचन किया गया। यह नाटक पूरे एक घंटे तक दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम में गणेश वंदना एवं मणिपुरी नृत्य, पापरी राय चौधरी के द्वारा तो झारखंड लोक नृत्य की भी प्रस्तुति ग्रुप के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन हमेशा हो, जिससे कि बच्चों में छिपी प्रतिभा बाहर आती है। यह कार्यक्रम पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज, धनबाद के सभागार में संपन्न हुआ। मौके पर उर्मिला प्रसाद, संजय भारद्वाज, अक्षत भारद्वाज, नरेश, नितेश रवि, बंटी, दिलीप, काजल, ज्योति, गंगा, ज्ञानेन्द्र, जानकी, कंचन उपस्थित रहे।

छात्रछात्राओं के बीच पाठ्यपुस्तक वितरण

बलियापुर (ससे) : उत्क्रमित उच्च विद्यालय दुधिया में मंगलवार को आईडीबीआई बैंक की ओर से छात्रछात्राओं के लिए उपस्कर एवं पाठ्य पुस्तक उपलब्ध करवाया गया। मौके पर आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो ने महिला शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए क्षेत्र में एक महिला कॉलेज खोलने की बातें कहीं। विधायक श्री महतो ने इस दौरान स्कूल प्रांगण में कंप्यूटर कक्ष का उद्घाटन भी किया। स्कूल प्रांगण में छात्र-छात्राओं के लिए पेयजल व्यवस्था को देखा।

स्कूल प्रांगण में स्थित पेयजल कूप की साफ सफाई करने को कहा। मौके पर प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, भाकपा माले नेता राजू महतो, आईडीबीआई बैंक के शाखा प्रबंधक सैयद किरमानी, मुखिया उत्तम चौबे, पूर्व मुखिया रफीक अंसारी, प्रबंध समिति के अध्यक्ष उमेश चौबे, प्रदीप उपाध्याय, रोहित महतो, विजय रजक, पिंटू मंडल, अमित कुमार, संजय कुमार, राहुल कुमार, बम कुमार महतो, अभिषेक कुमार, शेख अब्दुल, विवेक श्रीवास्तव, दिनेश कुमार, विजय पांडे, रमेश कुमार महतो, सौरभ मिश्रा, दीपक कुमार, योगेंद्र प्रसाद, शोभा देवी, दुलाल चंद्र निठारी, सारथी मंडल, अधर सहिस, अकबर अंसारी, शंकर, अजय मुखी आदि मौजूद थे।

जनता दरबार में डीसी ने सुनी जनता की शिकायतें

धनबाद (कासं) : मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा द्वारा कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उनके द्वारा जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याएँ सुनी एवं अश्वासन दिया गया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द जांच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा। जनता दरबार में मुख्यतः रोजगार, पेंशन, जमीन विवाद संबंधी, पारिवारिक विवाद, ऑनलाइन रसीद, सड़क निर्माण, आर्म लाइसेंस, अवैध कब्जा, बिजली बिल माफी, जाति आवासीय प्रमाण पत्र बनाने हेतु कैंप लगाने, आयुष्मान कवर्ड से इलाज कराने, मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने, अबुआ आवास समेत विभिन्न समस्याओं एवं शिकायत से अवगत हुए।

उपायुक्त ने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन विधि सम्मत आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

ऑटो घर से लाखों की लूट

जोड़ापोखर (ससे) : नोर्थ तिसरा ६ नंबर कांटा घर के समीप बीती रात अपराधियों ने ऑटो घर पर धावा बोलकर लूटपाट की। करीब दो लाख की सम्पत्ति लुटेरों ने लूट ली। घटना की जानकारी सुबह उस समय लगी जब कर्मी काम करने पहुंचे थे। इसके बाद प्रबंधन को सूचना दी गई। इधर प्रबंधन और पुलिस का कहना है कि घटना की जानकारी नहीं है। घटना को लेकर कर्मियों में भय का मौहल है।

घटना के सम्बंध में कर्मियों ने कहा कि ऑटो घर में पुराना बैटरा एवम अन्य सामग्री रखा हुआ था। इसके अलावे कई प्रकार के और भी किमती समान थे। सभी को रात में चोर चोरी कर ले भागने सफल रहे। दस दिन पूर्व भी चोरों ने इसी ऑटो घर पर धावा बोला था जिसमें आल्टर नेटर,के बुल सहित अन्य कीमती पार्ट्स ले गए थे। यादि एंटी एसटी जीनागोरा प्रबंधन सतर्क नहीं हुआ तो ऑटो घर के बगल में कांटा घर भी इसे भी चोर को उड़ाने में देर नहीं है। जिसमें कम्प्यूटर सहित कई कीमती उपकरण लगें हुए हैं। वह भी कभी भी चोरों के हाथ लग सकता है। इससे इंकार नहीं किया जा सकता है।

एंटी एसटी जीनागोरा के पीओ संजीव कश्यप ने कहा कि घटना की जानकारी मुझे नहीं है। यदि इस तरह की बात है तो जानकारी लेता हूं। तिसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार ने कहा कि चोरी की घटना की जानकारी नहीं है और न ही प्रबंधन ने सूचना दी है।

परियोजना से मशीन ले जाने का विरोध

जोड़ापोखर (ससे) : लोदना क्षेत्र के एनटीएसटी जीनागोरा विभागीय परियोजना से मशीन दूसरे कोलियरी में ले जाने की भनक लगते ही मंगलवार को कर्मी आंदोलन पर उतर गए। नॉर्थ तीसरा ६ नंबर हाजिर घर के समीप प्रबंधन के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन करने लगे और मजदूरों का कहना है कि यहां से एक भी मशीन नहीं ले जाने देंगे। इसके लिए अगर हमें उग्र

आंदोलन करना होगा तो प्रबंधन के खिलाफ करेंगे और यह भी। प्रबंधन को चेतावनी दी कि पिछले दरवाजे से विभागीय परियोजना को बंद करने का काम नहीं करें। नहीं तो जोरदार आंदोलन होगा।

प्रदर्शनकरियों को संबोधित करते हुए कर्मियों ने कहा कि एनटीएसटी जीनागोरा प्रबंधन विभागीय परियोजना नहीं चलना चाह रही है। यही कारण है कि यहां का २०५९ नंबर शॉवेल मशीन दूसरे कोलियरी में भेजना चाह रहा है। इसकी सारी तैयारी हो चुकी थी लेकिन इससे पहले ही हमारे साथियों को भनक लग गई और वे लोग मशीन लेने नहीं आए। कहा कि इसी तरह से सभी लोग एक जुटता बनाए रखें। लेकिन प्रबंधन गुपचुप तरीके से रात के अंधेरे में मशीन ले जाना चाहेगी। सभी कर्मी सावधान रहें। यदि प्रबंधन इस तरह की हरकत करती है तो सभी को सूचना दें। और इसका विरोध करें। यदि मशीन चला गया तो विभागीय परियोजना बंद हो जाएगा और यहां से सबों को दूसरे क्षेत्र में ट्रांसफर कर देगा।

विरोध प्रदर्शन करने वालों में बंटी सिंह, राजीव झा, संतोष मिश्रा, महेंद्र देव, चौधरी चरण महतो, विपिन सिंह, सतन बासफोर, सुरेश पासवान, अजय, शिवकुमार विश्वकर्मा, रावण महतो, अनिमेष सिंह, उमेश, वीर बहादुर, रितेश व निषाद आदि शामिल थे।

एफसीआईएल के मुख्य द्वार पर संयुक्त संघर्ष मोर्चा का महाधरना

सिंदरी (ससे) : मंगलवार को केंद्र सरकार एवं एफसीआईएल प्रबंधक द्वारा सिंदरी शहर को उजाड़ने के खिलाफ एफसीआईरल के मुख्य द्वार पर संयुक्त संघर्ष मोर्चा सिंदरी के आह्वान पर महाधरना में हजारों महिला, पुरुष व बच्चे शामिल होकर सिंदरी को नहीं उजाड़ने देने के संकल्प के साथ अपनी चटानी एकता का परिचय दिया। धरना में सिंदरी के विभिन्न क्षेत्रों से महिला पुरुष बच्चे जुलूस की शक्ल में शामिल हुए डोमगढ़ से सैकड़ो महिलाओं बच्चों के साथ बैनर पोस्टर लेकर धारणा स्थल पर पहुंचे।

महाधरना में वक्ताओं ने सिंदरी की क्रांतिकारी धरती का याद दिलाया और एफसीआईएल प्रबंधन एवं केंद्र सरकार को चेतावनी दी कि सिंदरी के उजाड़ने की नीति को वापस ले। महाधरना के मुख्य अतिथि सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो पूर्व विधायक कामरेड आनंद महतो कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संतोष सिंह, श्रमिक नेता एके झा झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला के नेता सपन बनर्जी, सीपीआई(एम) राज्य कमेटी सदस्य सुंदरलाल महतो, सीपीआईएमएल के जिला सह सचिव कार्तिक प्रसाद, सीपीएम के वरिष्ठ नेता कालीसेन गुप्ता, किसान नेता संतोष महतो ,राष्ट्रीय जनता दल के नेता सुरेश राउत, मुख्य रूप से अपना वक्तव्य रखा।

महाधरना की अध्यक्षता पूर्व विधायक आनंद महतो ने की एवं संचालन सुरेश प्रसाद एवं गौतम प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। महाधरना को संबोधित करते हुए सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा किसी भी हालत में सिंदरी को उजाड़ने नहीं दिया जाएगा। लड़ाई सड़क से विधानसभा एवं संसद तक होगी।

धरना में मुख्य रूप से अजय कुमार, अशोक महतो, विकास कुमार ठाकुर, शैलेश कुमार पंडित, संजय दुबे, सुनील राय, दिलीप मिश्रा, राजीव मुखर्जी रामू मंडल, राजाराम रजक, ध्रुव दास, सहदेव सिंह, जोगिंदर महतो, रानी मिश्रा, रंजू प्रसाद, मिठू दास, गंगा देवी, सपना देवी, किरण देवी, मंगल महतो, सूर्यकुमार सिंह, मदन प्रसाद, जितेंद्र शर्मा, अमर सिंह, रंजीत कुमार, परशुराम सिंह, कृष्ण प्रसाद महतो, पूर्णेन्दु सिंह, दशरथ ठाकुर, राहुल राज, मनोज घोष, विमल रवानी, सागर मंडल ने अपना वक्तव्य रखा।

प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन करेगा बहुजन एकता मंच

जोड़ापोखर (ससे) : मंगलवार को बहुजन एकता मंच कि बैठक

केन्द्रीय कार्यालय भौंरा में मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष रंजीत यादव कि अध्यक्षता में एक अहम् बैठक हुई बैठक में मुख्य रूप से मंच के आगे कि कार्यक्रम की घोषणा की गई, जिसमें आगामी एक मार्च को बढ़ते प्रदूषण पर भौंरा महाप्रबंधक कार्यालय पर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया एवं दूसरा आठ मार्च को महिला दिवस समारोह आयोजित करना एवं तीसरी केन्द्रीय कार्यकारिणी कि विस्तार दो मार्च को किया जाएगा। चौथे में अप्रैल में डॉ भीमराव आम्बेडकर साहब की जंयती समारोह मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से मंच के सचिव संजीवन भुंईया, सुरेश साव, शिवशंकर प्रसाद, वाकिल पासवान, भागीरथ दास, अशोक राजहंस, धीरज कर्ण, राजेश दास, संतोष बाउरी सदस्य गण उपस्थित थे।

सीओ ने परीक्षा केंद्रों का लिया जायजा

बलियापुर (ससे) : विभिन्न परीक्षा केंद्रों में चल रहे मैट्रिक एवं इंटर की परीक्षा के दौरान मंगलवार के द्वितीय पाली की परीक्षा के निरीक्षण के लिए बलियापुर के अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह उत्क्रमित उच्च विद्यालय करमाटांड़ परीक्षा केंद्र पहुंचे। परीक्षा केंद्र में विभिन्न कक्षाओं में चल रहे परीक्षा कार्यक्रम का जायजा लिया। अंचल अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से चल रही है।

ऑटो शोरूम में लगी आग, लाखों की क्षति

धनसार (ससे) : धनसार थाना के समीप स्थित हेलीवाल बजाज ऑटो शोरूम में मंगलवार को आग लग गई। जिससे क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। आग की लपटें व धुआं का उठते गुब्बार देखते ही धनसार पुलिस ने अग्निशमन विभाग को खबर दी। सूचना मिलते ही धनबाद व माइंस रेस्क्यू के तीन गाड़ियां वहां पहुंचकर आग पर काबू पाया। यह आग हेलिवाल बजाज कंपनी के वर्क शोप में लगी है। जहां पार्टस व कई समान जलकर राख हो गई। इस आगजनी में लाखों का सामान जलकर हुआ खाक हो गया। बताया जाता है कि मंगलवार की सुबह लगभग ८ बजे बजाज के बंद शोरूम में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही अग्नि समन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और बंद शोरूम का ताला तोड़कर आग बुझाने का काम शुरू किया। कुछ देर मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। संभवत शॉर्ट सर्किट कारण से शोरूम में आग लगने की बात कही जा रही है। बजाज शोरूम के मालिक दिनेश हेलिवाल बनारस गए हुए हैं।

उपायुक्त ने की विकास कार्यों की समीक्षा

धनबाद (कासं) : मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में पेयजल एवं स्वक्षता विभाग, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग एवं नगर आवास एवं आवास विभाग से संबंधित धनबाद जिला में हो रहे कार्यों के प्रगति की समीक्षा की।

इस दौरान जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा, संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, निबंधित खनन पट्टों की समीक्षा कर अनुमान्यता से कम मुद्रांक शुल्क एवं निबंधन शुल्क भुगतान किये जाने की स्थिति में नियमानुसार वसूली हेतु कार्रवाई की समीक्षा, खनन पट्टा पर मुद्रांक शुल्क एवं निबंधन शुल्क को प्रभावित करने वाले समस्त तथ्यों के निमित्त निर्गत दिशा-निर्देश के अनुपालन की समीक्षा, राज्यांतर्गत राजस्व कार्यालयों के नियमित निरीक्षण की समीक्षा, जाली मुद्रांको की बिक्री रोकने के संबंध में की गई कार्रवाई की समीक्षा, सरकारी भूमि के स्थायी हस्तांतरणलीज बंदोबस्ती हेतु अभिलेख गठन के समय विभागीय निदेशों के अनुपालन की समीक्षा, बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित समीक्षा, मुख्यमंत्री पशुधन योजना की समीक्षा, १०० एवं ५०० एम०टी० क्षमता का कोल्ड स्टोरेज निर्माण से संबंधित भूमि संबंधित समस्या की समीक्षा, लैम्सपैक्स को कार्यालय कार्य हेतु पंचायत भवन में एक कमरा उपलब्ध कराने से संबंधित समीक्षा, धनबाद वाटर सप्लाई फेज २, धनबाद सीवरेज फेज २ समेत कई अन्य मामलों की समीक्षा की गई। उपायुक्त माधवी मिश्रा ने सभी विभाग के संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सभी मामलों के कार्य मे आ रही समस्याओं का निबटारा करने हेतु निर्देशित किया। वहीं भूमि संबंधित मामलों के निष्पादन हेतु अपर समाहर्ता श्री विनोद कुमार को निर्देशित किया गया। पशुपालन हेतु शेड निर्माण हेतु उप विकास आयुक्त श्री सादात अनवर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, नगर आयुक्त श्री रविराज शर्मा, डायरेक्टर डीआरडीए राजीव रंजन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा, एसडीएम राजेश कुमार, एलआरडीसी दिलीप महतो, डीएलएओ राम नारायण खलखो समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहें।

प्रखंड कार्यालय में पंजीकरण शिविर

बलियापुर (ससे) : प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत एक दिवसीय युवा मोबिलाइजेशन सह पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। कौशल विकास कार्यक्रम के तहत युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के अवसर कैसे उपलब्ध कराया जाए। इस पर विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर में प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, उप प्रमुख आशा देवी के अलावे जेएसएलपीएस, आरसेटी, सखी मंडल की दीदीया आदि थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

90 के दशक में धनबाद में हार्डकोक उद्योगों की चांदी थी : केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

धनबाद (कासं) : केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के निर्देश को अगर देश की स्टील उत्पादक कंपनियां अमल में लाई, तो धनबाद सहित झारखंड के उद्योगों का बहुत बड़ा भला हो सकता है। केंद्रीय मंत्री ने सोमवार को सभी स्टील उत्पादकों को घरेलू कोयला उद्योग से हार्ड कोक खरीदने का निर्देश दिया है। यहां तक कहा कि अगर आपूर्ति पर्याप्त नहीं होती है, तभी विदेश से आयात किया जाए। सूत्र बताते हैं कि वाणिज्य मंत्री के निर्णय पर अगर अमल हुआ, तो झारखंड सहित धनबाद में दम तोड़ रहे हार्डकोक उद्योग को संजीवनी मिल सकती है।

वाणिज्य मंत्री की इस पहल का धनबाद के इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बीएन सिंह ने खुले दिल से स्वागत किया है। उन्होंने यह भी बताया कि धनबाद से जुड़े कुछ उद्योग मलिक बैठक में शामिल थे. उद्यमियों ने बताया कि स्टील कंपनियों को स्पष्ट कहा गया है कि घरेलू कोक की खरीद में प्राथमिकता दे. दरअसल, होता यह है कि आयातित कोक के मुकाबले घरेलू कोक प्रतियोगिता में पीछे रह जाते है।

नतीजा होता है कि सस्ता पड़ने के कारण विदेश से स्टील उत्पादक कंपनिया कोक को आयात करती है। यहां यह बताना गलत नहीं होगा कि धनबाद में कभी हार्ड कोक उद्योग की तूती बोलती थी।

कोयला संकट की वजह से फिलहाल इन पर खतरे के बादल है। स्थानीय हार्ड कोक उद्योग को ना तो कोयला मिल रहा है और नहीं हार्डकोक बेचने के लिए के लिए मार्केट, पिछले कुछ वर्षों से हार्ड कोक उद्योग पर लगातार ताला लटक रहे है। जो चल रहे हैं, वह क्षमता के अनुसार नहीं चल रहे है। हार्डकोक इंडस्ट्रीज को धनबाद में लिंकेज के जरिए हर महीने कभी तीन लाख टन कोयला बीसीसीएल से मिलता था. लेकिन अब उन्हें आंक्शन से कोयला लेना पड़ता है।

कोयले की कमी के कारण कई बार हार्डकोक इंडस्ट्रीज को दूसरे देशों से भी कोयला मंगाना पड़ता है। जो महंगा होता है। इस कारण इसे बेचने में कठिनाई होती है. बताया जाता है कि धनबाद में लगभग डेढ़ सौ हार्डकोक उद्योग स्थापित है. जिनमें आधे से भी कम चल रहे है. वह भी क्षमता के अनुसार नहीं चल रहे है. बता दें कि हार्डकोक उद्योगों में भारी पूंजी निवेश होता है और यह लगातार प्रक्रिया है. एक बार अगर चिमनी बंद हो जाए तो उसे चालू करने में काफी कोयला लगाना पड़ता है।

९० के दशक में धनबाद में हार्डकोक उद्योगों की चांदी थी. लेकिन धीरेधीरे यह उद्योग व्यवस्था की मार झेलने लगा और आज अपने बुरे दिन में पहुंच गया है। इस उद्योग पर प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष ढंग से दो लाख लोगों का रोजगार जुड़ा है. फिर भी इस उद्योग के प्रति कोई ध्यान नहीं दिया. इस उद्योग को कोर सेक्टर में शामिल करने की लगातार मांग की जा रही है, लेकिन ऐसा कभी किया नहीं गया।

दरअसल, कोलियारियों के राष्ट्रीयकरण के बाद कोलियरी मलिक के परिवार वालों ने अपनी आजीविका के लिए हार्डकोक इंडस्ट्री शुरू की। शुरुआती दिनों में तो उन्हें इसका फायदा मिला, लोग धीरेधीरे राष्ट्रीयकरण की टीस को भुलने लगे थे. लेकिन फिर एक बार ऐसा समय आया कि उन्हें इस रोजगार से अलग हटकर दूसरा रोजगार ढूंढना पड़ रहा है। अभी भी कई उद्योग मालिक हैं, जो इंडस्ट्री बंद कर बैठे हुए है। अब जब वाणिज्य मंत्री ने भरोसा दिया है तो उन्हें उम्मीद जगी है कि इस उद्योग के दिन फिर वापस आ सकते है। अगर ऐसा हुआ तो धनबाद का तो भला होगा ही झारखंड का भी इससे बहुत भला हो सकता है।

महाकुंभ स्नान कर लौट रही बस दुर्घटनाग्रस्त, 12 घायल

धनबाद (कासं) : महाकुंभ से स्नान कर पश्चिम बंगाल लौट रही एक बस धनबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। बस में करीब ६५ यात्री सवार थे। इस हादसे में १२ से अधिक लोग घायल हो गए। जिसमें महिला और पुरुष दोनों शामिल है। घायल सभी लोग पश्चिम बंगाल के मेदनीपुर के रहने वाले हैं। प्रयागराज कुंभ में स्नान कर सभी घर लौट रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ है। सभी घायलों का इलाज धनबाद के एसएनएमएमसीएच अस्पताल में चल रहा है।

जिले के निरसा के तेतुलिया मोड़ पर दिल्लीकोलकाता मार्ग में यह हादसा हुआ। बस की जोरदार टक्कर ट्रेलर से हुई, जिससे बस में सवार ६५ यात्रियों में १२ से अधिक यात्री घायल हो गए हैं. घायल यात्री सुबोचंद्र ने बताया कि पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर से सभी कुंभ स्नान के लिए गए थे। स्नान कर वापस लौट रहे थे। इस दौरान बस ने ट्रेलर में जाकर टक्कर मार दी, जिससे लोग घायल हो गए।

बस में करीब ६५ यात्री सवार थे। घटना के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया हैं। हादसे में शिकार हुए गाड़ी गणपति बस है. घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के द्वारा सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया गया। फिलहाल सभी सुरक्षित हैं, उन्हें गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था में प्रशासन जुटी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त बस को एनएचएआई के क्रेन की मदद से जल्द कर थाना लाया गया हैं। पुलिस आगे की कार्रवाई में शुरू कर दी है।

निजीकरण के विरोध में आंदोलन करेगा राकोमयू

भूली (सेसे) : राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन ने मंगलवार को गोंदुडीह कोलियरी में एक सभा की। सभा को संबोधित करते हुए राकोमयू के केंद्रीय उपाध्यक्ष मिथिलेश कुमार सिंह ने मजदूरों से भारत सरकार के मजदूर विरोधी नीतियों और सार्वजनिक प्रतिष्ठान का निजीकरण करने की नीतियों के खिलाफ जोरदार आंदोलन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल की खदानों का एमडीओ मोड़ में बेचने की सरकार की नीतियों का हमारी यूनियन जोरदार विरोध करती है। फरवरी २०२२ में बीसीसीएल प्रबंधन ने सभी मजदूरों से १३ दिनों का वेतन की कटौती नाजायज तरीके से कर ली है।

वार्ता में प्रबंधन ने उसके भुगतान पर सहमति जताई थी लेकिन आज तक उस पैसे का भुगतान नहीं किया गया। प्रबंधन मजदूरों के वेतन से काटे गए पैसे का भुगतान करने के बजाय टालमटोल की नीति अपनाते हुए खानापूर्ति हेतु सिर्फ कमिटी पर कमिटी बनाते जा रही है। पदोन्नति के मामले में भी प्रबंधन कई कटेगरी में पदोन्नति के बदले मजदूरों को नियमित करने का आदेश निर्गत करके उनके साथ अन्याय कर रही है।

उन्होंने कहा कि इन सभी मुद्दों को लेकर मार्च माह में कोयला भवन मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। गोंदुडीह शाखा सचिव रामायण प्रसाद ने कहा की प्रबंधन के खिलाफ हमारी यूनियन जिस तरह के आंदोलन का निर्णय लेगी उसे सफल बनाया जाएगा। सभा में राजकुमार प्रसाद, पदारथ चौहान, शिवकुमार निषाद, शत्रुंजय कुमार, राजेश ठाकुर, वीरेंद्र सिंह, सुबोध सिन्हा, धर्मेंद्र कुमार, आनंद यादव, नारु गोपाल दास, विजेंद्र पासवान, धनेश्वर कुमार, डीके रजक, आर एस महतो, केके यादव, जुबेर अहमद, सुन्दर साव, मनोज मुंडा, मेघनाथ रवानी, कृष्णा चौहान, जगदीश बढ़ई समेत अन्य लोग मौजूद थे।

ग्रामीण एकता मंच ने किया आउटसोर्सिंग का चक्का जाम

कतरास (सेसे) : बाघमारा के बीसीसीएल ब्लॉक टू अंतर्गत संचालित अम्बे प्रा० लि० आउटसोर्सिंग का अनिश्चितकालीन के लिए चक्का जाम ग्रामीण एकता मंच के बैनर तले ग्रामीणों ने कर दिया है। जिसका नेतृत्व समाजसेवी कन्हाई चौहान कर रहे है, वही इसका समर्थन कई राजनीतिक पार्टियों के द्वारा किया गया है। ग्रामीणों कि मांग है कि ३० ग्रामीणों को फिटर बनने के बाद भी नियोजन नहीं मिला और २० मजदूरों को पिछले ४ माह से वेतन नहीं मिला है। इससे मजदूरों के परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। अपनी मांगों को लेकर मजबूर होकर सभी मजदूरों ने अम्बे प्रा०लि० का अनिश्चितकालीन के लिए चक्का जाम कर दिया है।

समाजसेवी कन्हाई चौहान ने कहा कि ग्रामीण एकता मंच के ३० मजदूरों के फिटर की ट्रेनिंग पूरी करने के बावजूद नियोजन नहीं मिलने और २० मजदूरों के ४ महीने से वेतन भुगतान न होने पर अम्बे प्रा०लि० में अनिश्चितकालीन चक्का जाम शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अम्बे प्रबंधक और बीसीसीएल प्रबंधक की मिलीभगत से उनकी रोजीरोटी छीन ली गई है।

वेतन नहीं मिलने और रोजगार के अभाव में मजदूरों के परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गए है। मजदूरों ने चेतावनी दी है कि जब तक बकाया वेतन और फिटर मजदूरों को नियोजन नहीं दिया जाता, तब तक चक्का जाम जारी रहेगा। कम्पनी की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे मजदूरों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

उपायुक्त से मिले सांसद ढुल्लू महतो

सिंदरी (सेसे) : मंगलवार को सांसद ढुल्लू महतो के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधि मण्डल उपायुक्त से मिले एवं सिंदरी डोमगढ में एफसी आईएल के तुगलकी फरमान से अवगत कराया। सासंद ने कहा कि सिंदरी में जब ओबी डम्प के लिए एफसीआईएल के पास अन्य खाली जमीन उपलब्ध है तो आवासीय क्षेत्र को डिस्टर्ब करने की क्या आवश्यकता है, एफसीआईएल प्रबंधन बेवजह विधि व्यवस्था बिगाड़ने पर लगा है एवं पीपी कोर्ट के द्वारा लोगों को नोटिस भेजा जा रहा है जिससे लोगों में भय का माहौल है।

सांसद महोदय ने उपायुक्त से कहा कि मैं कल सिंदरी गया था और हजारों लोगों में जो आक्रोश दिखा वह व्यक्त कर रहा हूं। मैं दिल्ली में मंत्रालय में भी इन बातों को रखूंगा आप अपनी तरफ से भी उचित कार्रवाई करें और जब डंप के लिए अन्य जगह उपस्थित है तो आवासीय कॉलोनी को डिस्टर्ब न किया जाए। सारी बातों को सुनने के बाद उपयुक्त ने कहा कि यदि एफ सीआई के पास वैकल्पिक जमीन है तो उसे आवासीय क्षेत्र को डंप के लिए सेल कंपनी को देना उचित नहीं है। जरूरत पड़ी तो मैं आरएन आर नीति जो एफसीआईएल और सेल के बीच बनी है उसमें संशोधन करवाने का प्रयास करूंगी। उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मैं बहुत जल्द इस विषय पर एफ सीआईएल प्रबंधन से बात कर इस समस्या का समाधान करने का प्रयास करूंगी।

जलापूर्ति को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक

जोड़ापोखर (सेसे) : पूर्वी झरिया क्षेत्र में पीने का पानी की आपूर्ति में हो रही लापरवाही एवं राजनीति के खिलाफ क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष मंगलवार बैठक की गई। बैठक में समाज सेवक मौसम महंती ने कहा कि वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में हो रही राजनीति की खामियांजा भौरा की जनता भोग रही है। पिछले ५ महीने से दिन में पीने का पानी नहीं चलाया जा रहा है। रात १२:०० के बाद २ घंटे के लिए पानी चलाया जाता है। जिसके कारण भौरा की जनता पानी के इंतजार में सारा काम छोड़कर रातसत भर जागने का काम कर रहे हैं। वही कंपनी के द्वारा लाखों रुपया खर्च करके अलग से एक पाइप लाइन बिछाया गया जिसे भी सुचारू रूप से चालू नहीं करने के कारण गर्मी शुरू होने के पहले ही लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है खास करके भौरा की महिलाओं को रातसत भर जाकर पानी भरना पड़ता है। बैठक में निर्णय लिया गया कि २० फरवरी को क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष जल संकट के विरोध में जोरदार आंदोलन किया जाएगा। जब तक पानी की व्यवस्था नहीं की जाती है। क्षेत्रीय कार्यालय को घेर कर रखा जाएगा।

बैठक में मौसम मोहंती योगेंद्र महतो देव कुमार दुबे विमल चक्रवर्ती पप्पू महतो अशोक महतो शंभू महतो परमेश्वर यादव लोग थे।

महिला से चेन छिनतई

धनबाद (कासे) : जिले में एक बार फिर चेन स्नेचर सक्रिय हो गये हैं. ताजा मामला सरायढेला क्षेत्र का है. यहां मंगलवार को बाइक सवार अपराधी एक महिला के गले से सोने की चेन छिनकर फरार हो गये। महिला ने इसकी शिकायत सरायढेला थाना में दर्ज कराई है। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अपराधियों ने प्रत्यक्षदर्शियों को बंदूक का भय दिखाकर भुक्तभोगी महिला के परिजन सचिन जायसवाल ने घटना के संबंध में बताया कि महिला अपने बच्चे को स्कूल छोड़कर वापस अपने घर हीरापुर लौट रही थी, तभी यह घटना घटी। अपराधी पल्सर बाइक पर सवार थे और बाइक में नंबर प्लेट भी नहीं था।

कुंभ यात्रा में बच्चों को गुम होने से बचाने का अनोखा प्रयोग

धनबाद (कासं) : अभी तक यही देखा गया था कि भीड़ भाड़ वाले इलाके में जाने पर बच्चों के पंकेट में घर का पता और मोबाइल नंबर लिखकर पुर्जा में लोग डाल देते थे। बच्चों को मोबाइल का नंबर याद करा देते थे। लेकिन मंगलवार को धनबाद स्टेशन पर एक ऐसा दृश्य दिखा, जो कुंभ जाने वाले यात्रियों के जुनून को बतला रहा था। दरअसल, धनबाद शहर का एक परिवार अपने बच्चों के हाथों पर मेहंदी से मोबाइल नंबर लिख दिया था। वह परिवार ट्रेन से कुंभ जाने की धनबाद रेलवे स्टेशन पर प्रतीक्षा कर रहा था। यह तो बात बिल्कुल सच है कि ट्रेनों में भी भारी भीड़ हो रही है और कुंभ मेला स्थल पर भी भीड़ जुट रही है। बच्चे बुजुर्ग कहीं ना कहीं खो जा रहे है। ऐसी कई घटनाएं रोज सामने आ रही है। इन सबसे बचने को यह परिवार बच्चों के लिए मेहंदी से मोबाइल नंबर लिखने का नया प्रयोग किया। दरअसल, मंगलवार को दिन में भी धनबाद स्टेशन पर भीड़ थी। वैसे तो धनबाद स्टेशन पर कुंभ स्नान के लिए, प्रयागराज जाने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रविवार को भी दृश्य दिखा तो सोमवार को भी लगभग वही दृश्य था। सोमवार को सुबह से लेकर रात तक प्रयागराज जाने के लिए धनबाद से कोई ट्रेन नहीं चली। रात में आने वाली चंबल एक्सप्रेस भी लेट थी।

प्रेस क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल आज

धनबाद (कासं) : रेलवे ग्राउंड में चल रहे धनबाद प्रेस क्लब मीडिया क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के दो मैच खेला गया। पहला मैच धनबाद प्रेस क्लब ब्लू बनाम मिरर मीडिया के बीच हुआ। इस मैच में धनबाद प्रेस क्लब ब्लू की टीम विजयी हुई, वहीं दूसरा मुकाबला डी थ्री व रामअवतार ग्रुप के बीच खेला गया। इस मैच में डी थ्री को जीत मिली। इसी के साथ दोनों विजेता टीमें बुधवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगी।

पहले मैच में प्रेस क्लब ब्लू ने निर्धारित २० ओवर में आठ विकेट खोकर कुल १९६ रन बनाए। जबकि मिरर मीडिया की पूरी टीम १७.३ ओवर में ही आल आउट हो गई। टीम ने १५४ रन ही बना पायी। वहीं दूसरे मैच में रामअवतार ग्रुप की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए १९ ओवर में १० विकेट खो कर १६१ रन बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए डी थ्री की टीम ने महज १३.२ ओवर में ही १६४ रन बनाकर मैच जीत लिया। धनबाद प्रेस क्लब ब्लू टीम के राजा कुमार व डी थ्री के विक्रम सिंह को मैन आफ द मैच का पुरस्कार मिला।

मैच के दौरान धनबाद पुलिस के डीएसपी मुख्यालय एक शंकर कामती, साइबर डीएसपी संजीव कुमार, यातायात डीएसपी अरविंद कुमार, डी थ्री के शांतनु व रामअवतार ग्रुप के अमरेश सिंह मुख्य रूप से मौजूद थे। खेल प्रारंभ होने से पहले अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें बधाई दी। पूरे मैच की कमेंट्री परवेज ने की। इस दौरान धनबाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजीव झा, वरीय उपाध्यक्ष शशि भूषण राय, कोषाध्यक्ष मनोज शर्मा, उपाध्यक्ष प्रतीक पोपट, बलवंत कुमार, अमर प्रसाद, सुरेंद्र यादव, शरतचंद्र पंडिय, सचिव मोहन गोप, संजय चौरसिया, नवीन राय, रामूर्ति पाठक, चंदन पाल, कार्यकारिणी सदस्य विक्की प्रसाद, गोपाल प्रसाद, रोशन सिन्हा, विपीन कुमार रजक व शांभवी सिंह उपस्थित थीं।

ईश्वर आपके निकट है : स्वामी चिदानन्द जी

कृष्ण बिहारी मिश्र

गत रविवार को योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया एवं सेल्फ रियलाइजेशन फैलोशिप के आध्यात्मिक प्रधान स्वामी चिदानन्द गिरि जी रांची के योगदा आश्रम में थे। उनका आगमन रांचीवासियों और खासकर योगदा भक्तों के लिए परम आनन्द का विषय बना हुआ था। जब स्वामी चिदानन्द गिरि भक्तों के बीच में आये और जब उनका स्वागत स्वामी श्रद्धानन्द गिरि ने माल्यार्पण से किया और इधर जब शंखध्वनि सुनाई दी, तो ऑडिटोरियम में खड़े प्रत्येक श्रद्धालुओं के नेत्रों में गंगायमुना उमड़ पड़ी। सभी ने बड़े भावपूर्ण अंदाज में उनका स्वागत किया।

शायद यही कारण रहा कि जब स्वामी चिदानन्द गिरि प्रवचन देने को हुए। तो उनके मुख से यह निकल पड़ा कि इस ऑडिटोरियम में आये एकएक व्यक्ति असाधारण दिव्य आत्माएं है, जो प्रकाशस्वरुप प्रतिबिंबित हो रहे हैं। स्वामी चिदानन्द गिरि के प्रवचन सुननेवालों में भारत के प्रत्येक कोने के लोग थे और कुछ इस पल के साक्षी वे विदेशी भी थे, जो आध्यात्मिक सुख पाने को रांची में मौजूद थे।

स्वामी चिदानन्द गिरि ने जीर्णोद्धार हुए ऑडिटोरियम का नामकरण जैसे ही 'श्रवणालय' के रूप में किया। हजारों की संख्या में बैठे योगदा भक्त भावविभोर हो उठे और यहीं से श्रवण और श्रवणालय की महत्ता को समझाना स्वामी चिदानन्द गिरि ने शुरु किया। जैसेजैसे उनके प्रवचन अपने अंतिम छोर तक पहुंच रहे थे।

ठीक वैसेवैसे श्रवण और श्रवणालय की महत्ता से भी लोग दोचार हो रहे थे, क्योंकि स्वामी चिदानन्द गिरि इन दोनों शब्दों के गूढ़ रहस्यों से सभी को परिचय करा रहे थे।

स्वामी चिदानन्द गिरि ने कहा कि भारत के ऋषिमुनियों ने जितना श्रवण के मूल रहस्यों को समझा। वैसा किसी ने समझने की कोशिश नहीं की। यहीं कारण रहा कि आध्यात्मिक तौर पर वे ईश्वर के ज्यादा निकट रहे। उन्होंने कहा कि श्रवण का मतलब सिर्फ सुनना नहीं हैं, बल्कि उसका मनन करते हुए, उसमें रम जाना, ईश्वरीय अनुभूतियों को महसूस करना है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि जब राजर्षि जनकानन्द जी एक बार गुरुजी के साथ ध्यान करने को बैठे, तो जैसे ही प्रार्थना के कुछ शब्द जैसे हैवनली फादर, मदर, फ्रेंड, बिलवड गॉड कहना प्रारम्भ हुआ। राजर्षि जनकानन्द जी अचेत हो गये। कुछ लोगों ने

कहा कि वे अचेत हो गये। लेकिन गुरुजी ने कहा कि वे अचेत नहीं हुए बल्कि वे समाधिस्थ हो गये।

स्वामी चिदानन्द गिरि जी ने इस दृष्टांत के माध्यम से बता दिया कि श्रवण का मूल अर्थ क्या होता है? वे कहना चाहते थे कि श्रवण का अर्थ ही है कि जिनके बारे में हम सुन रहे हैं। बस उन्हीं का हो जाना है। जैसा कि राजर्षि जनकानन्द जी के साथ हुआ।

उन्होंने दोचार शब्द ही सुने थे और वे समाधिस्थ हो गये। ये हैं श्रवण का महत्व।

उन्होंने कहा कि ये जो जगह हैं। यहां मैं जब भी होता हूं। तो पाता हूं कि मैं स्वयं को परिवर्तित महसूस कर रहा हूं। अपने महान गुरु के आशीर्वाद से अनुप्राणित हो रहा हूं। आप भी गुरुजी के टीचिंग, उनके बताये मार्ग, उनके द्वारा सीखाये गये क्रियायोग के बारे में जानने, सुनने का प्रयास करिये, ताकि आप भी बेहतर दिशा में आध्यात्म की सर्वोच्च शिखर पर पहुंच सकें। ये सभी के लिए आसान है।

स्वामी चिदानन्द गिरि जी ने कहा कि श्रवण का मतलब है कि हम अपने अंदर की सारी बुराइयों को, उससे उत्पन्न होनेवाली तनावों को सदा के लिए दूर करें। इस श्रवणालय में आकर आप गुरुजी के बताये पाठों को स्मरण करने का प्रयास करें। उन पाठों में छपे शब्दों के मूल रहस्यों को जानने की कोशिश करें, ताकि आप आध्यात्मिक अनुभवों को जान सकें, समझ सकें।

उन्होंने कहा कि आप हमेशा गुरुजी को विजुलाइज्ड करें, उन पर खुद को एकाग्र करें, गुरुजी द्वारा बताये जा रहे गाइडलाइन्स को महसूस करें तथा प्रतिदिन के नियमित ध्यान, प्राणायाम, क्रिया के उपरांत गुरुजी के पाठमाला का अध्ययन अवश्य करें, यह मानते हुए कि वे शब्द गुरुजी स्वयं आपके समक्ष बोल रहे हैं और उन्हें आप आत्मसात् कर रहे हैं। फिर आप स्वयं महसूस करेंगे कि आप गुरुजी के कितने निकट हैं? उन्होंने यह भी कहा कि ईश्वर आपके निकटतम से भी निकट है और प्रियतम से भी प्रिय हैं।

इसके पूर्व स्वामी अच्युतानन्द गिरि ने ऐसी भक्ति रसधारा बहाई, जिसमें सभी योगदा भक्तों ने डूबकी लगाई। यह भक्ति रसधारा ऐसी बही, जैसे लगा कि प्रयागराज में अवस्थित अमृत की बूंदें कुछ पल के लिए श्रवणालय में योगदा भक्तों के बीच भजन के रूप में छिड़की जा रही हो। खासकर 'अंधेरा काले पंछी समान, दूर उड़े और दूर उड़े... ' शायद यही कारण रहा कि हमारे पास बैठे एक योगदा भक्त के मुख से यह निकल पड़ा कि भारत भी गजब का देश है। कौन, कहां और कब कुम्भ स्नान का आनन्द ले लें, कुछ कहां नहीं जा सकता?

कार्यक्रम की शुरुआत के पहले स्वामी चिदानन्द गिरि जी का परिचय करा रहे योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया के वरीय उपाध्यक्ष स्वामी स्मरणानन्द गिरि ने बताया कि स्वामी चिदानन्द गिरि पिछले ५५ वर्षों से संन्यासी का जीवन व्यीत कर रहे हैं और संस्था के संपादकीय विभाग का कुशल नेतृत्व कर रहे हैं। स्वामी चिदानन्द गिरि जी के ही प्रयासों से भारत व विश्व की अन्य भाषाओं में प्रेमावतार परमहंस योगानन्द जी की पाठमालाओं व अन्य ग्रंथों का अनुवाद संभव हो सका है। साथ ही ऑनलाइन पाठयक्रम व ध्यान आदि का शुभारम्भ किया गया है।

निराला इलेवन ने जूनियर सहारा टीम को किया पराजित

कतरास (सेसे) : कतरासगढ़ रेलवे मैदान में आयोजित स्व. सत्यनारायण भट्टाचार्य क्रिकेट टूर्नामेंट २०२५ का फाईनल मुकाबला निराला इलेवन वनाम जूनियर सहारा के बीच खेला गया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए निराला इलेवन १० ओवर में ६ विकेट खो कर १६७ रन बनाये. जवाबी पारी खेलने उतरी जूनियर सहारा की टीम ४ विकेट गंवा कर १३३ रन ही बना सकी।

इस तरह से निराला इलेवन ३३ रन से मैच जीत कर टूर्नामेंट के ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच हीरा कुमार बने। जो १९ बॉल पर ६९ रन बनाया. जबकि मैन ऑफ द सीरीज का खिताब अमित मिश्रा को मिला फाइनल मैच से पहले दूसरा सेमी फाईनल हुआ. जिसमें निराला इलेवन ने १० ओवर में १९९ रन बनाया. जवाबी पारी खेलने उतरी जूनियर सहारा टीम ३९ रन से पराजित हो गयी। इसी जीत के साथ निराला इलेवन फाइनल में प्रवेश किया था। मैच के अंपायर श्रीराम दुबे एवं पंकज तिवारी थे। जबकि स्कोरर सानू खानी थे। अतिथियों को मोमेंटो एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट की सफलता आयोजन कमेटी ने टूर्नामेंट के संयोजक उमेश श्रीवास्ता को शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया गया।

उपविजेता टीम को उपस्थित अतिथियों ने रनर ट्रॉफी एवं विजेता टीम को कतरास थाना प्रभारी आसित कुमार सिंह ने ट्रॉफी प्रदान किया।

मौके पर अतिथि के रूप में एलएन भट्टाचार्य, कतरास थाना प्रभारी आशीत कुमार सिंह, आर्य व्यायाम शाला के संस्थाक दुर्गा राम , ९९ ग्रुप के हेड अमित रंजन, धनबाद क्रिकेट ऐसोसिएशन के महासचिव उत्तम विश्वास, धनबाद डीसीए के उपध्यक्ष मनोज सिंह, वरीय अधिवक्ता सोमनाथ चक्रवर्ती, सोमनाथ चौधरी, झारखंड बार एसोसियेशन के सदस्य मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव, पत्रकार उत्तम मुखर्जी, जयदीप बनर्जी, निरज सिंह, इंद्र दीप चटर्जी, राजकुमार तिवारी, आशीष तिवारी, वार्ड २ पार्षद प्रतिनिधि मासूम खान, समाज सेवी चुन्ना यादव, विकास बजरंगी, टूर्नामेंट के अध्यक्ष अधिवक्ता दीपनारायण भट्टाचार्य, संयोजक पत्रकार उमेश श्रीवास्तव एवं आयोजन समिति के सचिव अधिवक्ता राजेश झा, कोषाध्यक्ष रंजीत रवानी, मैच संचालक शम्मी सिंह, पत्रकार दीपक गुप्ता, मो. बाबला, मो. अमान, विष्णु चौरसिया, प्रभात मिश्रा, विक्की सिंह, मो. मेहबूब मो. आमान राकेश सिंह, सौरभ रवानी, रवि कुमार, , गौरव रवानी, शुभम शर्मा, छोटू शर्मा, दिलीप दसौंधी विनय दसौंधी अजित कुमार, अनुज सिंह, छोटे ठाकुर, बिट्टू शर्मा, चीकू, राजू पासवान, विजय पासवान, रवि रविदास, डीडी आदि मौजूद थे।

संपादकीय

अब राजनैतिक दलों को सूचनाधिकार कानून में लाने की तैयारी

राजनीतिक दलों को भी सूचनाधिकार कानून के दायरे में लाने की मांग लंबे समय से उठती रही है। मगर पार्टियां इस तर्क पर इसका विरोध करती रही हैं कि इस तरह लोग उनके हर गोपनीय फैसले, हर कदम के बारे में भी जानकारी मांगना शुरू कर देंगे। राजनीतिक दलों का पंजीकरण जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत होता है, उन्हें सरकार का हिस्सा नहीं माना जा सकता कि उनके हर फैसले के बारे में लोगों को जानकारी दी जाए। मगर अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में सुनवाई की तारीख तय कर दी है। उसने केंद्र सरकार, निर्वाचन आयोग और छह प्रमुख राजनीतिक पार्टियों से कहा है कि इस संबंध में वे अपना तर्क पेश करें।

केंद्रीय सूचना आयोग ने भी 2013 में कहा था कि राजनीतिक पार्टियां का कामकाज सूचनाधिकार कानून के दायरे में आता है। मगर उस पर अब तक किसी भी दल ने अमल नहीं किया है। इसे लेकर एक स्वयंसेवी संगठन और एक अधिवक्ता ने याचिका दायर की थी। अदालत ने उन दोनों याचिकाओं को साथ मिला कर सुनवाई करने का फैसला किया है। यह मामला पिछले दस वर्षों से लटका हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा कदम से यह उम्मीद बनी है कि राजनीतिक दलों की जवाबदेही को लेकर कोई सकारात्मक कदम उठाया जा सकेगा।

पार्टियों के कामकाज में पारदर्शिता का सवाल तब गाढ़े रूप में उठाया जाने लगा था, जब चुनावी चंदे को लेकर शक पैदा हुआ था। चुनावी चंदे के संबंध में सरकार ने नियम बनाया था कि उसके ब्योरे नहीं मांगे जा सकते। पार्टियों को यह बताना जरूरी नहीं होगा कि उन्होंने किससे कितना चंदा

लिया।

बैंक भी इससे संबंधित ब्योरे गोपनीय रखेंगे। मगर जब इसे अदालत में चुनौती दी गई तो सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस तरह चुनावी चंदे लेना गैर-संवैधानिक है। इस तरह यह तय हुआ कि राजनीतिक दल सूचना का अधिकार कानून के दायरे से बाहर नहीं हैं। याचिकाकर्ताओं ने केंद्रीय सूचना आयोग और सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों के आलोक में ही कहा है कि राजनीतिक दलों को सूचनाधिकार कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए।

यह ठीक है कि राजनीतिक दलों का पंजीकरण जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत होता है, मगर इसका अर्थ यह नहीं हो सकता कि वे आम लोगों को अंधेरे में रख कर गतिविधियां चलाएं। चुनावी चंदे पर फैसला देते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि जो लोग पार्टियों को चंदा देते हैं, उन्हें यह जानने का अधिकार है कि उस पैसे का कहां और किस तरह उपयोग किया गया। यह छिपी बात नहीं है कि पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह राजनीतिक दलों को भारी पैमाने पर चंदा मिल रहा है और वे उससे संबंधित विवरण छिपाने का प्रयास करते हैं, उसे लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं कही जा सकती।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद प्राप्त विवरणों से जाहिर हुआ कि बहुत सारी कंपनियों और व्यक्तियों ने राजनीतिक दलों को काफी बड़ी रकम इसलिए दी थी कि उन्हें उसके बदले कोई कारोबारी लाभ मिला था। इस तरह राजनीतिक दलों की नीतिकता और पारदर्शिता पर सवाल उठे थे। अगर राजनीतिक दलों को लगता है कि उनके आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप न हो, तो कुछ बिंदुओं को अलग किया जा सकता है। मगर उनके वित्तीय आदि पक्षों को जवाबदेही के दायरे में लाने से क्यों गुरेज होना चाहिए। राजनीतिक दलों के कामकाज में पारदर्शिता तो होनी ही चाहिए।

लोगों की कमाई पर बैंक से ही खतरा सख्ती के बावजूद 122 करोड़ का गबन

सहकारी बैंकों में अपनी गाढ़ी कमाई जमा करना अब लोगों के लिए जोखिम भरा हो गया है। निम्न और मध्यम आयवर्ग के लोग अपनी जरूरतों में कटौती कर बेटी की शादी या बच्चों की शिक्षा के लिए इस भरोसे से अपनी छोटी पूंजी जमा करते हैं ताकि समय आने पर उसका सदुपयोग करेंगे। मगर सहकारी बैंकों में जिस तरह आए दिन गबन और घोटाले सामने आ रहे हैं, उससे उनका विश्वास डगमगा गया है। यह सच्चाई है कि इन बैंकों से कर्ज लेकर कुछ शातिर गायब हो जाते हैं और कभी-कभी तो प्रबंधक ही धांधली कर गरीबों की जमाराशि डकार जाते हैं। रिजर्व बैंक की सख्ती के बावजूद सहकारी बैंक अपने आय-व्यय ब्योरे में गड़बड़ियां करते हैं, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? मुंबई में 'न्यू इंडिया को-आपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपए के गबन के बाद एक बार फिर यह साबित हुआ है कि सहकारी बैंकों में पैसा सुरक्षित नहीं है। हालांकि रिजर्व बैंक ने कड़े कदम उठा कर और कई पाबंदियां लगा कर संकेत दिया है कि वह ऐसे मामलों को बर्दाश्त नहीं करेगा और उसे बैंक ग्राहकों की चिंता है। कोई दो मत नहीं कि अब इन बैंकों में पारदर्शिता और विश्वसनीयता कायम करना आवश्यक है। चिंता की बात है कि सहकारी बैंकों में एक के बाद एक घोटाले हो रहे हैं। ये बैंक अपने बड़े कारोबार दर्शा कर आम नागरिकों को पैसे जमा करने और अधिक ब्याज का प्रलोभन देते हैं। हालांकि इन बैंकों के नियमन और निगरानी की व्यवस्था है, फिर भी इनके संचालन से जुड़े कर्मचारी और प्रबंधक अनियमितताएं तथा गबन कर सहकारी भावना को ठेस पहुंचाते हैं। यह पहली बार नहीं, जब रिजर्व बैंक ने इतनी बड़ी कार्रवाई की है। इससे पहले वर्ष 2019 में भी पंजाब एंड महाराष्ट्र कोआपरेटिव बैंक में घोटाले सामने आने पर केंद्रीय बैंक ने कई पाबंदियां लगाई थीं। बाद में उस बैंक का अधिग्रहण कर लिया गया था। मगर सवाल यह है कि तमाम सख्तियों के बावजूद सहकारी बैंकों में अनियमितताएं क्यों बढ़ रही हैं। यह तो ग्राहकों के भरोसे के साथ बैंकों का विश्वासघात ही है।

आज का कार्टून

आखिर कौन, कैसे और कब तक पाएगा भीड़ से उत्पन्न भगदड़ पर काबू?

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी शनिवार की रात प्रयागराज महाकुंभ जाने को उतावली भीड़ ने ऐसी भगदड़ मचाई कि लगभग डेढ़ दर्जन लोगों की जान चली गई, जबकि दर्जनाधिक घायल भी हुए। इस बार भी मृतकों में महिलाओं (10) और बच्चों (3) की संख्या ज्यादा रही, जबकि पुरुषों (2) की संख्या उनसे कम रही। वहीं, दर्जनाधिक घायलों में भी लगभग 14 महिलाएं समेत कुल 25 लोग शामिल हैं। ये महज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हमारी संवेदनाशून्य व्यवस्था की विफलता के नमूने मात्र हैं। ऐसी घटनाओं पर आखिर कौन, कैसे और कबतक काबू पाएगा, यह यक्ष प्रश्न ब्रेक के बाद पुनः समुपस्थित है। ऐसा इसलिए कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में भगदड़ के कई मामले सामने आए हैं। वहीं, इस बार तो महज एक महीने के अंदर ही भगदड़ के दो-दो मामले सामने आ चुके हैं, जो कि प्रशासन के लिए चिंता का विषय है। सवाल है कि जब महाकुंभ की तैयारियों को लेकर उत्तरप्रदेश प्रशासन लगातार डींगें हांक रहा था और केंद्र सरकार अपनी पीठ थपथपा रही थी, तब ऐसी हृदयविदारक घटनाओं का घटित होना उसकी तमाम व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान लगा जाता है। सवाल यह भी है कि तमाम सकारात्मक राजनीतिक इच्छाशक्ति के बावजूद इतनी बड़ी प्रशासनिक चूकें कैसे हो गईं।

कमलेश पांडे

हैरत की बात तो यह है कि प्रारम्भिक तौर पर मीडिया माध्यमों में रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी ऐसी किसी घटना व हताहतों के बारे में इंकार कर रहे थे, लेकिन सच्चाई अंत में उन्हें भी बयां करनी ही पड़ी। इससे समझा जा सकता है कि उनका सूचना तंत्र कितना विफल या फिर लोकहित विरोधी है। भले ही इन घटनाओं पर बड़े नेतागण और अधिकारियों के द्वारा खेद प्रकट किया गया हो, जिनके पास वैध टिकट होंगे, उन्हें रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल से मुआवजे भी मिल जाएंगे। लेकिन इससे उन परिवारों की व्यथा कम नहीं हो जाती, जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है या फिर जिनके परिजन अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।

बताया गया है कि सभी लोग नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में प्रयागराज के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए खड़े हुए थे। तभी ट्रेन सम्बन्धी उद्घोषणा के बाद प्लेटफार्म पर अफरातफरी और भगदड़ मच गई। ऐसे में सवाल है कि देश की राजधानी नई दिल्ली जैसे मुख्य रेलवे स्टेशन पर रेल प्रशासन ने समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की थी। अब भले ही इसकी जांच होगी, पर परिणाम ढाक के तीन पात जैसे ही होंगे! जाहिर है कि भीड़ और भगदड़ में अन्योन्याश्रय का सम्बन्ध है। लेकिन इनके नियंत्रण के समुचित उपाय कब तक दिखेंगे, किसके नेतृत्व में सब होगा, कुछ पता नहीं। तब तक ब्रेक के बाद होने वाले हादसों पर सवाल उठाते रहिए, चुनाव दर चुनाव राजनीतिक नेतृत्व बदलते रहिए, लेकिन ये अधिकारी हैं, जिनका सिर्फ तबादला होगा। क्योंकि उनकी जानलेवा लापरवाहियों के बावजूद उन्हें जिम्मेदार ठहराने के कानूनी प्रबंध नदारत हैं! बता दें कि गत 29 जनवरी 2025 को प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 में मौनी अमावस्या से ठीक पहले भी एक दुःखद भगदड़ मची थी, जहां लगभग 30 लोगों की मौत हो गई थी और तकरीबन 60 लोग घायल हो गए थे। दरअसल, महाकुंभ मेले में ये हादसा 29 जनवरी के तड़के हुआ था, जब सभी लोग संगम नोज की तरफ नहाने के लिए जा रहे थे। तब यहां भी लाखों लोगों की भीड़ बेकाबू हो चुकी थी। जिसके बाद आनन-फानन में वीवीआईपी व्यवस्था बदल दी गई और अखाड़ों ने भी मौनी अमावस्या के लिए अपने पारंपरिक अमृत स्नान को रद्द कर दिया और दोपहर बाद अमृत स्नान किया। इससे भी धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन सम्बन्धी सवाल उठे थे। यहां भी एक न्यायिक जांच आयोग का गठन करके प्रशासनिक खाना पूर्ति कर दी गई है। इसलिए भीड़ नियंत्रण सम्बन्धी विफलताओं पर जनसामान्य की चिंता ज्यादा बढ़ गई है। वहीं, गत 8 जनवरी, 2025 को आंध्र प्रदेश के तिरुपति में मची भगदड़ में कम से कम 6 भक्तों की मौत हो गई थी, जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए थे, क्योंकि सैकड़ों लोग तिरुमाला पहाड़ियों पर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए टिकट पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे। बताया गया था कि तब 10 जनवरी से शुरू होने वाले 10 दिवसीय वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए देश भर से सैकड़ों भक्त यहां आए थे।

यदि आप पिछले कुछ वर्षों में भारत में हुई प्रमुख भगदड़ की घटनाओं की सूची खंगालेंगे तो पता चलेगा कि साल-दो साल बाद ऐसी घटनाओं की एक लंबी फेहरिस्त है। यदि पिछले दो दशकों की प्रमुख भगदड़ सम्बन्धी घटनाओं पर गौर करें तो 27 अगस्त, 2003 को

महाराष्ट्र के नासिक में कुंभ मेले में भगदड़ के दौरान जहां 39 लोगों की मौत हो गई थी वहीं, 140 अन्य घायल हो गए थे। इसी प्रकार 25 जनवरी, 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के वाई शहर स्थित मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ के दौरान 300 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 100 अन्य लोग घायल हो गए थे। वहीं, 3 अगस्त, 2008 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में नैना देवी मंदिर में भगदड़ के दौरान 162 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि सैकड़ों की संख्या में लोग घायल हुए थे। तब यहां पहाड़ी की चोटी पर स्थित नैना देवी मंदिर में भूस्खलन की अफवाह के कारण मची भगदड़ मच गई थी। वहीं, 30 सितंबर, 2008 को राजस्थान के जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में नवरात्रि के दौरान भगदड़ मचने पर 250 लोगों की मौत कुचले जाने से हो गई थी। क्योंकि इस दौरान भारी संख्या में तीर्थयात्री इकट्ठा हुए थे। वहीं, 4 मार्च, 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में 63 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें अधिकतर बच्चे शामिल थे। इस मंदिर में मुफ्त भोजन और कपड़े के लिए हुई भारी भीड़ के कारण भगदड़ हुई थी। इसके अलावा, 15 जनवरी, 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में एक जीप के घर जा रहे तीर्थयात्रियों से टकरा जाने के कारण मची भगदड़ में कम से कम 104 सबरीमाला भक्त स्वर्गलोक सिधार गए थे, जबकि 40 से अधिक घायल हो गए थे। इसके अलावा, 8 नवंबर, 2011 को उत्तराखंड के हरिद्वार में गंगा घाट स्थित हर-की-पौड़ी में 20 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 19 नवंबर, 2012 को पटना के अदालत घाट पर एक अस्थायी पुल पर भीड़ के चढ़ जाने से उसके ढह जाने से 20 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, फरवरी 2013 को उत्तर प्रदेश में कुंभ मेले के सबसे व्यस्त दिन प्रयागराज रेलवे स्टेशन में भगदड़ हो गई थी। इस हादसे में कम से कम 36 हिंदू तीर्थयात्रियों की जान चली गई थी। मृतकों में 27 महिलाएं थीं, जिनमें एक आठ साल की बच्ची भी शामिल थी। वहीं, 13 अक्टूबर, 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास मची भगदड़ में 115 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे।

तब यहां मंदिर में देवी दुर्गा की नौ दिवसीय पूजा-अर्चना के लिए 1,50,000 से अधिक लोग एकत्रित हुए थे। वहीं, 3 अक्टूबर, 2014 को पटना के गांधी मैदान में 30 लोगों की मौत हो गई थी तथा 26 अन्य लोग घायल हो गए थे। इसी प्रकार, 14 जनवरी, 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में गोदावरी नदी के तट पर मची भगदड़ में 26 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 1 जनवरी, 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत ऐसी ही एक जानलेवा भगदड़ में हो गई थी। वहीं, 31 मार्च, 2023 को मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में रामनवमी समारोह के दौरान मची एक भगदड़ में लगभग 36 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, 2 जुलाई, 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक धार्मिक समागम में मची भगदड़ में कम से कम 121 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 28 अन्य लोग घायल हो गए थे। पीड़ित हजारों लोगों की भीड़ का हिस्सा थे जो धार्मिक उपदेशक भोले बाबा के %सत्संग% के लिए सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलराई गांव के पास एकत्र हुए थे। ऐसे में उठता है कि आखिर में भगदड़ क्या है? तो जवाब होगा कि कहीं पर भी अचानक भीड़ के बढ़ने के बाद किसी वजह से मची अफरातफरी से भगदड़ होती है। इस दौरान लोगों का एक बड़ा ताकतवर समूह अनियंत्रित रूप से आगे बढ़ता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर कमजोर लोग कुचल जाते हैं, कुछ का दम घुट जाता है और मृत्यु हो जाती है। यह घबराहट या उत्तेजना से प्रेरित होती है। यह अफवाहों, भय, सीमित स्थान या अचानक आंदोलनों के कारण उत्पन्न हो सकता है, जिससे भीड़ का व्यवहार अव्यवस्थित हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में 79% भगदड़ें धार्मिक आयोजनों के दौरान ही हुई हैं।सवाल है कि किसी भी भगदड़ के लिए जिम्मेदार कारक क्या-क्या होते हैं? तो जवाब होगा कि संरचनात्मक विफलताएं यानी कमजोर अस्थायी संरचनाएं, खराब बैरिकेडिंग और संकीर्ण प्रवेश/निकास द्वार अमूमन खतरे पैदा करते हैं। वहीं, भीड़ पर अपर्याप्त नियंत्रण भी प्रमुख कारक है, क्योंकि भीड़ के आकार का कम आंकलन, स्टाफ की कमी, अपर्याप्त निकास और अनियंत्रित प्रवेश के कारण भीड़भाड़ हो जाती है। वहीं, घबराहट और अफवाहें की इसकी प्रमुख कारक हैं, क्योंकि झूठे अलार्म या सामूहिक उन्माद के कारण अचानक हलचल हो सकती है, जिससे लोग भागकर गिर जाते हैं और दबे-कुचले जाते हैं। वहीं, आग एवं विद्युत संबंधी समस्याएं भी कभी कभी इसका कारक बन जाती हैं, क्योंकि शॉर्ट सर्किट, अग्निशामक यंत्रों की कमी या खराब प्रबंधन व्यवस्था से भी घबराहट की स्थिति पैदा हो जाती है, जिससे भगदड़ मच जाती है। वहीं, समन्वय का अभाव भी इसका एक प्रमुख कारक है, क्योंकि एजेंसियों के बीच खराब योजना, विलंबित प्रतिक्रिया और वास्तविक समय की निगरानी का अभाव ऐसे अप्रत्याशित संकट को और बदतर बना देता है। यही वजह है कि किसी भी सम्भावित जगह पर भगदड़ रोकने हेतु एनडीएमए ने कतिपय दिशानिर्देश जारी किए होते हैं, फिर भी आधिकारिक लापरवाही या पेशेवर अनुभवहीनता के चलते ऐसी घटनाओं पर अब तक लगाम नहीं लगाया जा सका है। इस निमित्त भीड़ का आकलन और प्रबंधन महत्वपूर्ण है। लिहाजा, प्राधिकारियों को अपेक्षित भीड़ का आकलन करना होता है, प्रवेश बिंदुओं को नियंत्रित करना होता है, तथा लोगों की संख्या को विनियमित करना होता है।

प्रगति यात्रा के सहारे चुनावी नैया पार उतारने की कोशिश में नीतीश

बिहार में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष-दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस लिया है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में चुनावी मैदान में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है।

उमेश चतुर्वेदी

जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्बत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है। एनडीए अगर बिहार की सत्ता से अतीत में कभी दूर हुआ भी है तो उसकी वजह खुद नीतीश का उसका साथ छोड़ना रहा है।

नीतीश कुमार की अगुआई में 2005 में बिहार की सत्ता पर एनडीए के काबिज होने के बाद बिहार की अराजक छवि में तेजी से बदलाव हुआ। शासन की गाड़ी पटरी पर लगातार आती गई। नीतीश के पहले बिहार में बिजली के दर्शन कभी-कभी होते थे, लेकिन बाद में हालात बदले। बिहार की सड़कें देश और दुनिया में अपनी बदहाली के लिए जानी जाती थीं, लेकिन नीतीश ने उन्हें भी बदला। लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिलों की सौगात मिली। कभी माफिया, अपहरण और वसूली के लिए बदनाम बिहार की छवि बदलने लगी। इसके बाद नीतीश कुमार की भी नई छवि बनी, उन्हें नया नाम भी मिला,

सुशासन कुमार। पंद्रह साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में नीतीश की पार्टी की सीटें घटीं। हाल के दिनों में उनके कुछ बयानों पर सवाल भी उठे, इसके बावजूद बिहार की राजनीति का सबसे चमकदार चेहरा अब भी नीतीश कुमार ही हैं। शायद यही वजह है कि एनडीए एक बार नीतीश कुमार के ही चेहरे के साथ मैदान में उतरने जा रहा है। एनडीए और जनता दल यू को लगता है कि इस जंग में इस बार सियासी कामयाबी दिलाने में मददगार नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ही हो सकती है। इसलिए सत्ताधारी खेमे की ओर से एक तरफ जहां विकास को मुद्दा बनाने की तैयारी है, वहीं विकास के सिलसिले में नए आयाम जोड़ने को लेकर तेजी से काम हो रहा है। इसी के तहत नीतीश सरकार सड़क और पुल निर्माण जैसे विकास कार्यों को जमीन पर उतारने की तैयारी तेज कर दी है।

एनडीए के साथ ही बिहार के सियासी जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह यात्रा बिहार के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। क्योंकि नीतीश सरकार की नीतियों की वजह से पहले से ही समूचे राज्य में बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार हो रहा है। अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ ही लोगों की राय जानने के लिए कुछ दिनों पहले से नीतीश कुमार ने राज्य में प्रगति यात्रा की। इस यात्रा के दौरान नीतीश ने राज्य के तमाम जिलों में लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए सुनवाई की जगह पर ही अधिकारियों को सीधे निर्देश दिए। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। विशेष रूप से सड़क निर्माण, बाईपास और उच्चस्तरीय रेलवे ओवर ब्रिज की योजनाओं पर जोर दिया गया, ताकि राज्य में आवागमन की सुगमता बढ़े और यात्रा समय में कमी आए।

प्रगति यात्रा के ही दौरान नीतीश कुमार ने 20,000 करोड़ रुपये की 188 योजनाओं की घोषणा की, जिनमें 121 योजनाओं को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिल चुकी है और उन्हें जमीनी हकीकत बनाने को लेकर तेजी से काम शुरू हो चुका है। इनमें से कई योजनाएं ग्रामीण सड़कों को बेहतर बनाने, उनका पुनर्निर्माण करने और उनकी हालत पहले की तुलना में और बेहतर बनाने को लेकर हैं। इस दौरान समस्तीपुर और मधेपुरा जिलों में महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। साथ ही, सीवान, छपरा, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर जिलों में सड़क चौड़ीकरण, बाईपास और पुल निर्माण कार्यों के लिए भी भारी धनराशि स्वीकृत की गई है। सत्ताधारी खेमे का दावा है कि नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और कड़ी मेहनत की वजह से बिहार का तकरीबन हर गांव पक्की और चौड़ी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। बहुत सारी सड़कें तैयार भी हो चुकी हैं। जिनकी मदद से बिहार के किसी भी कोने से पहले की तुलना में राजधानी पटना पहुंचना कहीं ज्यादा आसान हुआ है। इसकी वजह से लोगों के समय और ईंधन की बचत हो रही है। नीतीश की अगुआई में 2010 में मिली दूसरी जीत में बेहतर सड़कों की बड़ी भूमिका रही। शायद यही वजह है कि नीतीश कुमार ने सड़कों और बुनियादी सुविधाओं के लिए खजाना खोल दिया है।

नीतीश के लिए चुनौती शराबबंदी बनी हुई है। सरकारी तंत्र के भ्रष्टाचार की वजह से शराब की तस्करी बढ़ी है। हालांकि शराबबंदी से महिलाएं खुश हैं। नीतीश को इस चुनौती से पार पाना होगा। वैसे प्रशांत किशोर जैसे उनके पुराने साथी विपक्षी खेमे की ओर से इसे बड़ा मुद्दा बना रहे हैं। फिर भी कह सकते हैं कि बिहार की आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ा नीतीश सरकार का पहिया अब भी प्रमुख मुद्दा है। उम्मीद की जा रही है कि चुनावों की घोषणा होने तक नीतीश और बीजेपी इसे अपनी उपलब्धि के तौर पर प्रचारित और विस्तारित करते रहेंगे। यह सच है कि जातिवाद से ग्रस्त बिहार की राजनीति पर विकास की राजनीति भारी पड़ती रही है। शायद यही वजह है कि नीतीश सरकार विकास पर जोर दे रही है और इसे ही अपना सियासी हथियार बनाने की तैयारी में है।

खलासी नहीं करेंगे वाहन का परिचालन : एसडीओ

बोकारो (ससे): समाहरणालय सभागार में मंगलवार को जिले में बढ़ रही सड़क दुर्घटनों पर अंकुश लगाने को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) चास प्रांजल ढांडा की अध्यक्षता में जिले में संचालित सीटीपीएस/बीटीपीएस प्रबंधन के प्रतिनिधियों एवं विभिन्न ट्रांसपोर्टरों के साथ बैठक की गई। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सड़क सुरक्षा टीम के सदस्य आदि उपस्थित थे।

बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि रात्रि में वाहन जांच अभियान के दौरान मालवाहक वाहनों का परिचालन चालक (ड्राइवर) के स्थान पर खलासी (सह चालक/हेल्पर) द्वारा किया जाता है, जो सही नहीं है। वहीं, कई वाहनों में केवल चालक या खलासी रहते हैं, यह भी सही नहीं है। कई वाहन ओवरलोड पाये जाते हैं एवं छाई/कोयले के ढुलाई क्रम में तीरपाल का इस्तेमाल नहीं करते है। इन सभी कारणों से सड़क दुर्घटनाएं होती है।

मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी चास ने कहा कि पीएसयू अपने यहां संचालित वाहनों में सुनिश्चित करें कि किसी भी परिस्थिति में परिवहन नियमों की अनदेखी नहीं हो। वाहन का परिचालन वैद्य कर्मिशियल डीएल धारी चालक ही करें। वाहन परिचालन के समय चालक (ड्राइवर) के साथ सहचालक (खलासी) वाहन में मौजूद हो। सहचालक वाहन का परिचालन नहीं करेंगे, इसे सख्ती से सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में परिवहन विभाग एवं उनके द्वारा सघन वाहन जांच अभियान दिन व रात में चलाया जाएगा। अगर किसी भी परिस्थिति में परिवहन नियमों/ यातायात नियमों/ मोटर वाहन अधिनियम आदी की अनदेखी पाई जाती है, तो कार्रवाई के साथ जुर्माना वसूला जाएगा।

बैठक के क्रम में जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि वाहनों के साथ संबंधित ट्रांसपोर्टर के विरूद्ध भी नियम संगत कार्रवाई होगी। इसलिए ट्रांसपोर्टर सुनिश्चित करेंगे कि उनके वाहन में सभी वैद्य दस्तावेज उपलब्ध हो, वाहनों का बीमा, टैक्स आदि अपडेट हो। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा - निर्देश दिया।

वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज की रात्रि यात्रा फिर से शुरू

मथुरा (ईएमएस): मथुरा के वृंदावन धाम में १० दिनों के बाद संत प्रेमानंद महाराज की रात्रि यात्रा फिर से शुरू हो गई है। पहले एनआरआई ग्रीन कॉलोनी के निवासियों ने इस यात्रा का विरोध किया था जिसकी वजह से यात्रा बंद करनी पड़ी थी। संत प्रेमानंद महाराज ने देशवासियों का कहा था कि उनकी यात्रा से किसी को भी कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

इसके परिणामस्वरूप, देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं में निराशा फैल गई थी। धीरेन्द्र शास्त्री और अनिरुद्धाचार्य ने भी इस मामले में हस्तक्षेप किया था। ब्रजवासी यह तय करने के लिए स्पष्ट किया कि उनका यात्रा के खिलाफ नहीं था, वे केवल आतिशबाजी के खिलाफ थे।एनआरआई सोसायटी के लोगों ने महाराज से भेंट करके यात्रा को फिर से शुरू करने की मांग की और बताया कि यात्रा न होने से भक्त और ब्रजवासी निराश हैं।

शिविरों में जुटी लोगों की भीड़, किया आवेदन

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिले के सभी अंचलों में विभिन्न हल्का क्षेत्रों में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन किया गया, जो आगामी ०३ मार्च २०२५ तक अलग-अलग हल्का क्षेत्रों में जारी रहेगा। पहले दिन मंगलवार को जिले के चास अंचल के रानीपोखर, पुनपुनकी, चास, जरीडीह अंचल के टांड़ बालीडीह, कसमार अंचल के पोण्डा, सोनपुरा, मंजुरा, पेटरवार अंचल के पतकी, मर्दाना, सदमाकला, बेरमो अंचल के अरमो, नावाडीह अंचल के मुंगोरंगामाटी,चिरूडीह एवं चंद्रपुरा अंचल के तुरियो पंचायत भवन (हल्का क्षेत्र) में शिविर का आयोजन किया गया। जहां खतियानी रैयत के उत्तराधिकारियों एवं आपसी बंटवारा के आधार पर दाखिल - खारिज के लिए आवेदन प्राप्त किए गएं। शिविर में भूमि संबंधित अन्य समस्याओं का भी निराकरण संबंधित अंचल के अंचलाधिकारियों द्वारा किया गया। साथ ही, अग्रतर कार्रवाई के लिए आवेदन प्राप्त किया गया। शिविर में काफी संख्या में आमजन शामिल हुए।

वहीं, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी उक्त विशेष राजस्व शिविरों की निगरानी करते हुए संबंधित अंचलाधिकारियों को शिविर के सफल आयोजन को लेकर स्थानीय स्तर पर प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया।

दूसरे की जगह पर परीक्षा देते छात्र पकड़ाया, निष्कासित

बोकारो (ससे): झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) द्वारा संचालित मैट्रिक परीक्षा में दूसरे की जगह पर परीक्षा देने पहुंचे एक छात्र को पकड़ा गया है। मामला चास प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय (यूएचएस) सोनाबाद, सेंटर कोड २५०१४ का है। जानकारी के अनुसार, परीक्षा केंद्र में वीक्षक द्वारा छात्रों के एडमिट कार्ड का सत्यापन क्रम में पाया गया कि राज कुमार गुप्ता नामक एक छात्र एक अन्य छात्र दयाल कुमार बाउरी के नाम का एडमिट कार्ड लेकर बैठा है। वीक्षक द्वारा संदेह होने पर संबंधित छात्र के एडमिट कार्ड एवं उसके आधार कार्ड का मिलान किया गया, जिसमें अंतर पाया गया।

इसके बाद वीक्षक ने पूरे मामले की जानकारी केंद्राधीक्षक को दी। केंद्राधीक्षक ने मामले से जिले के वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराते हुए संबंधित छात्र को निष्कासित करते हुए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया।

इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा ने बताया कि मामले से झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) को अवगत करा दिया गया है। प्रशासन कदाचार मुक्त वातावरण में परीक्षा संपन्न कराने को लेकर प्रतिबद्ध है।

चिरेका ने 581 इलेक्ट्रिक रेल इंजन का किया उत्पादन

चित्तरंजन (ससे): भारतीय रेलवे की अग्रणी लोकोमोटिव विनिर्माण इकाई चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) ने अपने स्थापना वर्ष का ७५ गौरवशाली वर्षों का उत्सव मनाते हुए आज १८.०२.२०२५ को वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के लिए ५८१वां इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव का ऐतिहासिक उत्पादन आँकड़ा का मुकाम हासिल किया, जो विगत वित्तीय वर्ष २०२३-२४ में प्राप्त ५८० लोकोमोटिव निर्माण के अब तक के उच्चतम उत्पादन आंकड़ा को पार कर गया है। चिरेका द्वारा यह उपलब्धि किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक का सबसे अधिक उत्पादन आँकड़ा है और इसके इतिहास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। चालू वित्तीय वर्ष में यह उल्लेखनीय उपलब्धि पिछले वर्ष की तुलना में ४१ दिन पहले ही हासिल कर ली गई है।

यह उल्लेखनीय उपलब्धि श्री विजय कुमार,महाप्रबंधक/चिरेका के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इनके निरंतर प्रेरणा और प्रोत्साहन से चिरेका के कार्य कुशल कर्मचारियों द्वारा समर्पित प्रयास से संभव हो पाया। महाप्रबंधक विजय कुमार ने चिरेका की पूरी टीम इस उपलब्धि के लिए को बधाई दी और उत्पादन की प्रगति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

विकास विभाग में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

बोकारो (ससे): मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सन्यंत्र के विभिन्न विभागो के लगभग ८१ अधिकारीयों , कर्मचारीगण तथा निविदा कर्मियों के लिए सुरक्षा अभियंत्रण विभाग तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया. कार्यक्रम मे सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं विभाग से महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) श्री विकास गुप्ता, सहायक महा प्रबंधक श्री शुकदेव महतो, सहायक प्रबंधक श्री विराट चौधरी तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग से सहायक महाप्रबंधक श्री दिलीप तिर्की उपस्थित थे.

सहायक प्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रण विभाग) श्री विराट चौधरी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी. कार्यक्रम मे महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) श्री विकास गुप्ता ने इस कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा स्टील प्लांट के लिए गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व की जानकारी दी एवम सभी प्रतिभागियो से इस कार्यक्रम से अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की.

सहायक प्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रण विभाग), श्री विराट चौधरी ने सभी प्रतिभागियो को सुरक्षा शपथ दिलाई तत्पश्चात ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक महाप्रबंधक श्री दिलीप तिर्की ने एक प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रतिभागियो को गैस सुरक्षा से सम्बन्धित जानकारी दी. कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रण विभाग), श्री विराट चौधरी ने किया. कार्यक्रम के आयोजन में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग का महत्वपूर्ण योगदान था.

सीसी विभाग में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट के सीओसीसी विभाग में भूषण कुमार सिंह, महाप्रबंधक (सीओसीसी) की अध्यक्षता में एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में सीओ सी सी विभाग के अधिशासी तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे. कार्यशाला का संचालन बी एस एल के राजभाषा अधिकारी श्री आलोक कुमार, उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) तथा श्री मानस चंद्र रजवार, सहायक प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) द्वारा किया गया. कार्यशाला में राजभाषा विभाग की तरफ से डॉ एन के राय , प्रधानाचार्य (शिक्षा विभाग) उपस्थित थे.

कार्यशाला की शुरुआत में श्री लखविंदर सिंह , उप प्रबंधक (सीओसीसी) ने सभी का स्वागत किया, तत्पश्चात बी एस एल के राजभाषा अधिकारी श्री आलोक कुमार, उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) ने हिंदी का राजभाषा के रूप में महत्व, इसकी उपयोगिता तथा संविधान में इसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा संसदीय राजभाषा समिति की अपेक्षाओं के अनुरूप हिंदी पत्राचार में यूनिकोड का अधिकाधिक प्रयोग करने की अपील की.

कार्यशाला में हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया तथा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया गया. कार्यशाला का समापन श्री लखविंदर सिंह , उप प्रबंधक (सी ओ सी सी) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ.

टाटा लाइफ इंश्योरेंस डुमरी शाखा का उद्घाटन

डुमरी (ससे): टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस डुमरी शाखा का उद्घाटन मंगलवार को टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के डायरेक्टर ऑफ एजेंसी शहीद खान असिस्टेंट डायरेक्टर ऑफ एजेंसी धर्मवीर ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया।मौके पर शाखा प्रबंधक दिलमोहमद अंसारी लीडर संजय झा,राजीव कुमार शमीम अख्तर पंकज सिन्हा,विनोद कुमार बद्री जयसवाल आदि उपस्थित थे.

कार्यक्रम के पूर्व कंपनी का लीडर एडवाइजर ने मोटर साइकिल रैली निकल कर लोगो को इंश्योरेंस के प्रति जागरूक किया रैली में शामिल लोग इंश्योरेंस फॉर आल ईडियन,२४ सात बेमिसाल, टाटा ए आई ए हमारी शान आदि के नारे लगा रहे थे जागरूकता रैली ब्रांच से निकल कर बेरमो मोड़,डुमरी मोड़,आईबीपी से हुए ईसरी बाजार, स्टेशन रोड से वापस ब्रांच पहुंची यहां लोगो को संबोधित करते हुए टाटा ए आई ए के डायरेक्टर ऑफ एजेंसी शहीद खान ने कहा कि आज के समय में लोगों के सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने के लिए आई आर डी ए ने इंश्योरेंस फॉर ऑल का नारा दिया है,टाटा एआईए एक भारतीय बीमा कंपनी है जो टाटा ग्रुप और एआईए ग्रुप के बीच एक संयुक्त उद्यम है, टाटा एआईए की स्थापना २००१ में हुई थी और इसका मुख्यालय मुंबई में है।टाटा एआईए की ब्रांच का उद्घाटन विभिन्न शहरों में हुआ है, हालांकि, मैं आपको बता सकता हूं कि टाटा एआईए की ब्रांच देश के विभिन्न हिस्सों में हैं,जिनमें मुंबई, दिल्ली, झारखंड, बिहार, बैंगलोर, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता,पुणे,और अहमदाबाद शामिल हैं।

अंतरप्रांतीय गिरोह के छह साइबर अपराधी गिरफ्तार

दुमका (ससे): साइबर अपराधियों ने साइबर ठगी के नए नए तरीकों से लोगों को अपने ठगी का शिकार बना रहे हैं। ताजा मामला आज प्रकाश में आया है, जिसमें साइबर अपराधियों के द्वारा स्मार्ट मीटर लगने के नाम पर पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, तामिलनाडु के लोगों को फोन कॉल कर ठगी कर रहे हैं।

बताते चलें कि जामताड़ा एस पी डॉक्टर एहतेशाम वकारीब को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि करमाटांड थाना क्षेत्र के जसाईडीह पलास जंगल में कुछ साइबर बदमाशों के द्वारा लोगो को फोन कॉल कर ठगी कर रहे हैं। उंक्त सूचना के आधार पर एस पी ने साइबर अपराध थाना पुलिस की टीम कर पलास जंगल में छापेमारी करवाई जिसमें दो सगे भाई समेत छः साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार साइबर अपराधियों से पूछताछ की तो पता चला कि यह लोग अब स्मार्ट मीटर लगाने के नाम पर ठगी कर रहे हैं। आज साइबर अपराध थाना में प्रशिक्षु आई पी एस राघवेंद्र शर्मा ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर साइबर अपराधियों के विरुद्ध कारवाई हुई है, जिसमें मन्टु कुमार बल, अन्टु कुमार बल दोनों सगे भाई हैं , इसके साथ ही प्रमोद कुमार मंडल, प्रमोद राय, मन्टु पंडित, समर महतो को १९ फर्जी मोबाईल, २० सिम, ८ एटीएम० कार्ड, एक आधार कार्ड के साथ गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध साइबर अपराध व आई टी एक्ट के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि गिरफ्तार सभी अभियुक्त अब बड़े बड़े शहरों के लोगों को स्मार्ट मीटर लगाने के नाम पर ठगी कर रहे हैं।

कदाचार मुक्त परीक्षा का संचालन हमारा लक्ष्य : जैक सदस्य

डुमरी (ससे): झारखंड अधिविध परिषद के सदस्य प्रो अनिल कुमार महतो मंगलवार को डुमरी क्षेत्र में माध्यमिक एवं इंटर की परीक्षाओं में औचक निरीक्षण के दौरान पीएनडी जैन उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र में पहुंचे।जैन उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सह केन्द्र अधीक्षक सुनील कुमार जैन सहायक केन्द्राधीक्षक प्रमोद कुमार यादव एवं शिक्षकों ने सदस्य का विद्यालय प्रांगण में अभिनंदन किया।केन्द्राधीक्षक सुनील कुमार जैन ने बताया कि अनिल कुमार महतो परीक्षा कक्ष में जाकर विधि- व्यवस्था से रूबरू हुए।

महतो ने वीक्षकों को इमानदारी से वीक्षण कार्य करने की सलाह दी।इसके बाद प्रधानाध्यापक के साथ विद्यार्थियों एवं परीक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।महतो ने कहा जैक अपने बेहतर कार्य करे,इसमें आप शिक्षकों के सुझाव भी समय-समय पर मिलने चाहिए।निरीक्षण के दौरान स्टेटिक मजिस्ट्रेट मनीष कुमार भी उपस्थित थे। इस दौरान सहायक शिक्षक एवं वीक्षक सुब्रत कुमार सामंत और डॉ विवेक जैन से भी महतो ने परिचर्चा की।सुनील कुमार जैन ने बताया कि दूसरी पाली में हमारे यहाँ विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के ४५ परीक्षार्थियों की अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा थी, जिसमें सभी परीक्षार्थी उपस्थित थे।पहली पाली में मैट्रिक के ४२० में ४१९ परीक्षार्थियों ने हिन्दी ए एवं हिन्दी बी की परीक्षा में सम्मिलित हुए।

रेलवे की लापरवाही से इतने लोगों की मौत हुई : लालू यादव

पटना,(ईएमएस): बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि जो लोग आज लालू यादव को गालियां दे रहे हैं, वही लोग एक दिन उनको भारत रत्न देंगे तेजस्वी ने यह बात बिहार के सीतामढ़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। दरअसल, बीते दिनों नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ को लेकर लालू यादव ने रेलवे पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि दुखद घटना घटी है। यह रेलवे की गलती है। रेलवे की लापरवाही से इतने लोगों की मौत हुई है।

इस दौरान उन्होंने कुंभ को लेकर भी कहा था कि कुंभ का कहां कोई मतलब है। फालतू है कुंभ उनके इस बयान को लेकर केंद्र और राज्य में सत्ता पक्ष के नेताओं ने उनकी आलोचना की थी। तेजस्वी ने कहा कि जब कर्पूरी ठाकुर ने आरक्षण को लागू किया था, तो ये लोग उनको भद्दी गालियां देते थे।ै।े, उनको भारत रत्न देना पड़ रहा है। ये है समाजवाद की असली ताक़त।

उन्होंने कहा कि ये ताक़त है कर्पूरी जी की, आज भी कर्पूरी जी प्रासंगिक हैं, जो गाली दिया करते थे, वो भारत रत्न दे रहे हैं। लालू जी को गाली देने वालों से भी हम कहना चाहते हैं कि आज तो तुम लोग लालू जी को गाली दे रहे हो, लेकिन आने वाले समय में उनको भी तुम भारत रत्न देने का काम करोगे।

स्कूली शिक्षा प्रणाली व विद्यार्थियों के लिए घातक है डमी स्कूलिंग

बोकारो (ससे):शिक्षा का अर्थ केवल किताबी ज्ञान और परीक्षाओं में अच्छे अंक लाना ही नहीं है। शिक्षा सही मायने में तभी सार्थक मानी जाती है जब पढ़ाई के साथ-साथ एक विद्यार्थी का समग्र विकास हो और वह अपने जीवन में एक सफल नागरिक बन सके।

इसके लिए विद्यालय सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। तभी तो इसे महज शिक्षा का केन्द्र नहीं, बल्कि ज्ञान का मंदिर कहा जाता है। ज्ञान का अर्थ ही है समग्र रूप से बच्चों का बौद्धिक, शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास। विद्यालय ही वह स्थान है, जहां शिक्षक विद्यार्थियों में इन सभी आवश्यक गुणों का विकास कर इसके माध्यम से देश का भविष्य गढ़ते हैं।

लेकिन, महज कुछ अर्थोपार्जन के लालच में पड़कर बच्चों के भविष्य के साथ धोखाधड़ी अत्यंत चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। डमी स्कूलिंग की संस्कृति इसी प्रकार के फर्जीवाड़े का एक ज्वलंत उदाहरण है। आश्चर्य की बात है कि विद्यार्थी और उनके अभिभावक झांसे में आकर इस गंभीर समस्या के प्रति संजीदा नहीं हो पा रहे। इस साल जेईई मेन में अव्वल आए एक छात्र का मामला भी इन दिनों सुर्खियों में है, जिसने उस तथाकथित स्कूल का सहारा लिया, जिसकी मान्यता पिछले ही साल रद्द हो चुकी थी।

वास्तव में डमी स्कूल देश में स्कूली शिक्षा प्रणाली को कमजोर कर रहे हैं। यदि यह अनुचित शिक्षा प्रणाली अनियंत्रित हो गई, तो समग्र शिक्षा व्यवस्था में गिरावट की संभावना से हरगिज इनकार नहीं किया जा सकता। इसके परिणामस्वरूप स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था चौपट होने लगेगी। यही कारण है कि हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली में चल रहे डमी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने इसे 'धोखाधड़ी' बताया और कहा कि ऐसे स्कूलों को अनुमति नहीं दी जा सकती, जो छात्रों को केवल कोचिंग क्लासेस में

भेजते हैं और परीक्षा में बैठने की अनुमति देते हैं, जबकि यह जानकारी पूरी तरह से झूठी होती है। कोर्ट ने राज्य सरकार और सीबीएसई को इस संबंध में जांच करने का आदेश दिया। एक याचिका की सुनवाई में हाईकोर्ट का स्पष्ट कहना था कि डमी स्कूल जिस तरह से बे-बेरोकटोक चल रहे हैं, उससे उन विद्यार्थियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, जो रेगुलर स्कूल में पढ़ाई करते हैं। वो राज्य कोटा के जरिए इंजीनियरिंग, मेडिकल और दूसरे बड़े संस्थानों में एडमिशन लेने से वंचित रह जाते हैं। यह न केवल शिक्षा के नियमों के खिलाफ है, बल्कि सीबीएसई के ७५ प्रतिशत अटेंडेंस के नियम का भी सीधा उल्लंघन है।

डमी स्कूलिंग में विद्यार्थी स्कूलों में कक्षाएं नहीं करते, बल्कि कोचिंग सेंटरों में समय बिताते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो ऐसे स्कूल कोचिंग संस्थानों के लिए मात्र एक बिचौलिया हैं, जहां स्टूडेंट को एडमिशन तो मिल जाता है, परंतु उसे रोज स्कूल जाना नहीं पड़ता। बच्चे जेईई मेन, जेईई एडवांस और नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी करानेवाले कोचिंग संस्थानों तक ही सिमटे रह जाते हैं। दरअसल, इसमें केवल कोचिंग सेंटरों की गलती नहीं हैं, इसके लिए पेरेंट्स भी उतने ही जिम्मेदार हैं। वे खुद चाहते हैं कि उनका बेटा या बेटी स्कूल में क्लासेज अटेंड न करे, बल्कि कोचिंग जाए, ताकि नीट और आईआईटी में जा सके, इसलिए पेरेंट्स खुद स्कूलों पर प्रेशर डालते हैं। देश के विभिन्न शहरों में ऐसे कई स्कूल हैं, जो हर महीने इस काम के लिए अतिरिक्त ५० फीसदी तक चार्ज करते हैं। मसलन, जिन स्कूलों में ६०,००० एनुअल फीस है, वहां अभिभावक बच्चे को स्कूल न जाना पड़े, इसके लिए ९०,००० रुपए की रकम चुकता करते हैं।

वस्तुत:, नन-स्कूलिंग या डमी स्कूलिंग कहीं से भी बच्चे के लिए हितकर नहीं है। विद्यालय में नियमित कक्षाओं से ही उनका सर्वांगीण विकास संभव है, जहां उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेल, कला, संगीत सहित तमाम विधाओं में पारंगत बनाया जाता है। सीबीएसई की ओर से डमी स्कूलिंग के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई न केवल जरूरी, बल्कि सराहनीय भी है। जानकारी के मुताबिक देशभर में ३०० से अधिक डमी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। लेकिन, इस दिशा में विद्यार्थियों और अभिभावकों को भी जागरूक होकर आगे आना होगा। उन्हें रेगुलर स्कूलिंग की अहमियत समझनी होगी, नहीं तो ऐसी फर्जी व्यवस्थाएं हमारी शिक्षण-प्रणाली को धीरे-धीरे खोखला कर देंगी, इसमें कोई संदेह नहीं।

झारखण्ड सरकार
अधीक्षक का कार्यालय, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, धनबाद

दूरभाष : 0326-2230352(O), 9431120164(M) Email: superintendentsnmmch@gmail.com

पत्रांक :–259/SNMMCH दिनांक :– 18.02.2025

अतिअल्पकालीन ई–निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद में वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए मानक स्तर के निर्माताओं अथवा उनके अधिकृत एवं अनुभवी वितरक से अस्पताल में उपयोग हेतु **6 Body Mortuary Chamber** आपूर्ति एवं यथावाश्यक अधिश्ठापन हेतु 2–बोली व्यवस्था (2-bid system) के अन्तर्गत नियम एवं शर्तो के साथ ONLINE निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि– 25.02.2025 को संध्या 5.00 बजे तक होगी। इच्छुक संवेदक निविदा को www.jharkhandtenders.gov.in पर देख और भाग ले सकते है

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद।

PR.NO.346682
Health Med Edu and Family Welfare(24-25):D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, जामताड़ा
(जिला खेल शाखा)

प्रेस विज्ञप्ति

उप निदेशक, पर्यटन निदेशालय, झारखण्ड राँची के पत्रांक 128 दिनांक 31.01.2025 के निदेशानुसार पर्यटन एवं ट्रेवल ट्रेड से जुड़े निम्न Category व्यवसायी को Jharkhand Tourism Trade Registration Portal में पंजीकरण कराना अनिवार्य है :–

1. Accommodation Units
2. Adventure Tourism/Adventure Sports Operators/Water Sport Operators (ASO)
3. Boat Operator
4. Entertainment Related Unit
5. Tour Operator/Travel Agent/Tourist Transport Operator
6. Tourist Guide
7. Professional Tourist Photographers

अतः जामताड़ा जिला अन्तर्गत वैसे व्यक्ति जो पर्यटन के क्षेत्र में अपना रोजगार या कारोबार कर रहें है या करना चाहते है, वे Jharkhand Tourist Trade Registration Portal में पंजीकरण कराना सुनिश्चित करेंगे।

अधिक जानकारी हेतु जिला खेल कार्यालय, जामताड़ा (कम्बाईड बिल्डिंग) से सम्पर्क किया जा सकता है।

ह0/–
जिला क्रीड़ा पदाधिकारी–सह–
पर्यटन नोडल पदाधिकारी, जामताड़ा

PR 346638 Tourism, Art Culture
Sports And Youth Affairs (24-25)#D

जिला शिक्षा अधीक्षक, कार्यालय,धनबाद।
(समाहरणालय बिल्डिंग,सुसनीलेवा,भेलाटांड़,तृतीय तल–826004)
Email:-dse.dhanbad1@gmail.com, dse.dhanbad@gmail.com

आम सूचना

श्री नितेश कुमार,तत्कालीन लिपिक,जिला शिक्षा पदाधिकारी,धनबाद, (स्थानान्तरित कार्यालय–जिला शिक्षा अधीक्षक, धनबाद) स्थायी पता–ग्राम–विषय, पोस्ट–मानिकपुर, थाना–तारापुर, जिला–मुगेर,बिहार,जिनकी नियुक्ति दिनांक 07.04.2016 को अनुकम्पा के आधार पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, धनबाद के कार्यालय में निम्न वर्गीय लिपिक के पद पर कार्यरत थे। श्री कुमार का स्थानान्तरण जिला शिक्षा अधीक्षक, कार्यालय ,धनबाद में होने के उपरान्त स्थानान्तरित कार्यालय में अध्यावधि तकं योगदान नहीं किया गया है। लम्बी अवधि तक बिना सूचना के अनुपस्थित रहने के कारण क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक,उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल,हजारीबाग द्वारा दिनांक 30.12.2024 को लिये गये निर्णयानुसार उनके पैतृक आवास के पते पर पत्राचार करने के उपरान्त विभागीय जांच पदाधिकारी के द्वारा श्री उनके पैतृक आवास का भौतिक सत्यापन करते हुए विभागीय पत्र हस्तगत करा दिया गया है। तदुपरान्त दिनांक 11.01.2025 को समाचार पत्रों में इश्तेहार प्रकाशित किया गया था। क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल,हजारीबाग के पत्रांक 155 दिनांक 31.01.2025 के द्वारा पुनः प्राप्त निदेश के आलोक में श्री नितेश कुमार को अन्तिम अवसर देते हुए पुनः इश्तेहार प्रकाशित किया जाता है। तदुपरान्त बिना सूचना अनुपस्थित रहने के कारण नियम संगत (सेवा बर्खास्तगी संबंधी) प्रक्रिया प्रारम्भ करते हुए एकपक्षीय निर्णय ले लिया जायेगा तथा भविष्य में किसी प्रकार का दावा/आपत्ति को खारिज कर दिया जायेगा।

ह0/
जिला शिक्षा अधीक्षक,
धनबाद।

PR 346714 (Human Resource Developement) 24-25 (D)

सीएम नीतीश के दिल्ली से लौटने के बाद अंधाधुंध फायरिंग

पटना (एर्जेसी): बिहार की राजधानी पटना में १८ फरवरी, २०२५ दिन मंगलवार को अंधाधुंध फयारिंग की घटना हुई. राजधानी में बैखौफ अपराधियों ने चार से पांच राउंड फायरिंग की. घटना कंकड़बाग थाना अंतर्गत राम लखन पथ की है. जानकारी के अनुसार, तीन से चार की संख्या में रहे अपराधी फायरिंग की घटना को अंजाम देने के बाद एक बिल्डिंग में जाकर छिपे हुए हैं. वहीं, मौके पर दो थानों की पुलिस पहुंच चुकी है.

ध्यान दीजिए कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुरक्षा में आज एक चूक हो गई थी. सीएम के काफिले में अचानक से एक संदिग्ध कार घुस गई थी. इससे मुख्यमंत्री की सुरक्षा में लगे अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए थे. जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री आवास से सीएम नीतीश कुमार का काफिला पटना हवाई अड्डा के लिए निकला था. सीएम का काफिला जैसे ही चिड़ियाघर की तरफ पहुंचा, वहां एक संदिग्ध गाड़ी सीएम के काफिले में घुस गई.काफिले में अनजान गाड़ी को देख इसके बाद पुलिस ने उस गाड़ी को साइड कराया. फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का काफिला आगे निकला. दरअसल, सीएम नीतीश की सुरक्षा में आज ही के दिन चूक हुई है.

अयोध्या में प्रति किलोमीटर 100 रुपये वसूल रहे बाइक गैंग

अयोध्या (ईएमएस): उत्तर प्रदेश में अयोध्या पुलिस ने राम मंदिर की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों से अत्यधिक किराया वसूलने के आरोप में बाइक गैंग के खिलाफ कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि राम जन्मभूमि पुलिस थाने द्वारा चलाए गए अभियान में ३० बाइक जब्त की गई। अधिकारियों ने कहा कि पास के प्रयागराज जिले में महाकुंभ की शुरुआत के बाद से अयोध्या आने वाले भक्तों की संख्या में वृद्धि के साथ, यहां के अधिकारियों ने शहर में वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित किया है। उन्होंने बताया कि इसका फायदा उठाकर बाइकर्स का एक समूह पिछले १० दिनों से सक्रिय हो गया था और कथित तौर पर तीर्थयात्रियों से प्रति किलोमीटर १०० रुपये वसूल रहा है।

पुलिस ने कहा, बाइक सवार बिना अनुमति के तीर्थयात्रियों से पैसे वसूल रहे थे, इसकारण यह कार्रवाई की गई। दो दिनों में ३० बाइक जब्त की गई हैं और ऑपरेशन जारी रहेगा। पुलिस ने कहा कि ये बाइकर्स अयोध्या शहर के बाहर विभिन्न स्थानों से तीर्थयात्रियों को लाते और उन्हें राम मंदिर और अन्य मंदिरों तक ले जाने के लिए प्रति यात्री १०० रुपये से ३०० रुपये तक किराया मांग रहे हैं। मामले को लेकर स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से शिकायत की थी, जिसके बाद ये कार्रवाई हुई। इस बीच, महाराष्ट्र की एक महिला तीर्थयात्री ने अयोध्या में राम मंदिर में वीआईपी दर्शन से जुड़ी कथित धोखाधड़ी को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि शिकायतकर्ता कविता शेट्टी को एक परिचित सुरेश आचार्य द्वारा अयोध्या लाया गया था, जो एक वैरिफाइड टूरिस्ट गाइड नहीं था। शेट्टी ने आरोप लगाया कि आचार्य ने मुंबई से अयोध्या तक उनकी यात्रा को सुविधाजनक बनाने और वीआईपी दर्शन की व्यवस्था करने के लिए १.८ लाख रुपये लिए।

पार्टी हित से बड़ा मेरे लिए कोई नहीं है : मायावती

लखनऊ (एर्जेसी): बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर बता दिया है कि पार्टी हित से बड़ा कुछ भी नहीं है.

बसपा नेता व भतीजे आकाश आनंद के ससुर डॉ. अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निलंबित करने के बाद बसपा सुप्रीमो ने एक के बाद एक सिलेवार कई पोस्ट किए. मायावती ने इस पोस्ट के जरिये इशारा किया कि पार्टी हित से बड़ा मेरे लिए कोई नहीं है, फिर चाहे वह कितना ही सगा क्यों न हो?.

बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द पर लिखा- बीएसपी, देश में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के मानवतावादी आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के कारवां को सत्ता तक पहुंचाने हेतु, कांशीराम द्वारा सब कुछ त्यागकर स्थापित की गई पार्टी व मूवमेन्ट, जिसमें स्वार्थ, रिश्ते-नाते आदि महत्वहीन अर्थात बहुजन-हित सर्वोपरि है.

मायावती ने आगे लिखा, इसी क्रम में कांशीराम जी की शिष्या व उत्तराधिकारी होने के नाते उनके पदचिन्हों पर चलते हुए मैं भी अपनी आखिरी सांस तक हर कुर्बानी देकर संघर्ष जारी रखूंगी ताकि बहुजन समाज के लोग राजनीतिक गुलामी व सामाजिक लाचारी के जीवन से मुक्त होकर अपने पैरों पर खड़े हो सकें.आगे लिखा, अत: कांशीराम जी की तरह ही मेरे जीतेजी भी पार्टी व मूवमेन्ट का कोई भी वास्तविक उत्तराधिकारी तभी जब वह भी, श्री कांशीराम जी के अन्तिम सांस तक उनकी शिष्या की तरह, पार्टी व मूवमेन्ट को हर दु:ख-तकलीफ उठाकर, उसे आगे बढ़ाने में पूरे जी-जान से लगातार लगा रहे. साथ ही, देश भर में बीएसपी के छोटे-बड़े सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को भी पार्टी प्रमुख द्वारा निर्देश, निर्धारित अनुशासन एवं दायित्व के प्रति पूरी निष्ठा व ईमानदारी से जवाबदेह होकर पूरे तन, मन, धन से लगातार काम करते रहना ज़रूरी है. मायावती ने लिखा, इसी जिम्मेदारी के साथ खासकर कैडर के बल पर, जमीनी स्तर पर पार्टी संगठन की मजबूती व सर्वसमाज में जनाधार को बढ़ाने के साथ ही आगे भी हर चुनाव की तैयारी में पूरी दमदारी के साथ लगना है ताकि बहुजन समाज की एकमात्र आशा की किरण बीएसपी को अपेक्षित व प्रतीक्षित सफलता मिल सके. बता दें कि मायावती ने इस पोस्ट से संकेत दे दिए हैं कि उनकी तरह पार्टी का कोई वास्तविक उत्तराधिकारी तभी होगा जब पार्टी हित के बारे में सोचेगा. यह इशारा उन्होंने अपने भतीजे व पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व उत्तराधिकारी आकाश आनंद के लिए किया है. पिछले दिनों ही आकाश आनंद के ससुर व बसपा नेता डॉ. अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाल दिया था. गौरतलब है कि भतीजे आकाश आनंद के लिए मायावती ने ही डॉ. अशोक सिद्धार्थ से उनकी बेटी का हाथ मांगा था. इतना ही नहीं दोनों की धूमधाम से शादी भी कराई थी. पिछले दिनों अशोक सिद्धार्थ के बेटे की शादी हुई. इसमें आकाश आनंद ने न केवल शिरकत की बल्कि जमकर मस्ती भी की. माना जा रहा है कि बसपा सुप्रीमो मायावती को यह नागवार गुजरा है.

जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त का कार्यालय, जामताड़ा।
(जिला सामान्य शाखा)
विज्ञापन संख्याः– 01/2025
चौकीदार संवर्ग में सीधी एवं बैकलॉग नियुक्ति परीक्षा–2025
आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथिः–04.03.2025 के अपराह्न 05.00 बजे तक।
जामताड़ा जिलान्तर्गत चौकीदार संवर्ग के पद पर सीधी नियुक्ति हेतु विज्ञापन।

माननीय उच्च न्यायालय, झारखण्ड राँची के द्वारा याचिका W.P.(S) 960/2016 सलन चम्पिया एवं अन्य बनाम झारखण्ड राज्य एवं अन्य में दिनांक 23.07.2018 को पारित आदेश, तथा गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड राँची के अधिसूचना संख्या 2032 दिनांक 07.04.2015 द्वारा निर्गत चौकीदार नियुक्ति नियमावली, विभागीय अधिसूचना संख्या–4998 दिनांक– 19.09.2019 एवं सरकार के संयुक्त सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड राँची के पत्रांक 3910 दिनांक–27.06.2024 तथा मुख्य सचिव, झारखण्ड, राँची की अध्यक्षता में दिनांक 24.06.2024 को आहूत बैठक में राज्यान्तर्गत चौकीदारों की नियुक्ति से संबन्धित की जाने वाली कार्यवाही पर दिये गये निदेश के अनुपालन में विज्ञापन संख्या–01/2024 प्रकाशित कर आवेदन आमंत्रित किये गये थे। अंचल अधिकारी से प्राप्त रिक्त बीट संख्या एवं बीट से सम्बद्ध ग्राम में विसंगति रहने के कारण एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञापन में चौकीदार के मृत्योपरान्त हुए रिक्त बीट को भी सीधी नियुक्ति में रिक्ति प्रकाशित किया गया है, जहाँ अनुकम्पा के आधार पर रिक्त पद को भरा जाना है।

उक्त के आलोक में दिनांक–20.12.2024 को जिला चौकीदार नियुक्ति समिति बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व प्रकाशित विज्ञापन संख्या–01/2024 को रद्द करने का निर्णय लिया गया एवं नये सिरे से नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया।

पुनः दिनांक–10.01.2025 को जिला चौकीदार नियुक्ति समिति द्वारा अद्यतन प्राप्त स्वीकृत बल के अनुरूप आदर्श आरक्षण रोस्टर पंजी तैयार कर रोस्टर क्लियरेंस हेतु प्रमंडलीय आयुक्त, संथाल परगना प्रमंडल दुमका को भेजने का निर्णय लिया गया है, जिसके आलोक में कार्यालय पत्रांक–25/सा0, दिनांक–05.02.2025 के द्वारा रोस्टर क्लियरेंस हेतु आदर्श आरक्षण रोस्टर पंजी तैयार कर प्रमंडलीय आयुक्त, संथाल परगना प्रमंडल दुमका को भेजा गया है। प्रमंडलीय आयुक्त, संथाल परगना प्रमंडल दुमका के पत्रांक–22/वि0, दिनांक–11.02.2025 के द्वारा रोस्टर स्वच्छ उपरान्त प्राप्त है।

प्राप्त स्वच्छ रोस्टर एवं जिला चौकीदार नियुक्ति समिति द्वारा लिये गये निर्णय के आलोक में सभी अंचल अधिकारी, जामताड़ा जिला से अंतिम रूप से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुरूप कुल–364 चौकीदार के रिक्त पदों में से अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति हेतु 10 रिक्त बीट को सुरक्षित रखते हुए 354 रिक्त पदों पर सीधी एवं बैकलॉग भर्ती हेतु विहित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

पद का नामः– चौकीदार
रिक्त पदों की संख्या–354

	कोटि						कुल
	अनारक्षित	अ0ज0जा0	अ0जा0	अ0पि0व0	पि0व0	आ0क0व0	
सीधी भर्ती	137	92	शून्य	शून्य	शून्य	44	273
बैकलॉग भर्ती	–	81				–	81

रिक्त पदों की विवरणीः–

क्र0	पदनाम	आरक्षण कोटि	कुल पद	कुल पदों की संख्या — कुल रिक्ति के अधीन क्षैतिज आरक्षण: महिला @5%	खेलकूद कोटा @2%	अंधापन और कम दृष्टि @1%	बहरापन एवं श्रवण निःशक्तता @1%	चलन निःशक्तता 1@%	स्वलीनता एवं बहु निःशक्तता @1%
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	चौकीदार	अनारक्षित	137	07					
2		अनुसूचित जनजाति (03 पद आदिम जनजाति के लिये सम्मिलित)	173	09	7	4	4	4	3
4		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	44	02					
		कुल योग	354	18	7	4	4	4	3

नोट–1 :– न्यायालीय/विभागीय आदेश के आलोक में आवश्यकतानुसार विज्ञापन में आंशिक/पूर्ण संशोधन अथवा विज्ञापन को रद्द किया जा सकता है।
नोट–2 :–रिक्त पदों की विवरणी बीट संख्या, बीट का नाम एवं सम्बद्ध ग्राम सहित परिशिष्ट–A में सलग्न है।
नोट–3 :– कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाशा विभाग, झारखण्ड सरकार के संकल्प संख्या– 1617, दिनांक–17.03.2023 के अनुसार जिला स्तरीय मुफसिल स्थापना के लिए लागु आदर्श आरक्षण।

A. क्षैतिज आरक्षण

(i) पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के संकल्प संख्या 1709, दिनांक 12/09/2007 के आलोक में निर्धारित खेलकूद कोटा से खिलाड़ियों के लिये 2% पद क्षैतिज रूप में आरक्षित होगा, जिसके अनुसार श्रेणी 'IV' के पदों पर सीधी नियुक्ति हेतु निर्धारित निम्न मानक के अनुसार अनुमान्य होगा।

क्र0	प्रतियोगिता का स्तर	उपलब्धि
1	झारखण्ड ओलम्पिक संघ अथवा उससे सम्बद्ध संघों द्वारा आयोजित अधिकारिक राज्य चैम्पियनशीप	द्वितीय/तृतीय स्थान

(ii) कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या–2249, दिनांक 03/04/2018 के अनुसार निःशक्त जनों हेतु 4% क्षैतिज आरक्षण अनुमान्य होगा। सरकार से मार्गदर्शन की माँग की जा रही है, जिसके अनुरूप इसके अनुमान्यता पर निर्णय प्रभावित होगा।

क्र0	बिन्दु से बिन्दु तक	निःशक्तता के अनुमान्य प्रवर्ग	रिक्त पदों की संख्या
1	01–25, 101–125, 201–225, 301–325	अंधापन या कम दृष्टि/प्रवर्ग–क	4
2	26–50, 126–150, 226–250, 326–350	बहरापन या श्रवण निःशक्तता/प्रवर्ग/ख	4
3	51–75, 151–175, 251–275, 351	चलन निःशक्तता/प्रवर्ग–ग	4
4	76–100, 176–200, 276–300	स्वलीनता एवं बहु निःशक्तता/प्रवर–घ और ङ	3
		कुल योगः–	15

(iii) कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या–5555, दिनांक 28/06/2016 के द्वारा अनुसूचित जनजाति के आरक्षित कोटे में से 2% पद क्षैतिज रूप से आदिम जनजाति को अनुमान्य होगा।

(iv) कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या–8281, दिनांक 03/12/2021 के आलोक में महिलाओं के लिये 5% पद क्षैतिज आरक्षित होगा।

B. I अभ्यर्थियों हेतु स्थानीय निवासी प्रमाण–पत्र
कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाशा, झारखण्ड सरकार के पत्रांक–5752, दिनांक–19. 07.2019 के अनुसार आवेदक को झारखण्ड का स्थानीय निवासी होना चाहिए। उक्त के अनुसार अंचलाधिकारी अथवा उच्चतर स्तर द्वारा निर्गत ऑनलाईन स्थानीय निवासी प्रमाण–पत्र ही मान्य होगा।

II. आरक्षण का दावा करने वाले अभ्यर्थियों हेतु जाति प्रमाण–पत्र
कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाशा विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक–1754, दिनांक–25.02.2019 के अनुसार अंचलाधिकारी अथवा उच्चतर स्तर द्वारा निर्गत ऑनलाईन जाति प्रमाण–पत्र ही मान्य होगा।

4. परीक्षा शुल्क :– अनारक्षित/पिछड़ा वर्ग एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग हेतु परीक्षा शूल्क रू0 100/–(एक सौ रूपये) है।
परीक्षा शुल्क में छूटः– झारखण्ड राज्य के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा शुल्क रू0 50/–(पचास रूपये) एवं दिव्यांग जनों तथा सभी वर्ग के महिलाओं हेतु परीक्षा शुल्क शून्य है। परीक्षा शुल्क बैंक ड्राफ्ट के द्वारा उपायुक्त, जामताड़ा के पदनाम से जामताड़ा में भुगतेय होगा। परीक्षा शुल्क अप्रतिदेय **(Non Refundable)** होगा।

5. न्यूनतम शैक्षणिक योग्यताः–
चौकीदार के पद पर नियुक्ति हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है तथा अभ्यर्थी को स्थानीय रीति रिवाज, भाशा एवं परिवेश का ज्ञान होना अनिवार्य होगा। दिनांक–01.07.2024 तक दसवीं परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी द्वारा ही नियुक्ति हेतु आवेदन किया जायेगा। (नोटः– कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाशा विभाग, झारखण्ड, राँची के अधिसूचना संख्या–1426, दिनांक–10.03.2023 द्वारा झारखण्ड राज्य से उत्तीर्णता की बाध्यता समाप्त)

6. चरित्रः– अभ्यर्थी का चरित्र अच्छा हो एवं आपराधिक इतिहास नहीं हो। चरित्र की जाँच उनके नियुक्ति के पूर्व प्राधिकार द्वारा करवायी जायेगी।

7. उम्र सीमाः– दिनांक–01.07.2024 का
(क) न्यूनतम उम्र सीमाः– 18 वर्ष
(ख) अधिकतम उम्र सीमाः– सरकार के अपर मुख्य सचिव, कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, राँची के संकल्प, ज्ञापांक 7636 दिनांक 12.10.2018 के अनुरूप

क्रम सं0	कोटि	सामान्य अधिकतम आयु सीमा	दिव्यांग जनों के लिये
1	2	3	4
i	अनारक्षित	35 वर्ष	45 वर्ष
ii	आ0क0वर्ग	35 वर्ष	45 वर्ष
iii	पिछड़ा/अत्यंत पिछड़ा वर्ग	37 वर्ष	47 वर्ष
iv	महिला (अनारक्षित/पिछड़ा/अत्यंत पिछड़ा वर्ग)	38 वर्ष	48 वर्ष
v	अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति (पुरूष/महिला)	40 वर्ष	50 वर्ष

नोटः–गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड सरकार के अधिसूचना संख्या–4998 दिनांक–19.09.2019 द्वारा पूर्व में अवैतनिक रूप से चौकीदार के रूप में कार्य करने वाले सभी अभ्यर्थियों (माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायादेश से प्रभावित /अच्छादित) के लिये अधिकतम उम्र सीमा को एक बार की नियुक्ति प्रक्रिया के लिये शिथिल किया गया है।

(आयु की गणना की तिथिः– 01/07/2024)

8 अभ्यर्थियों को संबन्धित बीट क्षेत्र का स्थायी निवासी होना अनिवार्य होगा।
9. अभ्यर्थियों को साईकिल चलाने का ज्ञान आवश्यक होगा।
10. चौकीदार के पद पर नियुक्ति जिला स्तर पर होगी एवं उनका पदस्थापन यथासंभव उनके आवासीय बीट क्षेत्र के अंर्तगत होगा। सामान्यतः उनका स्थानांतरण नहीं किया जायेगा।
11. नियुक्ति प्रक्रियाः–
(क) लिखित परीक्षाः– सर्वप्रथम अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा 50 अंको की ली जायेगी। लिखित परीक्षा में जिला से संबन्धित सामान्य ज्ञान एवं स्थानीय भाषा से संबन्धित प्रश्न पूछे जायेंगे। लिखित परीक्षा में न्युनतम 30% अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। सफल उम्मीदवारों की सूची 1:3 की संख्या में तैयार की जायेगी।
(ग) शारीरिक मापः– अभ्यर्थियों का न्युनतम शारीरिक माप निम्नलिखित होगा। न्युनतम शारीरिक माप वाले अभ्यर्थी ही चौकीदार संवर्ग नियमावली, 2015 के नियम (4) के अधीन निर्धारित शारीरिक जाँच के लिये योग्य होंगे।

क्र0	श्रेणी	उँचाई (निम्नतम)
1	2	3
1	सामान्य/अ0क0 वर्ग	160 से0मी0
2	पिछड़ा/अत्यंत पिछड़ा वर्ग	160 से0मी0
3	अनु0 जाति/अनु0 जनजाति	155 से0मी0
4	महिलाओं के लिये	148 से0मी0

(घ) शारीरिक जाँचः– लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी एवं चौकीदार संवर्ग नियमावली, 2015 के नियम (3) में अंकित उपरोक्त न्यूनतम शारीरिक मापधारी अभ्यर्थी ही शारीरिक जाँच में भाग लेंगे। सभी अभ्यर्थी एक मील की दौड़ में भाग लेंगे। शारीरिक जाँच में निम्न आधार पर अंक दिये जायेंगे।

एक मील की दौड़	समय	अंक
1	2	3
पुरूषों के लिये	05 मिनट या पहले	20 अंक
	05 मिनट के बाद 06 मिनट तक (अधिक समय लेने वाले निरर्हित समझे जायेंगे)	10 अंक
महिलाओं के लिये	08 मिनट या पहले	20 अंक
	08 मिनट के बाद 10 मिनट तक (अधिक समय लेने वाले निरर्हित समझे जायेंगे)	10 अंक

12. लिखित परीक्षा एवं शारीरिक जाँच का आयोजन उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा की जायेगी।
13. माननीय उच्च न्यायालय झारखण्ड राँची के द्वारा याचिका W.P. (S) 960/2016 सलन चंपिया एवं अन्य बनाम झारखण्ड राज्य एवं अन्य में दिनांक 23.07.2018 को पारित आदेश के आलोक में चौकीदार संवर्ग नियमावली 2015 में संशोधन संबन्धी गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड सरकार की अधिसूचना संख्या–4998 दिनांक 19.09.2019 के तहत पूर्व से अवैतनिक रूप से चौकीदार के रूप में कार्य करने वाले अभ्यर्थियों को कार्यानुभव के लिये Weightage प्रदान की जायेगी। माननीय उच्च न्यायालय के न्यायादेश से उदभूत एवं प्रभावित/अच्छादित अभ्यर्थियों के संदर्भ में साक्ष्य आधारित संपुष्टि के उपरान्त 02 अंक प्रत्येक पूर्ण 01 (एक) वर्ष की दर से अधिकतम 20 अंक देय होगा।
14. मेधा सूचीः– लिखित परीक्षा में प्राप्त अंक, शारीरिक जाँच में प्राप्त अंक एवं कार्यानुभव में प्राप्त अंक के योग के आधार पर मेधा सूची तैयार की जायेगी।
15. चिकित्सा परीक्षणः– नियुक्ति के पूर्व सफल चयनित अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य की जाँच की जायेगी। सरकारी सेवक के रूप में अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन हेतु आवश्यक शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के आधार पर अभ्यर्थियों को योग्य पाये जाने पर ही नियुक्ति किया जायेगा।
16. परिवीक्षाः– चौकीदार के पद पर बहाली परिवीक्षा के आधार पर की जायेगी। परिवीक्षा की अवधि दो वर्ष की होगी। अगर किसी चौकीदार की सेवा परिवीक्षा की अवधि में संतोषजनक नहीं पायी जाती है, तो परिवीक्षा की अवधि एक वर्ष के लिये बढ़ाई जा सकती है। अगर वर्द्धित अवधि के दरम्यान भी सेवा संतोषजनक नहीं पाये जाने की स्थिति में सेवा समाप्त की जा सकती है।
17. प्रशिक्षणः–परिवीक्षा की अवधि के दौरान प्रशिक्षु को वांछित प्रशिक्षण में भाग लेना होगा।
18. सम्पुष्टिः– परिवीक्षा अवधि एवं प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्णता के बाद सेवा संपुष्ट की जा सकेगी।
19. वेतनमानः– चौकीदार का सप्तम् पुनरीक्षित वेतनमान **Schedule-I** के **Pay Metrix Level-1** वेतनमान **5200-20200,** ग्रेड पे–**1800** एवं समय–समय पर देय अन्य भत्ता।
20. आवेदन करने की प्रक्रियाः–
(a) चौकीदार नियुक्ति से संबन्धित योग्यता–सह–अर्हता रखने वाले उम्मीदवारों से विहित प्रपत्र में आवेदन पत्र के साथ निम्न दस्तावेजों की स्वःअभिप्रमाणित प्रति अनिवार्य रूप से संलग्न करेंगे :–
1. शैक्षणिक अंक पत्र/प्रमाण पत्र।
2. सक्षम पदाधिकारी द्वारा निर्गत अद्यतन आवासीय प्रमाण पत्र।
3. आरक्षण का दावा हेतु सक्षम प्राधिकार द्वारा अद्यतन निर्गत जाति प्रमाण पत्र।
4. आ0क0वर्ग प्रमाण पत्र (छः माह के अन्दर का निर्गत)।
5. जन्म तिथि से संबन्धित शैक्षणिक प्रमाण पत्र।
6. कार्यानुभव प्रमाण–पत्र (न्यायादेश से अच्छादित अभ्यर्थियों के लिये)।
7. स्वःअभिप्रमाणित अद्यतन 04 (चार) पासपोर्ट साईज फोटो।
(b) अभ्यर्थी लिफाफा के उपर विज्ञापन संख्या, आवेदित पद का नाम, बीट संख्या, ग्राम का नाम, संबन्धित पंचायत का नाम, अंचल का नाम, एवं थाना का नाम अवश्य अंकित करेंगे।
(c) किसी अन्य कार्यालय में आवेदन जमा करने पर उनका आवेदन स्वतः निरस्त समझा जायेगा।
(d) परीक्षा की तिथि दैनिक स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से अलग से प्रकाशित की जायेगी।
(e) अन्य विवरणी जिला के अधिकृत वेबसाईट jamtara.nic.in पर देखा जा सकता है एवं प्रपत्र/आवेदन पत्र (Form) को Download किया जा सकता है।
(f) सभी अनुलग्नकों सहित पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र दिनांक–04.03.2025 के अपराह्न 05.00 बजे तक निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही भेजा जाना अनिवार्य है। दिनांक–04.03.2025 के अपराह्न 05.00 बजे के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जायेगा।
(g) आवेदन भेजने का पता निम्न हैः–
कार्यालय, उपायुक्त जामताड़ा, जिला सामान्य शाखा, समाहरणालय भवन, जामताड़ा, पिन नं0–815351
(h) आवेदन किसी भी परिस्थिति में हाथों–हाथ स्वीकार नहीं किया जायेगा।
(i) रिक्ति की संख्या अंतिम रूप से घट–बढ़ सकती है।

जिला दण्डाधिकारी–सह–
उपायुक्त, जामताड़ा।

PR 346639 Jamtara(24-25)D

संगम में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की आंकड़ा 55 करोड़ पार

महाकुंभ नगर (ईएमएस): संगमनगरी में १३ जनवरी से आयोजित हो रहा दिव्य-भव्य धार्मिक, सांस्कृतिक समागम 'महाकुंभ २०२५' में उम्मीद से कहीं अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाकर इतिहास रच दिया है। यहां अब तक ५५ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगा ली है। २६ फरवरी को शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व तक यह संख्या ६० करोड़ से भी ज्यादा हो सकती है। २६ फरवरी को ही महाकुंभ की समाप्ति भी होनी है।

महाकुंभ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी कि स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही ४५ करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। सीएम का यह आंकलन बीते ११ फरवरी को ही सच साबित हो गया था। वहीं शुक्रवार (१४ फरवरी) को यह संख्या ५० करोड़ के ऊपर पहुंच गई और अब इसने ५५ करोड़ का नया शिखर छू लिया है। गौरतलब है कि सर्वाधिक करीब आठ करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि ३.५ करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और ३० जनवरी को २-२ करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर १.७ करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा वसंत पंचमी पर २.५७ करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी। वहीं माघी पूर्णिमा के महत्वपूर्ण स्नान पर्व पर भी दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पावन स्नान किया था।

सीएम नीतीश की प्रगति यात्रा से पहले दानापुर में चला बुलडोजर

पटना (एर्जेसी): मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा आगामी २१ फरवरी को पटना पहुंचने वाली है. सीएम की प्रगति यात्रा से पहले पटना के दानापुर में बुलडोजर एक्शन देखने को मिला है. दरअसल, बिहार सरकार अब भूमाफियाओं के खिलाफ काफी सख्त हो है. पूरे प्रदेश में अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई की जा रही है. इसी कड़ी में दानापुर में भीबुलडोजर गरजा और बड़े पैमाने पर अतिक्रमण को खाली कराया गया. दानापुर के गोला रोड रंजन पथ बेली रोड समेत कई इलाकों में बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया गया. यह कार्रवाई पटना नगर परिषद ने की. इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा.

जानकारी के मुताबिक, सरकार के आदेश पर प्रशासन ने दानापुर के विभिन्न इलाकों में बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की. दानापुर के वीवीआईपी इलाके रंजन पथ, गोला रोड, बेली रोड और आरपीएस मोड़ समेत अन्य क्षेत्रों में अवैध रूप से बनी दुकानों और झोपड़ीनुमा मकानों को प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया. इस कार्रवाई के दौरान कई दुकानों और मकानों को तोड़ा गया, जिससे स्थानीय स्तर पर हड़कंप मच गया. बता दें कि सरकार ने भू-माफियाओं को सख्त चेतावनी दी है कि वे स्वेच्छा से सरकारी जमीन खाली कर दें, अन्यथा उनके खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी.

प्रशासन का कहना है कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. राज्य सरकार के इस सख्त रुख से स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में दानापुर समेत पटना के अन्य क्षेत्रों में भी अतिक्रमण हटाने की मुहिम तेज की जाएगी. प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे सरकारी जमीन पर अतिक्रमण न करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा. इस कार्रवाई से दानापुर में सरकारी जमीनों को मुक्त कराने की प्रक्रिया तेज हुई है और आने वाले समय में इसे और सख्त किया जाएगा.

विपक्ष ने क्षेत्रीय भाषाओं का अपमान किया है : सीएम योगी

लखनऊ,(ईएमएस): यूपी विधानमंडल का बजट सत्र मंगलवार से शुरू हो गया। पहले दिन विधानसभा व विधान परिषद के संयुक्त सदन को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल संबोधित किया। इसके बाद सीएम योगी विपक्ष पर चुन-चुन कर वार किया।

सदन में सीएम योगी ने कहा कि भाषा की लड़ाई बहुत पुरानी है। विपक्ष ने क्षेत्रीय भाषाओं का अपमान किया है। हमारी सरकार भोजपुरी और अवधी के लिए बोर्ड बना रही है। सीएम योगी ने कहा कि विपक्ष अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम में पढ़ाना चाहता हैं। आमजन के बच्चों को कहते हैं, आप उर्दू पढ़िए। विपक्ष उनके बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हैं।

सत्र शुरू होने से पहले यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों से कहा कि जनहित के मुद्दों को सदन में रखें और स्वस्थ चर्चा कर प्रदेश में विकास को गति देने में सहयोग करें। अध्यक्ष महाना ने भी सदन के सुचारु संचालन के लिए सभी दलों का सहयोग मांगा। वहीं, विपक्ष ने सदन में योगी सरकार को घेरने की तैयारी की है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। इससे प्रदेश का विकास भी होता है और जनता की समस्याओं का समाधान भी होता है। सदन के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसका ध्यान सभी को रखना चाहिए। यूपी देश का पहला राज्य है, जहां ई-विधान लागू है। इससे उप्र विधानसभा की नई पहचान बनी है। हम सभी को मिलकर प्रदेश को आगे बढ़ाना है। सीएम योगी ने कहा, बजट सत्र को सुचारू रूप से चलाना न केवल सरकार की जिम्मेदारी है, बल्कि विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। पिछले करीब ८ वर्षों में डबल इंजन की भाजपा सरकार ने यूपी के विकास के लिए जो मानक स्थापित किए हैं, वे अभूतपूर्व हैं। इसकी झलक अभिभाषण के साथ-साथ सदन के अंदर चर्चा के माध्यम से भी दिखती है। स्वाभाविक रूप से हताश और निराश विपक्ष इन मुद्दों पर चर्चा करने से भागने की कोशिश करता है और सदन की कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास करता है।

ट्रेन से उतरने के दौरान गिरने लगी महिला जवान ने बचाई जान

गया(ईएमएस): रेलवे जंक्शन पर सोमवार की शाम ४ बजे प्लेटफॉर्म संख्या २ पर कुंभ स्पेशल ट्रेन प्रस्थान करने के दौरान एक महिला यात्री उतरने लगी। जिससे महिला का पैर फिसल गया और वह प्लेटफॉर्म व ट्रेन के बीच बने गैप में गिरने लगी। हालांकि इस दौरान प्लेटफॉर्म पर तैनात आरपीएफ के जवानों की नजर पड़ गई। जिसके बाद दौड़ लगाते हुए आरपीएफ के जवानों ने महिला की जान बचा ली। अगर जवान समय पर नहीं पहुंचते तो महिला की जान भी जा सकती थी। जानकारी के अनुसार एक महिला को जहानाबाद जाना था और गलती से महिला प्लेटफॉर्म संख्या २ पर कुंभ स्पेशल ट्रेन में चढ़ गई। हालांकि, जब ट्रेन चली तो महिला को पता चला कि वह गलत ट्रेन में बैठ गई है।

सपा विधायक ने हाथ में हथकड़ी डालकर पहुंचे सदन

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश का विधानमंडल बजट सत्र का आगाज आज से हो गया. पहले दिन ही समाजवादी पार्टी विधायकों ने सदन के भीतर और बाहर जोरदार हंगामा किया. सपा विधायक अतुल प्रधान हाथ में हथकड़ी डालकर और गले में बेड़ियां पहनकर सदन पहुंचे. राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के अभिभाषण शुरू करते ही हंगामा होने लगा. इसके बाद १२ बजे तक विधानसभा की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया.

वहीं समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान शरीर पर जंजीर डाल कर सदन पहुंचे थे. कहा कि अमेरिका में जिस तरह से भारतीयों को जंजीर से बांधकर भेजा गया है, उसकी गूंज पूरे हिंदुस्तान में हो रही है. इसी को लेकर हम दिखाने आए हैं कि भारतीय को किस तरह से अमेरिका से बाहर भेजा जा रहा है. उन्होंने कहा सदन में हंगामा होगा कुंभ में जो घटना छुपाई गई है, उसको लेकर हंगामा होगा.

विपक्षी सदस्यों की ओर से सरकार पर गंभीर आरोप लगाए गए. महाकुंभ में मची भगदड़ में मौत के मामलों को जोरदार तरीके से उठाया गया. बजट सत्र के पहले दिन, मंगलवार को सपा नेताओं ने विधानसभा परिसर में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास धरना दिया. हाथों में बैनर और तख्तियां लिये सपा सदस्य नारे लगा रहे थे. सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने भाजपा सरकार को जन विरोधी, किसान विरोधी करार देते हुए कहा, ''यह सरकार हर मोर्चे पर विफल है.

विपक्षी दल कुंभ हादसे, संभल हिंसा, जातीय जनगणना और मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है. बीजेपी ने भी विपक्षी दलों का जवाब देने की तैयारी की है. सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष या सदन के किसी भी व्यक्ति के पूछे गए सवाल का संतोषजनक जवाब देने को कहा है. २० फरवरी को वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के लिए आम बजट पेश किया जाएगा.

नीतीश के काफिले में अचानक घुसी अनजान कार

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुरक्षा में एक बार फिर से सेंधमारी हो गई. मुख्यमंत्री के काफिले में अचानक से एक संदिग्ध कार घुस गई, इससे मुख्यमंत्री की सुरक्षा में लगे अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए. इस घटना को प्रशासन की बड़ी चूक कहा जा रहा है. जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री आवास से सीएम नीतीश कुमार का काफिला पटना हवाई अड्डा के लिए निकला था. सीएम का काफिला जैसे ही चिड़ियाघर की तरफ पहुंचा, वहां एक संदिग्ध गाड़ी सीएम के काफिले में घुस गई. संदिग्ध गाड़ी को देखते ही सुरक्षा बलों के हाथ-पांव फूल गए. इसके बाद पुलिस ने उस गाड़ी को साइड कराया. उसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का काफिला निकला.बता दें कि सीएम नीतीश कुमार इन दोनों प्रगति यात्रा पर सूबे के अलग-अलग जिलों में जा रहे हैं.

ऐसे में आज सुबह जब मुख्यमंत्री अपने आवास से कैमूर जाने के लिए एयरपोर्ट जाने के लिए निकले तो रास्ते में पटना चिड़ियाघर के पास पहुंचे अचानक से काफिले को रोकना पड़ गया. इसके बाद वहां मौजूद ट्रैफिक के अधिकारियों में भी अफरा-तफरी मच गई. अधिकारी इसकी वजह जानने की कोशिश में लग गए. उसके बाद पता चला कि चिड़ियाघर के पास काफिले के सामने अचानक से एक कार आ गई थी, जिसके कारण से सीएम का काफिला रोकना पड़ा.

इससे पहले सितंबर २०२४ में भी सीएम नीतीश की सुरक्षा में चूक देखने को मिली थी. उस समय सीएम पटना के बाढ़ इलाके में दो सरकारी बिल्डिंगों का उद्घाटन करने गए थे. कार्यक्रम खत्म होने के बाद जैसे ही उनका काफिला वापस निकलने वाला था, उसी दौरान कार्यक्रम स्थल पर सड़क किनारे बना गेट हवा के झोंके से गिर गया था. इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने कपड़े से बने गेट को जल्दी ही सीधा किया था. जिसके बाद मुख्यमंत्री का कारकेड और काफिला वहां से सकुशल मोकामा की ओर रवाना हुए थे.

तेजस्वी कर रहे माई-बहिन योजना का वादा

पटना (एजेंसी): लालू यादव के शासनकाल के २० साल बीत चुके हैं, लेकिन बिहार के लोग अभी भी उस दौर को भूले नहीं हैं. एनडीए नेता लगातार तेजस्वी के भ्रष्टाचार और जंगलराज पर घेरते रहते हैं और नेता प्रतिपक्ष उसका काउंटर तक नहीं कर पाते. जनता का ध्यान पुरानी बातों से हटाने के लिए तेजस्वी लगातार बड़े-बड़े वादे करने में लगे हैं. हालांकि, इसमें भी उनकी पार्टी के नेता ही पानी फिराने में जुटे हैं. चुनावी साल में अब राजद विधायक सैयद रूकनुद्दीन अहमद का बड़ा घोटाला सामने आ गया है. पूर्णिया के बायसी से राजद विधायक ने मनरेगा में कथित तौर पर बड़ा घोटाला कर दिया है. जानकारी के मुताबिक, राजद विधायक ने अपने पूरे परिवार का मनरेगा में जॉब कार्ड बना रखा है.

फर्स्ट बिहार न्यूज वेबसाइट के मुताबिक, बायसी से राजद विधायक सैयद रूकनुद्दीन अहमद ने अपनी पत्नी, सरकारी नौकरी वाले भाई, पैसे वाली बहन से लेकर परिवार के कई लोगों के नाम पर मनरेगा का जॉब कार्ड बना रखा है. मोटी कमाई कर रहे इन तमाम लोगों को कागज में मजदूरी करते दिखाया गया और सरकारी खजाने से मोटी रकम की निकासी कर ली गई. बता दें कि बायसी प्रखंड के मीणापुर पंचायत में विधायक का घर है. इस पंचायत के मुखिया पर आरोप है कि वह विधायक जी के दरबारी हैं. इसका नतीजा ये हुआ कि विधायक ने अपने पूरे परिवार के नाम पर न सिर्फ मनरेगा का जॉब कार्ड बनवा लिया. बल्कि उन्हें मजदूरी करता दिखा कर सरकारी खजाने से पैसे भी लिए गए.

विधायक रूकनुद्दीन की पत्नी नरगिस जहां के नाम पर जॉब कार्ड बना है, जिसकी संख्या इक २३-००३- ०१२-००८०४२००-५२८६ है. उनका खाता बैंक आफ बड़ौदा में है, जिसमें मनरेगा के तहत की गयी मजदूरी के पैसे का भुगतान किया गया. इसी तरह से विधायक के भाई मु. जकीउद्दीन के नाम पर भी मनरेगा का जॉब कार्ड है. जबकि वह पूर्णिया के उच्च विद्यालय, बैरिया में सरकारी शिक्षक हैं. विधायक के दूसरे भाई सैयद जकीउद्दीन का भी जॉब कार्ड १९ मई २०२० को खोला गया था. आरजेडी विधायक की बहन कैशर जहां के नाम भी जॉब कार्ड निर्गत है. उनका जॉब कार्ड ०५ जून २०२४ को खोला गया है. चचेरे भाई मो. सैयद हसनैन और नाज फातमा के नाम भी मनरेगा योजना के तहत जॉब कार्ड निर्गत किया गया है. ये लोग भी सरकारी पैसा उठा रहे हैं. मनरेगा योजना में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी कर रहे हैं. इसके बाद सरकारी अमले की नींद टूटी है. अब इस मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं.

70 सीटों से कम में समझौता नहीं होगा : कांग्रेस

पटना (एजेंसी): बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं. चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर खींचतान बढ़ती जा रही है. कांग्रेस पार्टी अभी से बिहार चुनाव को लेकर एक्टिव हो चुकी है. कांग्रेस नेताओं ने साफ कहा है कि ७० सीटों से कम में समझौता नहीं होगा. दूसरी ओर वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी भी कम से कम २० सीटों की आस लगाए हैं. उनकी बयानबाजी से लगता है कि इस बार पार्टी राजद के आगे सरेंडर नहीं करेगी. इस बीच राजद नेता तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है. तेजस्वी ने कहा कि टिकट सबको चाहिए, लेकिन सीटें तो २४३ ही हैं. कहा जा रहा है कि सीतामढ़ी पहुंचे तेजस्वी ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं. उन्होंने कहा कि इस बार किसी नेता के कहने पर टिकट नहीं दिया जाएगा. ठोक-ठाककर ऐसा प्रत्याशी चुना जाएगा, जो जनता के बीच रहे. सबको साथ लेकर चले, लालू जी की पार्टी आरजेडी की विचारधारा को मजबूत करे.

तेजस्वी पर बीजेपी-जेडीयू का पलटवार

पटना (एजेंसी): बिहार के नेता-प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा था एक दिन लालू प्रसाद यादव को भी भारत रत्न मिलेगा और यह भारत रत्न वही लोग देंगे, जो आज उन्हें गाली दे रहे हैं. तेजस्वी ने यह बात कर्पूरी ठाकुर की ३७वीं पुण्यतिथि पर कही थीं. अब इस बीजेपी और जेडीयू ने पलटवार किया है. बीजेपी ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या सजायाफ्ता को भारत रत्न देने का प्रावधान है? तेजस्वी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी नेता नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव के बयान के दो मतलब हैं. पहला ये कि तेजस्वी यादव मान चुके हैं कि बीजेपी सत्ता में रहने वाली है और दूसरी बात ये है कि क्या संविधान की किताब में सजायाफ्ता मुजरिम को भी भारत रत्न देने का प्रावधान है?

बीजेपी नेता ने कहा कि तेजस्वी यादव को बताना चाहिए कि जो नौकरी के बदले लोगों की जमीन ले ले, जिस पे घोटाला और भ्रष्टाचार के कई आरोप हों, क्या उसके लिए कोई भारत रत्न देने का प्रावधान है? अगर है तो तेजस्वी यादव को इसके बारे बताना चाहिए और नहीं है तो बेवजह की बात उनको नहीं करनी चाहिए. वहीं जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि लालू यादव को भारत रत्न तो नहीं मिल सकता है, लेकिन उनको कैदी रत्न दे सकते हैं, संपत्ति सृजन रत्न दे सकते हैं, परिवारवादी राजनीति का रत्न दे सकते हैं.

नीरज कुमार ने कहा कि जो सजायाफ्ता हो वह भारत रत्न, पद्म भूषण की उम्मीद करता हो तो डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की तो आत्मा कराह उठेगी. बता दें कि तेजस्वी यादव ने सीतामढ़ी में बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि जो लोग लालू प्रसाद यादव को आज गाली दे रहे हैं, आने वाले दिनों में वहीं लोग उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने का काम करेंगे. तेजस्वी ने इस दौरान सीएम नीतीश कुमार पर भी तंज कसते हुए उनकी तुलना पुरानी गाड़ी से कर दी. उन्होंने कहा कि वह पुराने मॉडल के हैं जिसकी जरूरत अब खत्म हो गई है.

विस में सपा के कमजोर तेवर से परेशान कन्नौज सांसद

लखनऊ (एजेंसी): पहले उपचुनाव की ९ सीटों में केवल दो सीटें बचा पाना और फिर मिल्कीपुर में करारी हार..लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव की अगुवाई में समाजवादी पार्टी की साइकिल जिस तेज रफ्तार से दौड़ी, उसकी स्पीड पर उपचुनाव आते-आते ब्रेक लग गया. विधानसभा में भी सपा प्रमुख की गैरमौजूदगी में सपा का सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशों के तीखे तेवर देखने को नहीं मिले. ऐसे में सियासी गलियारों में सवाल उठ रहे हैं क्या अखिलेश यादव के बिना यूपी में सपा कमजोर दिखती है? अखिलेश यादव की अगुवाई में सड़क से लेकर विधानसभा तक सपा जोर शोर से सत्ता पक्ष पर सियासी हमला बोलती थी. सत्र के दौरान होने वाली बहस में 'योगी बनाम अखिलेश' के भाषणों की भी खूब चर्चा होती. लेकिन सपा प्रमुख के सांसद बनने के बाद समाजवादी पार्टी नेताओं का अखिलेश जैसा आक्रमक रुख सदन में अब तक नहीं दिखा है. बीते यूपी विधानसभा शीतसत्र के दौरान अखिलेश यादव दिल्ली में संसद सत्र छोड़कर लखनऊ पहुंचे और विधायकों के साथ अहम बैठक की थी.

लोकसभा चुनाव में सपा ने यूपी में बड़ा उलटफेर किया था. पिछला, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) का दांव खूब चला. सपा और कांग्रेस के गठबंधन ने यूपी में ४३ सीटें जीतकर बीजेपी को केंद्र में बहुमत के आंकड़े से काफी पीछे धकेल दिया था. बीजेपी सिर्फ ३७ सीटों पर सिमट कर रह गई थी.

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल धनबाद

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–10 / 2024–25

1. विज्ञापनदाता का नाम एमं पदनाम :– कार्यपालक अभियन्ता, भवन प्रमण्डल, धनबाद।
2. परिमाण विपत्र विक्री की अन्तिम तिथि एवं समय :– दिनांक–27.02.2025 को 1.00 बजे अपराहन तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक–28.02.2025 को 3.00 बजे अपराहन तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–28.02.2025 को 3.30 बजे अपराहन।
5. निविदा बिक्री का स्थान :– (i) सदर थाना, धनबाद का कार्यालय। (ii) अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल, हजारीबाग का कार्यालय।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (i) सदर थाना, धनबाद का कार्यालय। (ii) अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल, हजारीबाग का कार्यालय।
7. कार्यो की सूची :–

क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि (माह में)
1	Emergent Repair of C/1 Quarter Land Revenue Officers at Officer's Colony Dhanbad.	2,31,500.00	4,700.00	500.00	06 दिन।
2	E/R of "D" Type Quarter No. 11 in Officer's Colony Dhanbad.	2,11,100.00	4,300.00	500.00	05 दिन।
3	Emergent Repair and Construction of One No. Main Gate in the Campus of D/6 Old Quarter in Officer's Colony Dhanabd.	2,34,500.00	4,700.00	500.00	06 दिन।
4	E/R of "D" Type Quaarter No. 14 in Officer's Colony Dhanbad.	2,49,300.00	5,000.00	500.00	05 दिन।
5	Emeregent Repair and Construction of Wardrobe and other Mislenious Work in Quarter No. E/10	2,49,400.00	5,000.00	500.00	05 दिन।
6	E/R of Staff Quarter b/1 & B/2 Situated in Hirapur Dhanbad.	2,49,800.0	5,000.00	500.00	06 दिन।
7	Emeregent Repair of Sanitary Work in ACB Office, Hirapur, B/1 to B/6, C/20 N.D.C. Quarter P/22, 28 Court Building at Dhanbad.	2,34,900.00	4,700.00	500.00	05 दिन।
8	Emergent Repair and Construction of Shed at Labour Court Campus, Dhanbad.	2,48,400.00	5,000.00	500.00	05 दिन।
9	Emergent Repair of Composite Control Room Office & Guard Room at Dhanbad	1,72,200.00	3,500.00	500.00	06 दिन।
10	Emergent Repair of SDM Office Dhanbad Located in Hirapur	2,37,800.00	4,800.00	500.00	05 दिन।
11	Repair of Diferent Court Building at Civil Court in Dist. Dhanbad	2,47,000.00	5,000.00	500.00	05 दिन।
12	Emergent Repair of SSP Residence at Dhanabd.	2,46,600.00	5,000.00	500.00	06 दिन।

नोट :– 1) निविदा की शर्ते :– www.iprdjharkhand.in/iprd123@gmail.com/ iprd@sify.com/jharkhandiprd @yahoo.com एवं सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
2) परिमाण विपत्र दिनांक 28.02.2025 को 2:00 **PM** से 5:00 **PM** तक सदर थाना धनबाद में दिया जायेगा।

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमण्डल, धनबाद।

PR.NO.346686 Building(24-25):D

बाबा साहेब को मानने वाले किसी बहकावे में नहीं आएं : मायावती

लखनऊ (एजेंसी): बसपा सुप्रीमो मायावती पर कांग्रेस नेता उदित राज की विवादित टिप्पणी को लेकिर सियासी तापमान चढ़ गया है. मायावती के भतीजे और बसपा नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने अल्टीमेटम दिया है कि उदित राज की २४ घंटे के भीतर ही गिरफ्तारी की जाए. वहीं, मायवती ने भी कांग्रेस और उदित राज का नाम लिए बगैर करारा हमला बोला है.

मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा, बाबा साहेब के जीते जीत और देहांत के बाद भी उनका हर तरह से अपमान करने वाली खासकर कांग्रेस पार्टी डा. भीमराव अम्बेडकर की सोच-नीतियों पर खरी व विश्वसनीय नहीं हो सकती. आगे कहा कि चुनावी स्वार्थ के लिए कांग्रेस 'जय बापू, जय भीम, जय मण्डल, जय संविधान' जैसे कितने भी कार्यक्रम कर ले लेकिन बाबा साहेब को मानने वाले इनके किसी बहकावे में नहीं आएंगे. वे जागरुक व सतर्क तथा अपने पैरों पर खड़े होने के लिए संघर्षरत हैं.

कांग्रेस नेता उदित राज का नाम लिए बिना मायावती ने निशाना साधा, लिखा,कुछ दलबदलू अवसरवादी व स्वार्थी दलित लोग आक़ाओं को खुश करने के लिए जो अनर्गल बयानबाजी आदि करते रहते हैं, उनसे भी बहुजन समाज को सावधान रहने व उन्हें गंभीरता से नहीं लेने की जरूरत है क्योंकि वे 'सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति' मूवमेन्ट से अनभिज्ञ व अपरिचित हैं.

आकाश आनंद ने भी कांग्रेस नेता उदित राज की गिरफ्तारी की मांग की है, एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने लिखा, मैं यूपी पुलिस से साफ कहना चाहता हूं कि २४ घंट में इन अपराधियों की गिरफ्तारी कर कानून के तहत कार्रवाई की जाए. नहीं तो देश का बहुजन युवा चुप बैठने वाला नहीं है. इनको सबक सिखाना मुझे अच्छे से आता है.

लखनऊ में बसपा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज चौराहे पर डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया. उदित राज मुर्दाबाद के नारे लगाये. बसपा कार्यकर्ताओं ने की कार्रवाई की मांग की है.

उदित राज ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर मायावती को लेकर विवादित बयान दिया था, उन्होंने वीडियो पोस्ट में कहा, 'कृष्ण ने कहा था कि न्याय के लिए लड़ो, जरूरत पड़े तो अपने सगे संबंधियों को भी मार दो. बसपा की प्रमुख मायावती ने जो सामाजिक आंदोलन का गला घोंटा है, अब उनका गला घोंटने का वक्त आ गया है.'

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, चास
Email ID – eedwsd.chas@gmail.com

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अवस्थित नलकूपों तथा ग्रामीण जलापूर्ति योजना से संबंधित पेयजल की समस्या से निपटने हेतु Control Room का गठन किया गया है जो निम्न प्रकार है :–

(1) पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल चास में प्रमंडल स्तर पर श्री संजु कुमार, सहायक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल बोकारो को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है जिनका मोबाईल नम्बर एवं Whatsapp No. 707710062 है एवं श्री रविकान्त सिंह, प्राक्कलक, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल चास को सहायक नोडल पदाधिकारी बनाया गया है जिनका मोबाईन नम्बर एवं Whatsapp No. 9102222780 है। श्री कमलजीत कुमार, निम्न वर्गीय लिपिक, पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल, चास जिनका मोबाईल नम्बर 7079877208 तथा श्री अरविन्द कुमार, उच्च वर्गीय लिपिक, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, चास जिनका मोबाईल नम्बर 7050584656 है को Control Room का प्रभारी बनाया गया है। Control Room में कार्यालय अवधि में शिकायत दर्ज करा सकते है।

(2) पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल चास / बोकारो एवं प्रशाखा स्तर पर भी शिकायत पुस्तिका संधारित है, तथा संबंधित ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के जल सहिया के पास भी शिकायत दर्ज करा सकते है।

प्रखण्ड का नाम	कनीय अभियंता का नाम एवं सर्म्पक न0	सहायक अभियंता का नाम एवं सर्म्पक न0	प्रमण्डल स्तर पर प्रतिनियुक्त कर्मी का नाम एवं सम्पर्क नं0
चास	श्री सुनिल कुमार, कनीय अभियंता मो0– 7352924901	श्री संजु कुमार सहायक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल बोकारो मो0–707710062	श्री शिव शंकर पाल, उच्च वर्गीय लिपिक, फोन नं0 – 06542–265810
चन्दनकियारी	श्री कामदेव उरॉव, कनीय अभियंता मो0–9973865191		
जरीडीह	श्री अकाश वर्मा, कनीय अभियंता मो0– 8709412804		
बेरमो, चन्द्रपुरा आंशिक (14 पंचायत)	श्री हिमांशु शेखर यादव, कनीय अभियंता मो0–7462922526		

नोट :– उपरोक्त अंकित पदाधिकारीयों से सम्पर्क नहीं होने की स्थिति में विभागीय टौल फ्री नम्बर 18003456502 एवं 9470176901 एवं जिला में कार्यरत Control Room के दूरभाष संख्या 06542222111 तथा Website - https://jharjal.jharkhand.gov.in भी शिकायत दर्ज की जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,चास

PR 346661 Drinking Water and Sanitation(24-25).D

शादी की सालगिरह पर 21 गरीब कन्याओं का किया कन्यादान

ग्रेटर नोएडा(ईएमएस): मर्चेंट नेवी के पूर्व कैप्टन ओम प्रकाश अग्रवाल ने अपनी २८वीं शादी की सालगिरह को खास बनाते हुए २१ गरीब कन्याओं की शादी का आयोजन किया। शादी के बाद उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर खुद का व्यापार शुरू किया। व्यापार में सफलता मिलने के बाद उन्होंने समाजसेवा की राह चुनी और अपनी २५वीं शादी की सालगिरह से गरीब बेटियों की शादी कराने का संकल्प लिया। ओम प्रकाश अग्रवाल और उनकी पत्नी पूनम अग्रवाल हर साल दर्जनों जरूरतमंद लड़कियों की शादी का आयोजन करते हैं। इस साल भी उन्होंने अपनी शादी की २८वीं वर्षगांठ पर २१ गरीब लड़कियों की शादी करवाई थी।

ये सभी बेटियां ऐसे परिवारों से हैं जिनके पास शादी का खर्च उठाने की क्षमता नहीं है। अग्रवाल दंपति न केवल शादी का पूरा खर्च उठाते हैं, बल्कि नवविवाहित जोड़ों को घरेलू सामान भी उपहार में देते हैं। शादी से पहले दूल्हा और दुल्हन दोनों के बारे में पूरी जांच-पड़ताल की जाती है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि वे पहले से शादीशुदा न हों और किसी भी तरह की धोखाधड़ी न हो। जांच के बाद दोनों परिवारों को सही पाए जाने पर ही उन्हें विवाह समारोह में शामिल किया जाता है।अग्रवाल दंपति इस बात का खास ख्याल रखते हैं कि शादी के बाद नवविवाहित जोड़े को किसी चीज की कमी न हो।

सीएम हेमंत सोरेन ने किया शिक्षा विभाग के 6 वेब पोर्टल्स का उद्घाटन, वैज्ञानिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

रांची (ससे): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय स्थित सभागार में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत विकसित ६ नए वेब पोर्टल्स का अनावरण किया। इसके साथ ही सीएम ने रांची विज्ञान केंद्र में स्थित नव प्रवर्तन केंद्र (इनोवेशन हब) का उद्घाटन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने इन पोर्टल्स और इनोवेशन हब के उद्घाटन के दौरान शिक्षा प्रणाली को और अधिक डिजिटल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने की बात की। बता दें कि इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार, मुख्य सचिव अलका तिवारी, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार और राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण भी उपस्थित रहे।

शिक्षा व्यवस्था को मजबूत और डिजिटल बनाने में करेंगे मदद

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि ये पोर्टल्स राज्य की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत और डिजिटल बनाने में मदद करेंगे। उन्होंने पोर्टल्स के माध्यम से शिक्षकों के वेतन निर्धारण, निजी विश्वविद्यालयों के प्रबंधन, अनुसंधान और नवाचार जैसी प्रक्रियाओं को सरल और प्रभावी बनाने की उम्मीद जताई।

इन पोर्टल्स का किया उद्घाटन

बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन किए गए पोर्टल्स में वेतन निर्धारण पोर्टल, लर्निंग मैनेजमेंट पोर्टल, निजी विश्वविद्यालय प्रबंधन पोर्टल, मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना पोर्टल, अप्रेंटिस प्रबंधन पोर्टल और वित्त रहित कॉलेज अनुदान पोर्टल शामिल हैं। इन पोर्टल्स का उद्देश्य शिक्षण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पारदर्शी और डिजिटल बनाना है।

वैज्ञानिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

इसके साथ ही रांची स्थित क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र साइंस सिटी के अपग्रेडेशन के लिए २७० करोड़ की परियोजना का भी उल्लेख किया गया, जिससे रांची में वैज्ञानिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इस कार्यक्रम में झारखंड स्टूडेंट रिसर्च एंड इनोवेशन पॉलिसी-२०२५ की भी घोषणा की गई, जिसका उद्देश्य राज्य में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

बजट सत्र को लेकर स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने बुलाई उच्चस्तरीय बैठक, अधिकारियों को दिए निर्देश

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा का बजट सत्र २४ फरवरी से शुरू होने जा रहा है, जो २७ मार्च तक चलेगा। इस सत्र के सुचारू संचालन के लिए विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने मंगलवार १८ फरवरी को राज्य के आला अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी, डीजीपी अनुराग गुप्ता, गृह सचिव वंदना दादेल समेत विभिन्न विभागों के सचिव एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में सत्र के दौरान उठने वाले सवालों के समुचित उत्तर देने, विधि व्यवस्था बनाए रखने और अन्य संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सदन में उठने वाले सभी सवालों के त्वरित और सही उत्तर दिए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि विभागों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जवाबों में कोई कोताही न हो, क्योंकि पहले भी ऐसी शिकायतें आई हैं।

इसके अलावा स्पीकर ने विधि व्यवस्था को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए गए। क्योंकि बजट सत्र के दौरान बजट प्रस्ताव पेश और पारित किया जाएगा। लंबा सत्र होने के कारण विभिन्न मांगों को लेकर विधानसभा का घेराव भी हो सकता है। जिससे सुरक्षा व्यवस्था और विधि व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

बता दें कि सत्र की शुरुआत २४ फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार सदन को संबोधित करेंगे। इसके बाद २५ फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होगी।

३ मार्च को राज्य सरकार की ओर से आगामी वित्तीय वर्ष २०२५-२६ का बजट पेश किया जाएगा। इस बजट सत्र में कुल २० कार्य दिवसों में विभिन्न राजकीय विधेयकों के साथ-साथ राज्य का बजट भी पेश किया जाएगा।

राज्य सरकार ने 15 आईएएस अधिकारियों के किए तबादले, पूजा सिंघल को सौंपा नया विभाग

रांची (एजेंसी): झारखंड में आईएएस अधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। राज्य के १५ आईएएस अफसरों का तबादला हो गया है। ऐसे में झारखंड की चर्चित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को भी पदस्थापित कर दिया गया है। जारी अधिसूचना के अनुसार

आईएएस पूजा सिंघल को सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग का सचिव बनाया गया है। वहीं मस्त राम मीणा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव बनाये गए है। इसके अलावा कृपानंद झा को एसटी एससी अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा कल्याण विभाग का सचिव और विप्रा भाल परिवहन विभाग की सचिव बनाई गयीं है।

सेंट्रल बैंक के हेड कैशियर की सड़क हादसे में मौत

देवघर **(एजेंसी):** देवघर के पथरोल थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में सेंट्रल बैंक की हेड कैशियर की मौत हो गई। हादसा कलहोड़ मोड़ के पास पिकअप वैन और स्कूटी में टक्कर से हुई। स्कूटी सवार महिला के सिर पर गंभीर चोट लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान गिरिडीह जिले के कर्बला रोड निवासी नेहा ऋषि (३८) के रूप में हुई है। वह सिमरामोड़ स्थित सेंट्रल बैंक में हेड कैशियर के पद पर पदस्थापित थीं। नेहा ऋषि के दो बेटे हैं। उनके पति बक्सर में इनकम टैक्स अधिकारी हैं। पथरोल थाना के सब इंस्पेक्टर विकास पासवान दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी।

महाकुंभ जाने के लिए यात्रियों को लेने बंगाल से आ रही बस जामताड़ा से पहले दुर्घटनाग्रस्त

जामताड़ा (एजेंसी): जामताड़ा से महाकुंभ जाने के लिए यात्रियों के जत्थे को लेने आ रही पश्चिम बंगाल की एक बस मंगलवार को जामताड़ा पहुंचने से पहले पलट गई। मिहिजाम थाना क्षेत्र के ४१९ हाईवे पर स्थित रेल ओवरब्रिज के पास यह हादसा हुआ। बस जो पश्चिम बंगाल से प्रयागराज कुंभ यात्रा के लिए यात्रियों को लेने जामताड़ा आ रही थी, अनियंत्रित होकर पलट गई।

मिली जानकारी के अनुसार घटना में बस के चालक और खालासी घायल हो गए हैं। जिसके बाद उन्हें तुरंत जामताड़ा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, राहत की बात यह है कि बस में कोई यात्री सवार नहीं था इसलिए किसी भी यात्री को चोट नहीं आई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त बस को कब्जे में ले लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी विवेकानंद दूबे ने बताया कि बस यात्रियों को कुम्भ यात्रा पर ले जाने के लिए बंगाल से जामताड़ा आ रही थी।

सदर अस्पताल से नवजात बच्ची की चोरी, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

रांची (एजेंसी): झारखंड की राजधानी रांची स्थित सदर अस्पताल से एक नवजात बच्ची के चोरी होने का मामला सामने आया है, जिससे अस्पताल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। घटना मंगलवार रात की है, जब सदर अस्पताल के लेबर रूम में एक बच्ची का जन्म हुआ और कुछ समय बाद अज्ञात चोर उसे अस्पताल के बाहर से चुराकर ले गए। बच्ची के लापता होने के बाद उसके माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

सूचना मिलते ही लोअर बाजार पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने अस्पताल में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच करना शुरू कर दिया है ताकि चोर की पहचान की जा सके। पुलिस का मानना है कि सीसीटीवी फुटेज से कई महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं। इस दौरान पुलिस ने बच्ची को जल्द से जल्द बरामद करने के लिए पूरी तफ्तीश तेज कर दी है।

बच्ची के पिता की शिकायत

बच्ची के पिता उमेश बेड़िया ने इस घटना के संबंध में लोअर बाजार थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस से अपनी बेटी को जल्द से जल्द बरामद करने की अपील की है। उनका कहना है कि उनकी बेटी का अपहरण करने वालों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए ताकि उनकी बच्ची सुरक्षित घर लौट सके।

लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद कुमार ने बताया कि पुलिस की एक विशेष टीम अस्पताल में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इसके साथ ही पुलिस ने मामले की जांच में अन्य सुराग जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। पुलिस प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि हर संभव प्रयास किया जाएगा ताकि आरोपी को गिरफ्तार किया जा सके और बच्ची को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थान पर लाया जा सके।

प्रतुल शाहदेव की हेमंत सरकार से मांग, झारखंड में आतंकवाद की पाठशाला न चलने दें

रांची (एजेंसी): भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने हेमंत सरकार से मांग की है कि राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवाद की पाठशाला न चलने दें।

दरअसल, यह बयान उन्होंने उस घटना के बाद दिया जिसमें खुफिया तंत्र ने जानकारी दी थी कि पाकुड़ में बांग्लादेश के प्रतिबंधित संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश का एक आतंकवादी अब्दुल मनुन बांग्लादेश सीमा पार करके पाकुड़ पहुंच गया था और वहां उसने दर्जनों स्थानीय युवकों को आतंकवादी प्रशिक्षण दिया।

प्रतुल ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक बहुत गंभीर मामला है, जिसमें आतंकवादी झारखंड में

आतंकवाद की पाठशाला चला रहे हैं और राज्य के खुफिया तंत्र को इसकी जानकारी बाद में मिलती है। उन्होंने राज्य सरकार से इस मामले में कठोर कार्रवाई की मांग की है।

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झारखंड में स्लीपर सेल की गतिविधियों का पुराना इतिहास रहा है। उन्होंने हेमंत सरकार से आग्रह किया कि राज्य में स्लीपर सेल के खिलाफ पूरी ताकत से कार्रवाई की जाए। हाल ही में एक प्रतिष्ठित अस्पताल में कार्यरत एक डॉक्टर को स्लीपर सेल का सदस्य पाया गया था, इसके अलावा लोहरदगा सहित कई जिलों में स्लीपर सेल का खुलासा हुआ है। बोधगया बम ब्लास्ट का तार भी रांची से जुड़ा था और हिंदपीढ़ी के एक लॉज से बम बरामद हुए थे, जो बोधगया बम ब्लास्ट में इस्तेमाल किए गए थे।

प्रतुल ने कहा कि यह देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ मुद्दा है, इसलिए राज्य सरकार से उम्मीद की जाती है कि वह इन आतंकवादी गतिविधियों को कुचलने के लिए पूरी ताकत से काम करें।

बेटियों के सामने बाप की गला रेतकर हत्या, बाइक पर आए थे 5 अपराधी

गुमला (एजेंसी): जिले के रायडीह थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। पोगरा डिगरी टांड के पास बाइक सवार ५ अपराधियों ने ३६ वर्षीय प्रसाद साहू की बेरहमी से हत्या कर दी। वह अपनी २ बेटियों को स्कूल छोड़ने जा रहे थे, तभी अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने प्रसाद साहू का गला रेत दिया। उन्होंने बच्चियों को भी निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन वे किसी तरह वहां से भाग निकलीं। डर और घबराहट के बीच वे घर पहुंचीं और परिवार को घटना की जानकारी दी। मिली जानकारी के अनुसार प्रसाद साहू उंचडीह के एक शिक्षक के ड्राइवर के रूप में काम करते थे।

हाईकोर्ट के वकील का आकस्मिक निधन कोर्ट रूप से निकलते ही हो गए थे बेहोश

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सूरज कुमार का आकस्मिक निधन हो गया। वह मंगलवार को हाईकोर्ट में एक केस की बहस के बाद जैसे ही कोर्ट रूम से बाहर निकले, अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। साथी अधिवक्ताओं ने तुरंत उनकी मदद की और उन्हें हाईकोर्ट स्थित अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन उनकी हालत में कोई खास सुधार नहीं हुआ और उन्हें पारस हॉस्पिटल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

अधिवक्ता सूरज कुमार अपने मृदुभाषी और मिलनसार व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। उनके निधन की खबर से झारखंड हाईकोर्ट में शोक की लहर फैल गई है। हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने इस दु:खद घटना की जानकारी दी। उनके निधन की खबर मिलते ही न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय, न्यायमूर्ति अरुण कुमार राय, महाधिवक्ता राजीव रंजन, अपर महाधिवक्ता सचिन कुमार, धीरज कुमार, नवीन कुमार, अशोक कुमार, राम सुभग सिंह और अन्य कई अधिवक्ता पारस अस्पताल पहुंचे और शोक प्रकट किया।

अधिवक्ता सूरज कुमार अपने पीछे पत्नी और दो पुत्रों को छोड़ गए हैं। उनका निधन हाईकोर्ट परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके योगदान और कार्य को हमेशा याद किया जाएगा।

पृष्ठ एक का शेषांश

झारखंड में गुटखा, तंबाकू युक्त---

के दौरान उन्होंने राज्य में ओरल कैंसर मरीजों की बढ़ती संख्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा था कि राज्य में एक लाख की आबादी पर करीब ७० लोग कैंसर पीड़ित हैं। इनमें ४०-४५ मरीज ओरल कैंसर से पीड़ित हैं और इसकी मुख्य वजह तंबाकू और गुटखा है।

राममंदिर और 370 मामले में----

कानपुर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक पूरा करने के बाद आईसीएफएआई में बिजनेस फाइनेंस और अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एचआईआईडी में पर्यावरण अर्थशास्त्र का अध्ययन किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त---

और तब आपत्तियां नहीं उठाई जाती हैं, लेकिन बाद में संदेह किया जाता है, जो गलत है। खास बात है कि विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि निर्वाचन आयोग बीजेपी का समर्थन करता है। इन आरोपों का आयोग ने बार-बार खंडन किया है। निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सोमवार को नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया है। कानून मंत्रालय ने जानकारी दी। ज्ञानेश कुमार निर्वाचन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। उनका कार्यकाल २६ जनवरी, २०२९ तक रहेगा, जिसके कुछ दिन बाद निर्वाचन आयोग अगले लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है।

अगले साल से देश के---

के ट्रैफिक-जाम से जूझते शहरों और कस्बों के लिए वरदान साबित हो सकती है, जहां सड़क मार्ग से मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने में देरी होती है। शुरुआत में ये एयर एंबुलेंस मेडिकल इमरजेंसी के लिए इस्तेमाल की जाएंगी। सरकार भी ट्रांसपोर्टेशन और डिलीवरी सर्विसेज के लिए एयरस्पेस को आंशिक रूप से खोलने पर विचार कर रही है, जिससे ईवीटोल तकनीक को बढ़ावा मिलेगा।

राम मंदिर परिसर में ---

मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है कि ड्रोन गिराने की यह घटना किसी साजिश का हिस्सा तो नहीं है। मामले की गंभीरता को देखकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी गई है। वहीं अब मंदिर परिसर में एंटी-ड्रोन सिस्टम का ट्रायल तेज किया गया है। इसके अलावा, मंदिर की सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि घटना की गहनता से जांच हो रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इसके साथ ही, मंदिर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, ताकि भविष्य में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

कतर के अमीर का---

एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। कतर के अमीर इससे पहले मार्च २०१५ में राजकीय यात्रा पर भारत आए थे। अपनी यात्रा के दौरान अमीर शेख तमीम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ चर्चा करेंगे, उनके सम्मान में भोज का आयोजन जाएगा। कतर के अमीर शेख तमीम द्विपक्षीय संबंधों के कई पहलुओं पर पीएम मोदी के साथ बातचीत करेंगे। उल्लेखनीय है कि कतर में रहने वाला भारतीय समुदाय देश का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। कतर के अमीर की यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ती बहुमुखी साझेदारी को और गति प्रदान करेगी। भारत और कतर के बीच विविध क्षेत्रों में सहयोग ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ संबंधों और दोनों सरकारों के उच्चतम स्तरों सहित नियमित और ठोस भागीदारी द्वारा प्रदान की गई रूपरेखा में लगातार बढ़ रहा है।

राज्यकर्मियों का महंगाई---

सेविका/सहायिका चयन एवं मानदेय (अन्य शर्तों सहित) नियमावली, २०२२ में संशोधन की स्वीकृति दी गई।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लाभ : झारखंड जगुआर (एसटीएफ) में स्व. राजेश कुमार के आश्रित को सेवांत लाभों के भुगतान की स्वीकृति दी गई।

विभागीय संकल्प की पुनर्विचार प्रक्रिया : सुनील कुमार, जो पहले भूमि संरक्षण अनुसंधान केन्द्र के उप निदेशक थे, के द्वारा दंड पर पुनर्विचार संबंधी आवेदन को अस्वीकृत किया गया।

बीएसआइडीसी और बीएसइडीसीएल से संबंधित आस्तियों और दायित्वों का बंटवारा : बीएसआइडीसी और बीएसइडीसीएल से संबंधित आस्तियों और दायित्वों के बंटवारे की स्वीकृति दी गई।

आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका के मानदेय में संशोधन : आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका के मानदेय में संशोधन की स्वीकृति दी गई है।

झारखंड में 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' में सुधार : 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' के तहत औद्योगिक नीति और व्यवसाय सुधार एक्शन प्लान के अनुपालन में सुधार की दिशा में कई नए कदम उठाए गए हैं।

झारखंड उच्च न्यायालय आदेश के अनुपालन में सेवा नियमितीकरण : झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में वादीगण की सेवा नियमितीकरण की स्वीकृति दी गई।

जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं होने पर अबुआ अधिकार मंच ने की राज्यपाल से मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

रांची (एजेंसी): झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के अध्यक्ष पद पर ६ महीने से नियुक्ति नहीं होने के कारण राज्य में लाखों युवा हताश और निराश हैं। जेपीएससी में अध्यक्ष पद की अविलंब नियुक्ति की मांग को लेकर अबुआ अधिकार मंच के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर इस गंभीर विषय पर हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल ने अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक और सांस्कृतिक विषयों को भी राज्यपाल के समक्ष रखा।

इस अवसर पर अबुआ अधिकार मंच के नीतीश सिंह ने कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के अध्यक्ष पद के लंबे समय से रिक्त होने के कारण विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में देरी हो रही है, जिससे हजारों युवा प्रभावित हो रहे हैं। परीक्षा प्रक्रिया ठप पड़ने से योग्य उम्मीदवारों के करियर पर संकट मंडरा रहा है। अबुआ अधिकार मंच ने राज्यपाल से आग्रह किया है कि गझडउ अध्यक्ष की नियुक्ति अविलंब की जाए ताकि नियुक्तियों से लेकर लंबित परीक्षाओं, रिजल्ट, प्रमोशन के मामले क्लीयर हो सकें।

बता दें कि अबुआ अधिकार मंच के नीतीश सिंह के नेतृत्व में अभिषेक शुक्ला, अभिषेक कुमार, अंशुतोष कुमार और रूही परवीन ने राज्यपाल से

मुलाकात कर उन्हें एक मांग पत्र सौंपा। साथ ही यह बताया कि झारखंड लोकसभा आयोग में अध्यक्ष का पद ६ महीने से खाली है। इससे गझडउ ११वीं-१३वीं की मेंस परीक्षा का रिजल्ट भी लंबित है। इसके अलावा अन्य कई परीक्षाएं और नियुक्तियों का मामला भी अटका पड़ा है। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि जेपीएससी अध्यक्ष पद के रिक्त रहने से राज्य की प्रशासनिक और शैक्षणिक प्रक्रियाएं प्रभावित हो रही हैं, जिससे झारखंड की प्रतिभाओं का ह्रास हो रहा है। यह न केवल प्रतियोगी छात्रों के लिए अन्याय है, बल्कि पूरे राज्य की कार्यक्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति में देरी से राज्य की भर्ती परीक्षाओं में अनिश्चितता बनी हुई है। विभिन्न विभागों की परीक्षाएँ रुकी हुई हैं, जिससे योग्य अभ्यर्थी समय पर नौकरी पाने से वंचित हो रहे हैं।

अभ्यर्थियों की आयुसीमा समाप्त होने का खतरा बढ़ रहा है, जिससे उनकी मेहनत और सपने दोनों प्रभावित हो रहे हैं। झारखंड के युवाओं में बढ़ते असंतोष और बेरोजगारी की स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, सरकारी नियुक्तियों में देरी से राज्य की प्रशासनिक कार्यप्रणाली भी बाधित हो रही है।

वहीं, अबुआ अधिकार मंच के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के समक्ष अन्य महत्वपूर्ण मांगें भी रखी। इनमें रांची विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का नाम वीर बुधु भगत पुस्तकालय रखा जाए और अन्य विश्वविद्यालयों में भी पुस्तकालयों का नामकरण महापुरुषों के नाम पर करना मुख्य तौर पर शामिल है।

बता दें कि बीते ६ वर्षों से झारखंड के विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए हैं। वर्ष २०२५-२६ में अनिवार्य रूप से चुनाव कराए जाएं ताकि छात्र नेतृत्व को उचित मंच मिल सके। उन्होंने कहा कि वर्षों से विश्वविद्यालयों में सेवाएं दे रहे सहायक प्राध्यापकों को स्थायी किया जाए या उन्हें ७८,००० रुपये मासिक वेतन दिया जाए। ताकि वे आर्थिक असुरक्षा से मुक्त होकर उच्च शिक्षा को सशक्त बना सकें और गुणवत्ता में सुधार हो।

इसके साथ ही उन्होंने झारखंडी भाषा, संस्कृति, और शिक्षा में अभूतपूर्व योगदान देने वाले पद्मश्री डॉ राम दयाल मुंडा के सम्मान में रांची विश्वविद्यालय का नाम उनके नाम पर रखा जाए। इसके अलावा डोरंडा महाविद्यालय का नामकरण भारत रत्न डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम महाविद्यालय किया जाए। राजभवन की तर्ज पर सभी विश्वविद्यालय परिसरों में झारखंडी महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित की जाए।

क्या पहनाएं बच्चों को

यदि आप किसी शादी में जा रही हों तो अपने बच्चे पर शेरवानी ट्राई कर सकती हैं। ये आपके बच्चे को ट्रेडिशनल लुक तो देता ही है, साथ ही साथ बच्चा स्टाइलिश भी लगता है। इसके अलावा ब्राइट कलर वाली प्लेन शेरवानी भी पहनाई जा सकती है। साथ ही ड्रेस से मैच करते हुए नागरे या जूतियां पहनाएं। शेरवानी के साथ ही कोट पैंट भी एक बढ़िया ऑप्शन है। फॉर्मल पैंट के साथ डिजाइनदार शर्ट पहनाएं। यदि ठंड का मौसम हो तो कढ़ाई वाला कोट भी पहनाया जा सकता है। और हां गले में बो पहनाना न भूलें, इससे आपके बच्चे का स्मार्ट लुक आता है। फूटवियर्स के तौर पर आप लेदर के शूज पहनाएं,और यदि आपका बच्चे के साथ किसी बर्थ-डे पार्टी में जा रही है तो बच्चे को डेनिम जींस के साथ शर्ट पहनाएं व लाइट वाले स्टाइलिश जूते पहनाएं। यदि आपके बच्चे का ही बर्थ-डे हो तो बच्चे को मल्टी पॉकेट पैंट्स के साथ ब्राइट कलर वाली टी-शर्ट पहनाएं।

बच्चों को वक्त देना जरूरी

तो क्या बेस्ट मॉम बनने के लिए बच्चे को ज्यादा वक्त देना जरूरी है? डीयू के एक कॉलेज में कंप्यूटर साइंस की टीचर संगीता पाठक इसका जवाब 'हां' में देती हैं। हायर एजुकेशन ले रहे दो बच्चों की मां संगीता बताती हैं कि बेहतर टाइम मैनेजमेंट मां के लिए बड़ा चैलेंज है। ग्रेजुएशन खत्म होने से पहले ही मेरी शादी हो गई थी, इसलिए मां बनने के बाद पढ़ाई और फिर कैरियर को आगे बढ़ाना भी एक चैलेंज था। मैंने प्राइमरी टीचर बनकर काम शुरू किया। कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई भी साथ-साथ चलती रही। नन्हे बच्चे को धूप में बाहर लाना अच्छा नहीं लगता था, पर स्कूल से लौटते वक्त उसे क्रेच से घर लाना पड़ता था। बड़े होते बच्चों के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ीं। शाम को कभी बेटे को स्केटिंग या स्विमिंग क्लास ले जाना होता था, तो कभी बेटी को डांस क्लास। उनकी पढ़ाई और होमवर्क की जिम्मेदारी थी, सो अलग।

उपहार का महत्व

तोहफे किसको पसंद नहीं होते, ये आपके भाव को व्यक्त करने में सबसे अहम रोल निभाते हैं। इसमें आप अपने भरोसेमंद दोस्त की मदद भी ले सकती हैं। अगर आपके पार्टनर के पास प्रमोशन या न्यू प्रॉजेक्ट जैसी सेलिब्रेट करने की कोई वजह हो, तो उन्हें चॉकलेट्स, एक वाइन बॉटल, फूल या उनका कोई पसंदीदा गिफ्ट भेजकर सरप्राइज दे सकते हैं। यकीन मानिए, यह चीज वह कभी नहीं भूलेंगे। यदि आप दोनों की आदतें या खान-पान, एक जैसा होता है तो मजा आ जाता है, ऐसे में आपको बात करने के आपस में कनेक्टेड रहने के लिए एक जैसी हॉबीज डिवेलप करने से अच्छा बहाना कुछ नहीं हो सकता।

फीलिंग से नहीं चलते रिश्ते

कोई आपको पहले से हो या आप किसी को प्रपोज करने की सोच रही हो। क्या आप उसे लेकर इतनी सीरियस हैं कि शादी के बारे में सोचें? हो सकता है कि आपको सवाल थोड़ा अजीब लगे, लेकिन एक बार इस पर भी विचार करके जरूर देखें। गौरतलब है कि आपके प्यार का रिश्ता एक तरह से आपकी सोसाइटी का आधार है। इसकी थीम है 'लव बन-अनदर' यानी एक-दूसरे की कमियों को एक्सेप्ट करके अपने पार्टनर को प्यार करना। बेशक 'हैपिली मैरिड' का कॉन्सेप्ट इसी थीम पर टिका है, जहां आप दूसरे को इस हद तक स्वीकार करें कि उसकी कमियों के साथ चलने में आपको कोई प्रॉब्लम न हो।

किसी से प्यार करती हैं, तो शादी का इरादा भी रखती होंगी। अगर अपने प्रियतम के साथ आप सात जन्मों का कमिटमेंट चाहती हैं, तो इन बातों को फॉलो कर अपने रिश्तों में गहराई ला सकती हैं।

कसौटी रिश्तों की

तमाम बदलावों के साथ रिश्तों की कसौटियां भी चेंज हुई हैं। जाहिर है कि मैरिज को भी हम इससे बचाकर नहीं चल सकते। तनाव, कमिटमेंट से घबराहट, कैरियर में आगे बढ़ने की चाह जैसे तमाम कारण हैं, जो लोगों को शादी में सेटल होने नहीं दे रहे हैं। यदि ऐसे में आप एक दूसरे की भावनाओं को समझ-बूझकर हर कदम को चलें। मनोवैज्ञानिक इसे आने वाले समय की बड़ी जरूरत बताते हैं और इसे प्रमोट करने की फेवर में हैं। आजकल की जेनरेशन अपने कैरियर और फाइनैंशियल प्लानिंग में इतनी बिजी है कि शादी के पॉजिटिव इफेक्ट उसे नजर ही नहीं आते। हालांकि वैलंटाइंस डे और डेटिंग के लिए तमाम ऑप्शंस होने के बावजूद वे अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में वर्तमान में वर्ल्ड मैरिज डे जैसे मौके उन्हें रिश्तों को नए सिरे से समझा सकते हैं। वैसे, इस तरह ग्लोबलाइजेशन के दौर में हमारी इंडियन 'फैमिली वैल्यूज' और 'हैपी मैरिड कपल्स' की परंपरा को भी वर्ल्ड फोरम में नई पहचान मिल सकेगी।

पश्चिम का दिख रहा असर

भले ही रिलेशंस को लेकर खुले नजरिए और डिवोर्स केसेज के बढ़ते रेट्स को विदेश की देन माना जा रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है कि वहां सब कुछ खराब ही है। बल्कि वहां से भी कुछ बातों को सीखी ही जा सकती हैं। रिलेशनशिप एक्सपर्ट डॉ. निशा खन्ना कहती हैं, 'इस मुद्दे को कल्चरल इम्पैक्ट के तौर पर ना देखा जाए। दरअसल, सभी अपनी जरूरत के हिसाब से ही किसी चीज को अपनाते हैं। जब वहां शादियों में प्रॉब्लम्स आनी शुरू हुईं और पार्टनर्स के बीच डिफरेंसेज बढ़ने लगे, तो भारत ने भी एक दिन जो फरवरी के दूसरे हफ्ते के रविवार को आता है को चुन लिया। हालांकि वहां किसी रिलेशनशिप एक्सपर्ट के पास जाना भी कोई टैबू नहीं है, लेकिन यहां किसी को ऐसी सलाह देने का मतलब है बुराई मोल लेना। बेशक अगर हम प्यार करने का तरीका वेस्ट से ले सकते हैं, तो रिलेशंस को ठीक रखने के लिए एक बार उनके तरीके पर नजर तो डाल ही सकते हैं। हालांकि यह किसी पहल की तैयारी नहीं है, बल्कि मुद्दा है एक प्यार भरे रिश्ते की मिठास व गर्माहट को बरकरार रखना। फिर देश या कल्चर कोई भी हो, यह बात सभी जगह कॉमन है कि बिना इमोशनल सैटिस्फैक्शन के जिंदगी कभी पूरी नहीं होती। यह बात पूरी तरह सही है कि वैलंटाइंस डे जैसे दिन हमें अपने इमोशंस को पहचानना व एक्सप्रेस करना सिखाते हैं। लेकिन रिश्ते में सिर्फ फीलिंग्स होना ही काफी नहीं है, बल्कि इसे निभाने के लिए आपके पास कमिटमेंट के साथ सही अप्रोच भी होनी चाहिए। इसी तरह ही हम रिलेशंस की मिठास व अहमियत को जान पाते हैं और ऐसे में समय-समय पर एक दूसरे के साथ कुछ पल बीताना तथा अपनी यादों को उत्सव के तौर पर जीना भी सही है। कॉल सेंटर एंप्लॉई रीना बतरा शादी को एक्सेप्टेंस फैक्टर से जोड़ती हैं। उनके मुताबिक, विवाह और हमारे रिश्ते इस बात का अहसास करवाने के लिए हैं कि आपको शादी प्यार के आगे की एक कड़ी है। उनका कहती हैं, 'मैं अपने पैरंट्स की लाइफ देखकर यही सोचती हूं कि क्या मुझे इतने एक्सेप्टिंग नेचर की लाइफ पार्टनर मिलेगा। ऐसे में मैं मानती हूं कि रिलेशन में कमिटमेंट होना चाहिए।

चाहे कोई भी मौसम हो, त्वचा और बालों की बारह महीने, तीसों दिन देखभाल करनी पड़ती है। नहीं तो चांद सा सुंदर चेहरा आंखों का रंग सुनहरा धूमिल पड़ने लगता है। यदि इसे बरकरार रखना है तो हमेशा इसका ध्यान रखना पड़ेगा। और समय समय पर प्राकृतिक सुंदरता बरकरार रखने के लिए प्रकृति के रंगों को चुनना होगा।

होममेड फेसपैक

हमेशा ध्यान दें कि आपकी स्किन का टाइप क्या है, उसको देखकर ही फेस पैक लगाएं—

ड्राय स्किन के लिए: दो टेबलस्पून मसूर दाल को बारीक पीसकर उसके आटे में थोड़ा सा जैतून का तेल व ग्लिसरीन मिलाकर पेस्ट बना लें और लगाएं। इससे रूखी त्वचा में निखार आ जाता है।

नॉर्मल स्किन के लिए: एक चम्मच ऑरेंज पील पाउडर एवं गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर हलके हाथों से लगाएं। लगाने के बाद इसे कुछ समय के लिए छोड़ दें और बाद में ठंडे पानी से धो लें।

खास है हर्बल फेशियल

खूबसूरत त्वचा हर किसी को अपनी ओर अट्रैक्ट करती है, लेकिन सभी की त्वचा खूबसूरत नहीं होती। किसी की खुरदरी तो किसी की बहुत ज्यादा तैलीय होती है। अपनी त्वचा को कुछ खास बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आप अपनी स्किन का पूरा-पूरा ख्याल रखें। वैसे भी आजकल वातारण में प्रदूषण बहुत अधिक है। जो स्किन प्रॉब्लम्स के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में चाहे तो कुछ फेशियल ट्राई कर सकती हैं। ये आपकी त्वचा के लिए लाभकारी हो सकते हैं। आजकल मार्केट में बहुत से फेशियल्स हैं, लेकिन सबसे खास है हर्बल फेशियल। यह स्किन पर एक अलग तरह का ग्लो ला देते हैं, जिससे चेहरा खिल-खिल जाता है।

क्लीजिंग

हर्बल फेशियल में खीरा, गुलाब, नीबू और चंदन आदि मिला होता है। घरेलू हर्बल फेशियल आप घर पर भी कर सकती हैं। यदि आप घर में ही फेशियल कर रही हैं तो क्लीजिंग के लिए एक टेबल स्पून चावल के आटे में दो टेबल स्पून दही मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर अच्छी तरह मलें, फिर चेहरा ताजे पानी से धो लें।

जरूरी है मालिश

क्लीजिंग के बाद फेस की मसाज करें। मालिश के लिए मलाई में कुछ बूंदे बादाम का तेल मिलाकर प्रयोग करें। मालिश गर्दन से शुरू करके ठुड्डी, मुंह, नाक, गाल और माथे पर करें। मालिश हमेशा हल्के हाथ से नीचे से ऊपर की ओर तथा गोल-गोल घुमाते हुए करें। इस क्रिया से रक्त संचार बढ़ेगा तथा आप अपने को तनावमुक्त महसूस करेंगी। अंत में अंगुलियों के पोरों से पूरे चेहरे को थपथपाएं।

स्टीम

मसाज के बाद स्टीम लें। बाउल में पानी उबालकर थोड़े नीम के पत्ते भी डाल दें। फिर स्टीम लें। नीम की भाप आपकी स्किन को काफी फायदा पहुंचाएगी। इसके बाद ब्लैकहेड रिमूवर की सहायता से ब्लैकहेड्स निकालें। अब तौलिए से चेहरा पोंछकर फेसपैक लगाएं।

संभालकर रखें पर्ल जूलरी

रॉयल लुक देने वाली पर्ल जूलरी को करीने से संभालकर रखना बेहद जरूरी है, तभी इसकी सुंदरता और चमक लंबे समय तक बरकरार रखी जा सकती है। पर्ल ऑर्गेनिक मैटीरियल से तैयार किया जाते हैं। इसमें गोल्ड व सिल्वर का इस्तेमाल भी खूब होता है। लंबे समय तक इनकी शाइनिंग बरकरार रखने के लिए इन्हें डस्ट, स्क्रैच व दूसरे डैमेज से बचाना जरूरी होता है। यदि आप पर्ल जूलरी पहनी हो, तो विटर्जेंट का इस्तेमाल अवॉइड करें। बेकिंग सोडा और ब्लीच का यूज भी ना करें। इनमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स पर्ल को नुकसान पहुंचा सकते हैं। समय-समय पर इसकी सफाई करते रहें। सफाई के लिए मुलायम कपड़े का ही इस्तेमाल करें। यह पर्ल को नुकसान पहुंचाए बिना ही डस्ट हटा देगा। जब भी परफ्यूम और हेयर स्प्रे का इस्तेमाल करें, तो ध्यान रखें कि इसे जूलरी पर न छिड़कें। इससे इसका कलर जाने की संभावना बनी रहती है। मेकअप पूरा होने के बाद ही जूलरी पहनें वरना मेकअप का कलर जूलरी में लग सकता है। पर्ल जूलरी को मेटलिक जूलरी के साथ ना रखें, बल्कि इसे एक मुलायम कपड़े में लपेट कर रखें। नहाते समय जूलरी निकाल दें, क्योंकि पानी का क्लोरीन पर्ल के लिए बेहद नुकसानदेह होता है।

कूल शर्ट्स

फैशन के रंग मौसम की रंगत के साथ बदलने लगते हैं और सर्दी का मौसम इसके लिहाज से सबसे मुफीद होता है। इन सर्दियों में नॉटिका के स्प्रिंग कलेक्शन से आप अपने वार्डरोब को कूल और ट्रेंडी बना सकते हैं। वॉटर, पीपल और आर्किटेक्चर के स्पिरिट से इंस्पायर्ड ये शर्ट्स हर अकेजन के लिए फिट हैं। सिग्नेचर नेवी, सेल वाइट, नून ब्लू और यलो जैसे शेड्स वाली ये शर्ट्स आपको क्लीन लुक दे सकती हैं।

सिर्फ ब्रेड और दूध से 15 मिनट में बनाएं दानेदार, देखें रेसिपी

घर के बड़े हों या बच्चे मिठाइयां खाना तो सभी को पसंद होता है। हालांकि बाजार की मिलावटी मिठाइयां खाने से सभी बचना चाहते हैं और घर पर मिठाइयां बनाना कोई आसान काम नहीं। आज आपकी इसी मुश्किल को हल करने के लिए ही हम आपके साथ कलाकंद बनाने की ऐसी रेसिपी शेयर कर रहे हैं, जो सिर्फ 15 मिनट में बनकर तैयार हो जाती है। यकीन मानिए सिर्फ ब्रेड और दूध से आप फटाफट स्वादिष्ट, दानेदार कलाकंद बनाकर तैयार कर सकती हैं। घर पर कोई मेहमान आने वाला हो या फिर बच्चों की फरमाइश पूरी करनी हो, ये रेसिपी आपको जरूर ट्राई करनी चाहिए।

इस्टेंट कलाकंद बनाने के लिए सामग्री

घर पर ही टेस्टी कलाकंद बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं- दूध (डेढ़ लीटर), ब्रेड (लगभग 10 पीस), चीनी (लगभग 6 चम्मच या स्वादानुसार), अपने मनपसंद सूखे मेवे, केसर के कुछ कतरे और जरूरत के अनुसार पानी।

ब्रेड और दूध से ऐसे बनाएं कलाकंद

कलाकंद बनाने के लिए सबसे पहले गैस पर एक पैन चढ़ाएं और उसमें दूध को उबलने के लिए रख दें। ध्यान रहे इस दूध में किसी भी तरह की मलाई नहीं होनी चाहिए। दूध में चीनी मिलाएं। इस दूध में से लगभग आधा कटोरी दूध अलग निकाल कर रख लें। अब दूध को तब तक उबालें जब तक ये आधा ना हो जाए। जब दूध पकते-पकते गाढ़ा और बिल्कुल राबड़ीनुमा हो जाए तो गैस बंद कर दें। इसमें रंगत के लिए थोड़ा सा केसर वाला दूध मिलाएं और इसे दानेदार बनाने के लिए मलाई भी डालें। इसे ठंडा होने के लिए रखा छोड़ दें।

अब ब्रेड की स्लाइसेज लें और चाकू की मदद से उनके मोटे किनारे निकाल कर अलग कर दें। अब एक बड़ी थाली या ट्रे लें। इस ट्रे पर अच्छी तरह अपनी दूध से तैयार रबड़ी लगा दें। रबड़ी के ऊपर ब्रेड के पीस रखें और इन ब्रेड के पीसेज पर थोड़ा सा चीनी वाला दूध डाल दें। अब इसके ऊपर दोबारा से ब्रेड की कुछ स्लाइस रखें और फिर दोबारा दूध और उसके ऊपर रबड़ी लगाएं। इस तरह आपको केक जैसी लेयर बनाकर तैयार कर लेनी हैं। अब इन्हें अच्छी तरह एल्यूमिनियम फॉइल से ढकें और दो से तीन घंटे के लिए फ्रिज में सेट होने के लिए रख दें। अब इसके ऊपर अपने मनपसंद ड्राई फ्रूट्स की कतरन डालें और कलाकंद की तरह छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। आपका टेस्टी दानेदार कलाकंद बनकर तैयार है।

स्किन को जवां

रखने के लिए खाएं ये पांच फल, 60 की उम्र में भी दिखेंगी 30 सी यंग और ब्यूटीफुल

लंबी उम्र तक खूबसूरत और जवां भला कौन नहीं दिखना चाहता। तभी तो आज एंटी एजिंग प्रोडक्ट्स की मार्केट में बहार आई हुई है। कुछ लोग तो दस-दस स्टेप्स का स्किनकेयर रूटीन फॉलो कर रहे हैं ताकि लंबे समय तक उनकी स्किन हेल्दी, ग्लोइंग और रिंकल फ्री रहे। अब भले ही आप ऊपर से कितना भी स्किनकेयर क्यों ना कर लें लेकिन जबतक आपका खानपान अच्छा नहीं है, तब तक स्किन पर वो बेदाग निखार देखने को नहीं मिलेगा। अगर आप जल्दी बूढ़ा नहीं दिखना चाहते हैं, तो कुछ एंटी एजिंग फूड्स को भी अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। आज हम आपको कुछ ऐसे फलों के बारे में बता रहे हैं, जिनमें ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो एजिंग इफेक्ट को थोड़ा स्लो डाउन कर सकते हैं। आइए आज जानते हैं इन्हीं फलों के बारे में।

अनार को बनाएं अपनी डाइट का हिस्सा

पोषक तत्वों से भरपूर और खाने में स्वादिष्ट फल अनार को भी आपको अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बना लेना चाहिए। ये आपकी हेल्थ के साथ-साथ आपकी ब्यूटी के लिए भी काफी फायदेमंद है। दरअसल अनार में भरपूर मात्रा में पॉलीफेनोल्स और विटामिन सी मौजूद होते हैं, जो कॉलेजन के प्रोडक्शन को बूस्ट करता है। इससे स्किन की इलास्टिसिटी बरकार रहती है, साथ ही स्किन हाइड्रेट और ग्लोइंग भी बनी रहती है।

अमरूद रखेगा त्वचा को खूबसूरत और जवां

स्किन को खूबसूरत और लंबे समय तक जवां बनाने में अमरूद भी काफी फायदेमंद है। दरअसल अमरूद में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी और पोटैशियम मौजूद होते हैं; जो कॉलेजन के प्रोडक्शन को बढ़ावा देते हैं। इससे स्किन की बनावट और इलास्टिसिटी अच्छी बनी रहती है। रोज अमरूद खाने से इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट एजिंग इफेक्ट को स्लो डाउन करने का काम करते हैं, जिससे स्किन लंबे समय तक यंग बनी रहती है।

स्ट्रॉबेरी भी है स्किन के लिए सुपरफूड

छोटी-छोटी टेस्टी स्ट्रॉबेरी भी आपकी स्किन के लिए बड़े-बड़े फायदे कर सकती है। स्ट्रॉबेरी में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो स्किन को यूवी डैमेज से प्रोटेक्ट करने और कॉलेजन लेवल को बूस्ट करने में मदद करती है। स्ट्रॉबेरी खाने से चेहरे की स्किन ग्लोइंग होती है, साथ ही पिगमेंटेशन खत्म करने में भी ये काफी मददगार होती है।

ग्लोइंग स्किन के लिए खाएं ब्लूबेरी

स्किन पर दिखने वाले एजिंग के लक्षणों को स्लो डाउन करने में ब्लूबेरी भी काफी फायदेमंद है। इसमें अच्छी खासी मात्रा में विटामिन सी, विटामिन के और विटामिन बी 6 पाए जाते हैं; जो स्किन के साथ साथ ओवरऑल हेल्थ के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं। ब्लूबेरी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स स्किन को फ्री रेडिकल डैमेज से बचाकर, एजिंग प्रॉसेस को स्लो डाउन करता है। जिससे स्किन हेल्दी, ग्लोइंग और रिंकल फ्री बनी रहती है।

पपीता है हेल्दी और ग्लोइंग स्किन का राज

पपीता भी हमारी स्किन हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है। पपीते में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम, विटामिन ए, सी, बी, के और ई जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं; जो स्किन के लिए काफी मैजिकल होते हैं। ये सभी स्किन के फ्री रेडिकल डैमेज से लड़ते हैं, जिससे एजिंग प्रॉसेस थोड़ा स्लो डाउन हो जाता है। स्किन की ड्राइनेस और झुर्रियों को कम करने में भी पपीता काफी फायदेमंद होता है।

दो मुंहे बालों

की समस्या को दूर करने के लिए अपनाएं ये आसान घरेलू नुस्खा

अगर आपके बाल दो-मुंहें हो गए हैं और इससे उनकी सुंदरता कम हो रही है, तो चिंता न करें। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए एक आसान घरेलू उपाय अपनाया जा सकता है, जो न सिर्फ दो-मुंहे बालों को कम करेगा बल्कि उन्हें चमकदार और मजबूत भी बनाएगा।

दो मुंहे बाल क्यों होते हैं?

आजकल धूल, प्रदूषण और खराब खान-पान का असर हमारी त्वचा के साथ-साथ बालों पर भी पड़ता है। गलत हेयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल और अत्यधिक स्टाइलिंग से बाल कमजोर होकर दो-मुंहे हो जाते हैं। यदि इस समस्या को समय पर ठीक न किया जाए, तो बालों की ग्रोथ भी रुक सकती है और वे रूखे व बेजान दिखने लगते हैं।

दही और शहद का हेयर मास्क - दो मुंहे बालों का रामबाण इलाज

ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी के अनुसार, दही और शहद से बना हेयर मास्क दो-मुंहे बालों की समस्या को कम करने में बेहद कारगर है। दही में मौजूद पोषक तत्व बालों को नमी प्रदान करते हैं, जबकि शहद बालों को पोषण देकर उन्हें मजबूत और चमकदार बनाता है।

हेयर मास्क बनाने के लिए आवश्यक सामग्री

2-3 बड़े चम्मच दही
1 चम्मच शहद

कैसे करें इस्तेमाल?

सबसे पहले एक कटोरी में दही लें और इसे अच्छी तरह फेंट लें। अब इसमें शहद मिलाएं और दोनों सामग्रियों को अच्छे से मिक्स करें। इस मिश्रण को अपने बालों पर अच्छी तरह से लगाएं, खासकर बालों के सिरों पर। इसे 20-30 मिनट तक बालों में लगा रहने दें। इसके बाद बालों को गुनगुने पानी से धो लें। फिर हल्के शैंपू से बालों को साफ करें और कंडीशनर का इस्तेमाल करें।

कब और कितनी बार करें इस्तेमाल?

बेहतर परिणाम के लिए इस हेयर मास्क को हफ्ते में 2-3 बार लगाएं। कुछ ही दिनों में आपके बालों में फर्क नजर आने लगेगा।

अन्य सुझाव

बालों में हफ्ते में कम से कम एक बार गर्म तेल से मसाज करें। केमिकल युक्त हेयर प्रोडक्ट्स के ज्यादा इस्तेमाल से बचें हेयर स्ट्रेटनर और ब्लो ड्रायर का कम उपयोग करें। संतुलित आहार लें, जिससे बालों को अंदर से पोषण मिले।

दो-मुंहे बालों की समस्या से बचने के लिए प्राकृतिक घरेलू उपाय सबसे सुरक्षित और प्रभावी होते हैं। दही और शहद का हेयर मास्क आपके बालों को मजबूती और चमक देगा, साथ ही उन्हें स्वस्थ बनाएगा। अगर यह उपाय आपको पसंद आया तो इसे जरूर आजमाएं और अपने अनुभव हमें कमेंट बॉक्स में बताएं।

रोज़ सुबह पी लो ये जूस, बीमारियां रहेंगी दूर और चेहरे पर आएगा निखार

सर्दियों के मौसम में गाजर और चुकंदर का सेवन बहुत लाभदायक माना जाता है। अधिकतर लोग इसे सलाद, सूप या सब्जी के रूप में खाते हैं, लेकिन गाजर और चुकंदर का जूस पीना भी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह जूस पोषक तत्वों से भरपूर होता है और कई बीमारियों से बचाव करने में सहायक होता है। लेकिन इसका सेवन सही समय और सही तरीके से करना जरूरी है। आइए जानते हैं कि इसे कब और कैसे पीना चाहिए और इसके क्या-क्या फायदे हैं।

गाजर और चुकंदर का जूस पीने के फायदे

इम्यूनिटी को बढ़ाए

गाजर और चुकंदर के जूस में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसका नियमित सेवन सर्दी-खांसी और अन्य संक्रमण से बचाने में सहायक हो सकता है।

पाचन तंत्र को करे मजबूत

इस जूस में भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करता है। यह कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं को कम करने में सहायक हो सकता है।

वजन घटाने में मददगार

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो गाजर और चुकंदर का जूस आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जिससे पेट अधिक समय तक भरा रहता है और भूख कम लगती है।

हृदय को रखे स्वस्थ

यह जूस दिल की सेहत के लिए भी लाभदायक है। इसमें मौजूद नाइट्रेट्स ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करते है और हृदय संबंधी बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं।

शरीर को करे डिटॉक्स

गाजर और चुकंदर का जूस शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। यह विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालकर लिवर की कार्यक्षमता को बेहतर बनाता है।

गाजर और चुकंदर का जूस पीने का सही समय

वैसे तो इस जूस को दिन के किसी भी समय पिया जा सकता है, लेकिन सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से अधिक लाभ मिलता है। सुबह इसका सेवन करने से शरीर को तुरंत पोषण मिलता है और यह दिनभर ऊर्जा बनाए रखने में सहायक होता है।

गाजर और चुकंदर का जूस कितने दिन तक पीना चाहिए?

अगर आप पूरी तरह स्वस्थ हैं तो इस जूस का सेवन रोजाना किया जा सकता है। लेकिन यदि आपको डायबिटीज, किडनी की समस्या या कोई अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी है, तो डॉक्टर से सलाह लेने के बाद ही इसका सेवन करें। अधिक मात्रा में इसका सेवन करने से कुछ लोगों को नुकसान भी हो सकता है।

गाजर और चुकंदर का जूस बनाने का तरीका

गाजर और चुकंदर का जूस बनाने के लिए आप निम्नलिखित विधि अपना सकते हैं-

सामग्री

1 मध्यम आकार की गाजर
1 छोटा चुकंदर
आधा कप पानी (वैकल्पिक)
नींबू का रस (स्वाद अनुसार)
काला नमक (स्वाद अनुसार)

बनाने की विधि

गाजर और चुकंदर को अच्छी तरह धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इन्हें मिक्सी में डालकर अच्छी तरह ब्लेंड कर लें। जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी मिलाकर फिर से ब्लेंड करें। इस जूस को छानकर एक गिलास में निकाल लें। इसमें थोड़ा नींबू का रस और काला नमक मिलाएं। ताजा जूस तुरंत पिएं, जिससे इसके पोषक तत्व नष्ट न हों।

सावधानियां-अत्यधिक मात्रा में सेवन करने से शरीर में शुगर का स्तर बढ़ सकता है। कुछ लोगों को चुकंदर के जूस से एलर्जी हो सकती है, इसलिए पहली बार सेवन करने से पहले कम मात्रा में पिएं। यदि आप किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रसित हैं, तो इस जूस का सेवन करने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें।

गाजर और चुकंदर का जूस सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है, लेकिन इसे सही मात्रा और सही समय पर पीना जरूरी है। रोजाना सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है, पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और हृदय स्वस्थ रहता है। हालांकि, किसी भी समस्या से बचने के लिए सीमित मात्रा में इसका सेवन करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लें।

संक्षिप्त समाचार

बुल शार्क के साथ सेल्फी लेना केनेडियन महिला को पड़ गया महंगा, हमले में गंवा दिए अपने दोनों हाथ!

ओटावा, एजेंसी। कैरिबियन में स्थित टर्क्स एंड कैकोस द्वीप के पास छुट्टियां मना रही एक 55 साल की कैनेडियन महिला के लिए एक शार्क के साथ फोटो लेना महंगा पड़ गया। महिला स्नॉर्कलिंग कर रही थी और उथले पानी में एक 6 फीट लंबी शार्क के साथ तस्वीर लेने की कोशिश कर रही थी तभी शार्क ने हमला कर दिया। इस हमले में महिला को अपने दोनों हाथ गंवाने पड़े। यह हादसा 7 फरवरी को प्रोविडेन्शियल्स द्वीप के पास हुआ था। महिला कुछ गज की दूरी पर पानी में थी जब शार्क ने अचानक उसके हाथों को जकड़ लिया। महिला के पति ने तुरंत पानी में कूदकर शार्क को भगाने की कोशिश की लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। महिला को तुरंत चिकित्सा सहायता दी गई और उसे गंभीर चोटों के कारण कनाडा भेजा गया जहां उसकी सर्जरी की गई। डॉक्टरों ने बताया कि एक हाथ को कलाई के नीचे और दूसरे हाथ को कोहनी के ऊपर से काटना पड़ा। वहीं अधिकारियों के अनुसार शार्क की प्रजाति का अभी तक पूरी तरह से पता नहीं चल सका है लेकिन शुरुआती जांच में इसे बुल शार्क माना जा रहा है।

ट्रंप ने सामाजिक सुरक्षा प्रमुख ने इस्तीफा दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सामाजिक सुरक्षा प्रशासन की कार्यवाहक आयुक्त ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग की सामाजिक सुरक्षा पाने वाले लोगों के डाटा तक पहुंच के बाद सामने आया है। कार्यवाहक आयुक्त मिशेल किंग ने बीते दिनों दक्षता विभाग को सामाजिक सुरक्षा प्रशासन के संवेदनशील डाटा तक पहुंच देने से इनकार कर दिया था। अब व्हाइट हाउस ने किंग की जगह लेलैंड डुडेक को सामाजिक सुरक्षा विभाग का कार्यवाहक आयुक्त नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि दक्षता विभाग अमेरिकी सरकार के अहम विभागों और संवेदनशील डाटा तक पहुंच पाने की कोशिश कर रहा है और इसके विरोध में कई अधिकारी या तो पद छोड़ चुके हैं या फिर उन्हें हटा दिया गया है।

गाजा में इस्राइल-हमास संघर्ष के 500 दिन, सड़कों पर दिखा आक्रोश

गाजा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बीते 15 महीने से जारी हिंसा सीजफायर के कारण थोड़े समय के लिए थमी है। इसी बीच हमास और इस्राइल के हिंसक संघर्ष के 500 दिन पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर इस्राइल में रहने वाले लोगों ने बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई के लिए प्रदर्शन किया। यरूशलम में जमा हुए प्रदर्शनकारियों में एक ने कहा, बंधकों के पास अधिक समय नहीं है, उन्हें जल्द रिहा किया जाना चाहिए। रिहा किए गए तीन बंधकों में से एक ने तेल अवीव में आयोजित रैली को वीडियो के माध्यम से संबोधित किया। हमास के कब्जे से रिहाई का अनुभव बताते हुए इयर हॉर्न ने कहा, मैं हमास की सुरंगों में था। 498 दिनों के बाद मुझे रिहा किया गया। यरूशलम में एक अन्य प्रदर्शनकारी एलेनोर सैटलो ने कहा, कई बंधक अभी भी हमास के कब्जे में हैं। बंधकों की रिहाई के लिए जल्द कदम उठाए जाने की जरूरत है। इसी बीच लेबनान ने ईरान से उड़ानों पर लगी रोक बढ़ाने का भी फैसला लिया है। हिजबुल्लाह नेता नईम कासेम के मुताबिक अगर कोई ईरानी विमान बेरूत हवाई अड्डे पर उतरा तो इजरायल ने हमला करने की धमकी दी है।

खैबर पख्तूनख्वा-अफगान वार्ता के लिए शर्तें तय होंगी: पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की संघीय सरकार ने उग्रवाद प्रभावित खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के प्रशासन और तालिबान के नेतृत्व वाली अफगानिस्तान सरकार के बीच वार्ता को लेकर बड़ा बयान दिया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा और आर्थिक सहयोग पर आगामी वार्ता की रूपरेखा देश की सरकार ही निर्धारित करेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने कहा, विदेशी मामले संघीय सरकार के अधिकार क्षेत्र में हैं।

कनाडा के टोरंटो एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस का विमान क्रैश, लैंडिंग के दौरान रनवे पर पलटा, 18 घायल

टोरंटो, एजेंसी।
कनाडा के टोरंटो के पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस का एक विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 18 लोग घायल हो गए, जिनमें 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्लेन में 76 पैसेंजर और 4 क्रू मेंबर्स थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान अमेरिका के मीनियापोलिस से टोरंटो आ रहा था। फ्लैप एक्चुएटर फेलियर (एफएएफ) की वजह से विमान अचानक पलट गया। यानी लैंडिंग के दौरान विमान के पंखों पर लगे फ्लैप सही से काम नहीं कर पाए।

वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि हादसे के समय टोरंटो में तेज बर्फीला तूफान चल रहा था। कनाडा के मौसम विभाग के अनुसार, 65 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। इसी वजह से प्लेन पलट गया। हालांकि, हादसे का सही कारण पता नहीं चल सका है। कनाडा का परिवहन सुरक्षा बोर्ड (टीएसबी) हादसे की जांच कर रहा है। इसमें अमेरिका की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) भी मदद कर रहा है।

पायलट ने बताया- विमान उल्टा पड़ा था और जल रहा था हादसे के तुरंत बाद हेलिकॉप्टर पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से बातचीत की थी। इसमें उसने बताया था कि विमान उलटा पड़ा है और जल रहा है। हादसे के बाद टोरंटो एयरपोर्ट ने 200 से ज्यादा उड़ानों पर अस्थायी रूप से रोक दी गई थी, लेकिन कुछ ही घंटों के बाद उड़ानों का संचालन फिर से शुरू कर दिया गया था।

76 यात्री और चार चालक दल के सदस्य सवार थे: हवाई अड्डे ने एक्स पर पुष्टि की कि मिनियापोलिस से डेल्टा की उड़ान के साथ एक घटना हुई है। इसमें 76 यात्री और चार चालक दल के सदस्य सवार थे। दुर्घटना दोपहर करीब 2:15 बजे हुई। इस वजह से हवाई अड्डे पर उड़ानें लगभग ढाई घंटे तक रुकी रहीं। जांच पूरी होने तक दो रनवे बंद रहेंगे।

कोई जान नहीं गई और यात्रियों को मामूली चोटें ही आईं: ग्रेटर टोरंटो एयरपोर्ट अथॉरिटी की सीईओ डेबोरा फ्लिंट ने संवाददाताओं से कहा कि हम भगवान के शुक्रगुजार हैं कि कोई जान नहीं गई और यात्रियों को मामूली चोटें ही आईं। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में मित्सुबिशी सीआरजे 900 एलआर को बर्फीले टरमैक पर उल्टा पड़ा हुआ दिखाया गया, जबकि आपातकालीन कर्मचारी इस पानी डालकर आग की आशंकाओं से निपटने का प्रयास कर रहे थे।

विमान के पलटने का क्या कारण था?: फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी

कि विमान के पलटने का क्या कारण था, लेकिन मौसम को इस हादसे की बड़ी वजह कहा जा सकता है। कनाडा के मौसम विभाग के अनुसार, हवाई अड्डे पर बर्फबारी हो रही थी। इस दौरान 51 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही थीं, जो बढ़कर 65 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो गईं। तापमान लगभग माइनस 8.6 डिग्री सेल्सियस था। हवाई अड्डे के टावर की ऑडियो रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 2:10 बजे विमान को उतरने की अनुमति दी गई। टावर से लैंडिंग के वक्त पायलटों को रनवे पर हवा के दबाव समेत कई अहम अलर्ट दिए जाते हैं।

उठ रहे कई सवाल: जिन सवालों के जवाब दिए जाने की जरूरत है, उनमें से एक यह है कि विमान का दाहिना पंख क्यों गायब था? इसके अलावा एक सवाल यह भी उठता है कि फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर का क्या हुआ? वे आज नहीं तो कल मिल ही जाएंगे और कनाडा का परिवहन सुरक्षा बोर्ड उन्हें जांचेगा। तब यह पता चल पाएगा कि वास्तव में यहां क्या हुआ था।

दुर्घटना के वीडियो में नजर आया कि चालक दल के सदस्य यात्रियों को बर्फ से ढके हवाई क्षेत्र में विमान से बाहर निकाल रहे थे, जबकि अग्निशमन कर्मी विमान और उसके आसपास के क्षेत्र को आग लगने से बचाने के लिए फोम से ढकने का प्रयास कर रहे थे। यह विमान कनाडा में निर्मित एम्ब्रेयर सीआरजे-900 था, जिसका संचालन डेल्टा एयरलाइंस की सहायक कंपनी एंडेवर एयर कर रही थी। यह घटना असामान्य थी, क्योंकि बड़े यात्री विमानों का इस तरह पलटना दुर्लभ माना जाता है। कनाडाई परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस दुर्घटना की गहन जांच करेगा, जिसमें अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड की भी सहायता ली जाएगी।

डेल्टा एयरलाइंस के सीईओ एड बास्टियन ने एक बयान जारी कर कहा कि वे घटना के सभी विवरणों की पुष्टि करने का प्रयास कर रहे हैं और नवीनतम जानकारी उनकी आधिकारिक वेबसाइट पर साझा की जाएगी। कनाडा की मौसम सेवा के अनुसार, हादसे के वक्त हवा की रफ्तार 61 किलोमीटर प्रति घंटे थी, जिससे लैंडिंग में कठिनाई आ सकती थी। विमान में सवार यात्री जॉन नेल्सन ने फेसबुक पर हादसे का वीडियो पोस्ट किया और बताया कि उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, लेकिन अधिकतर यात्री सुरक्षित हैं।

यह दुर्घटना हाल ही में उत्तरी अमेरिका में हुई कई विमान दुर्घटनाओं जैसी ही है। इससे पहले, 29 जनवरी को वाशिंगटन में एक सैन्य हेलीकॉप्टर ने अमेरिकन एयरलाइंस के जेट को टक्कर मार दी थी, जिससे दोनों विमान पोटोमैक नदी में गिर गए और 67 लोगों की मौत हो गई थी। 1 फरवरी को फिलाडेल्फिया में एक एयर एम्बुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें छह लोगों की जान चली गई थी।

ट्रंप ने बदली विदेश नीति ! ताइवान को लेकर की बड़ी कार्रवाई, उड़ गई चीन की नींद

वाशिंगटन एजेंसी।
अमेरिका ने अपनी विदेश नीति में बड़ा बदलाव करते हुए ताइवान को लेकर एक अहम बयान अपनी आधिकारिक वेबसाइट से हटा दिया, जिसमें कहा गया था कि वाशिंगटन ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करता। इस कदम से चीन नाराज हो गया और उसने अमेरिका पर ताइवान की स्वतंत्रता समर्थक ताकतों को गलत संकेत देने का आरोप लगाया। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने इन परिवर्तनों को नियमित अपडेट बताया और कहा कि यह ताइवान के साथ अमेरिका के अनौपचारिक संबंधों को स्पष्ट करने के लिए किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका एक चीन नीति को लेकर अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेगा और ताइवान जलडमरूमध्य में शांति बनाए रखने का समर्थन करेगा।

चीन ने अमेरिका की इस नीति में बदलाव को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका की नीति गंभीर रूप से बदल गई है और यह ताइवान का इस्तेमाल चीन को कमजोर करने की रणनीति का हिस्सा है। चीन ने अमेरिका से अपनी गलतियों को तुरंत सुधारने की मांग की है। ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच पहले से ही तनावपूर्ण रिश्ते हैं। ट्रंप प्रशासन के इस बदलाव से बीजिंग और वाशिंगटन के बीच तनाव और बढ़ सकता है । चीन पहले ही ताइवान के स्वतंत्रता समर्थक नेताओं और संगठनों पर कार्रवाई कर रहा है, जबकि अमेरिका अपनी रणनीतिक अस्पष्टता नीति के तहत ताइवान को सैन्य और कूटनीतिक समर्थन देता रहा है।

पाकिस्तान में सेना के ट्रकों के काफिले पर आतंकी हमला, लूटपाट कर जलाए वाहन

पेशावर, एजेंसी।
अशांत उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना की राहत सामग्री ले जा रहे ट्रकों पर पहले हुए हमले का जवाब दे रहे सुरक्षा बलों पर रात में घात लगाकर आतंकवादियों ने हमला कर दिया और इस बीच हुई गोलीबारी में चार सैनिक मारे गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह हमला अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में राहत सामग्री ले जा रहे ट्रकों के काफिले पर सोमवार को हुए हमले के जवाब में अधिकारियों द्वारा अतिरिक्त बल भेजे जाने के कुछ ही घंटों बाद हुआ। ट्रकों पर किए गए हमले में एक चालक और सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि कुर्रम में रात भर हुए हमले में कुछ सुरक्षा कर्मी भी घायल हुए हैं। यहां हाल के महीनों में शिया और सुन्नी कबीलों के बीच झड़पों में कम से कम 130 लोग मारे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कुर्रम

के मुख्य शहर पाराचिनार की ओर जा रहे कई ट्रकों को लूट लिया गया और जला दिया गया। पाराचिनार के एक अस्पताल के चिकित्सक कैसर अब्बास ने बताया कि उन्हें सोमवार रात कुर्रम से चार जवानों के शव मिले। वहीं प्राधिकारियों ने बताया कि हमलों के दोषियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान की योजना बनाई जा रही थी। फिलहाल किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुन्नी उग्रवादियों पर संदेह जताया जा रहा है। कुर्रम के कुछ हिस्सों में शिया मुसलमानों का वर्चस्व है, हालांकि वे पाकिस्तान के शेष हिस्सों में अल्पसंख्यक हैं, जहां सुन्नी बहुसंख्यक हैं। इस क्षेत्र में सांप्रदायिक संघर्ष का इतिहास रहा है, जहां उग्रवादी सुन्नी समूह पहले अल्पसंख्यक शियाओं को निशाना बनाते थे।

पुलिस के वाहन पर हमला, गोलीबारी में आतंकवादी ढेर: खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस की मोबाइल वैन पर हथगोले से किए गए हमले में पुलिस का एक कर्मी घायल हो गया और जवाबी गोलीबारी के दौरान एक आतंकवादी मारा गया। मीडिया की एक खबर में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। 'जियो न्यूज की खबर के अनुसार, यह हमला कोहाट जिले के शादीपुर इलाके में किया गया। खबर में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि घात लगाकर किए गए इस हमले में पुलिस का एक कर्मी घायल हो गया जबकि जवाबी गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया। हमले के बाद कई आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके पास से हथगोले और अन्य हथियार बरामद किए गए।

एलन मस्क का फोर्ट नॉक्स में सोने की मौजूदगी पर उठाया सवाल, सेनाटर ने किया समर्थन

वाशिंगटन एजेंसी। टेक अरबपति एलन मस्क ने सोमवार को संकेत दिया कि वह फोर्ट नॉक्स की जांच करेंगे, जहां संयुक्त राज्य अमेरिका का विशाल और कड़ी सुरक्षा वाला सोने का भंडार है। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- फोर्ट नॉक्स में सोने की तलाश कर रहा हूँ...। उन्होंने एक्स पर ही सेनाटर माइक ली (आर-यूटा) का एक पोस्ट भी शेयर किया, जिसमें सेनाटर ने कहा था कि उन्हें फोर्ट नॉक्स में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई है, जो कि केंटकी स्थित एक आर्मी इंस्टॉलेशन है। मस्क ने लिखा, कौन पुष्टि करेगा कि फोर्ट नॉक्स से सोना चोरी नहीं हुआ है? हो सकता है कि सोना वहां हो, हो सकता है कि न हो। वह सोना अमेरिकी जनता का है! हम जानना चाहते हैं कि वह अभी भी वहां है या नहीं। मस्क को इस भंडार की जांच करने के लिए सेनाटर रैंड पॉल (आर-केंवाई) द्वारा भी प्रोत्साहित किया गया था, जिन्होंने मस्क के उस सवाल पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने पूछा था कि क्या इस रिजर्व की वार्षिक समीक्षा की जाती है। पॉल ने एक्स पर लिखा- नहीं, चलिए इसे करते हैं। पॉल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि फोर्ट नॉक्स और वहां संग्रहीत सोने के बारे में अधिक पारदर्शिता की जरूरत है। मुझे लगता है कि कुछ लोग नहीं मानते कि इसे हमेशा ऑडिट करना जरूरी है, लेकिन मुझे लगता है जितनी ज्यादा पारदर्शिता होगी, उतना ही बेहतर होगा। इससे यह भी ध्यान में आता है कि सोने की अभी भी कुछ अहमियत है और इम्प्लिसिट रूप से सोना डॉलर को मूल्य प्रदान करता है।

फोर्ट नॉक्स में 147 मिलियन ट्रॉय औंस से अधिक सोना है, जो अन्य अमेरिकी भंडारण स्थानों से कहीं अधिक है, जैसा कि ट्रेजरी डिपार्टमेंट के आंकड़ों से पता चलता है। फोर्ट नॉक्स में एक कड़ी नो विजिटर्स पॉलिसी है, जो 1974 में तोड़ी गई थी, जब कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने वहां सोने का निरीक्षण किया था। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डि. रूजवेल्ट ने 1943 में फोर्ट नॉक्स का दौरा किया था, जैसा कि यूएस मिंट के अनुसार बताया गया है। फोर्ट नॉक्स की जांच की योजना डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशियेंसी द्वारा की जा रही है, जिसने राष्ट्रपति ट्रंप के तहत सरकारी एजेंसियों में सुधार किया था, जिसमें यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट, कंज्यूमर फाइनेंशियल प्रोटेक्शन ब्यूरो और एजुकेशन डिपार्टमेंट जैसी एजेंसियां शामिल हैं।

यूरोप को यूक्रेन का समर्थन जारी रखना चाहिए : जर्मन चांसलर स्कोल्ज

पेरिस, एजेंसी।
जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने कहा कि यूरोप को यूक्रेन का समर्थन जारी रखना चाहिए साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन पर कोई तानाशाही शांति नहीं थोपी जा सकती। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को यह भरोसा होना चाहिए कि यूरोप उसके साथ खड़ा है और उसकी मदद करता रहेगा। स्कोल्ज ने यह बयान एक आपातकालीन बैठक के बाद दिया, जिसे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने बुलाया था। यह बैठक रूस और अमेरिका के बीच होने वाली वार्ता से पहले हुई, जिसमें यूरोपीय देशों ने अपनी रणनीति पर चर्चा की। स्कोल्ज ने कहा कि यूक्रेन किसी भी ऐसी शांति को स्वीकार नहीं कर सकता जो जबरदस्ती थोपी जाए। जर्मन चांसलर ने यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका से सामूहिक सुरक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का आग्रह किया और कहा कि नाटो की ताकत इसी में है कि सभी देश मिलकर काम करें और जोखिम साझा करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस एकता पर कोई सवाल नहीं उठना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या यूरोपीय देश शांति मिशन के तहत यूक्रेन में जमीनी सेना भेज सकते हैं, तो स्कोल्ज ने इसे समय से पहले बताया और कहा कि इस पर अभी चर्चा करना सही नहीं होगा। सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम दो प्रतिशत रक्षा बजट पर खर्च करने के लिए तैयार हैं।

एलन मस्क के पिता का विवादित दावा: बराक ओबामा समलैंगिक और मिशेल ओबामा पुरुष

वाशिंगटन एजेंसी।
एलन मस्क के पिता एरोल मस्क ने हाल ही में एक अजीब और विवादास्पद बयान दिया है, जिसमें उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा को लेकर अजीब दावे किए हैं। एरोल ने एक इंटरव्यू में कहा कि बराक ओबामा समलैंगिक हैं और उन्होंने एक पुरुष से शादी की है, जबकि मिशेल ओबामा एक पुरुष हैं, जो महिलाओं की तरह कपड़े पहनती हैं। उनके इस दावे ने विवादों को जन्म दे दिया है। एरोन मस्क ने वाइड अवेक पॉडकास्ट में जोशुआ रुबिन के साथ एक इंटरव्यू के दौरान दावा किया, हमें एहसास हुआ कि ओबामा समलैंगिक हैं और उन्होंने एक ऐसे पुरुष से विवाह किया है जो महिलाओं की तरह कपड़े पहनता है। यह एक आम ज्ञान है। जब जोशुआ ने पूछा, क्या मिशेल ओबामा एक पुरुष हैं? तो एरोल ने कहा, बेशक, क्या आपको यह नहीं पता? एरोल ने यह दावा किया कि इस जानकारी को किसी तरह से छिपाया गया है, और उन्होंने यह भी कहा कि यह जानकारी पहले से ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है, जिसे उन्होंने सामान्य ज्ञान बताया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जॉन रिवर्स नामक कॉमेडियन ने 2014 में सार्वजनिक रूप से मिशेल ओबामा के लिंग के बारे में मजाक किया था और यह भी दावा किया था कि बराक ओबामा समलैंगिक हैं। एरोल के अनुसार, जॉन

रिवर्स की मृत्यु दो सप्ताह बाद हो गई थी, और यह सब सामान्य ज्ञान का हिस्सा बन गया है।

एरोल मस्क के दावे के मुताबिक, जॉन रिवर्स ने सार्वजनिक रूप से मिशेल ओबामा के लिंग के बारे में मजाक किया था, लेकिन इस दावे के बाद रिवर्स की मृत्यु हो गई, जिसे एरोल ने एक संकेत के रूप में लिया। जॉन रिवर्स की मृत्यु 4 सितंबर, 2014 को मस्तिष्क संबंधी समस्या के कारण हुई थी।

लीबिया में सूडानी शरणार्थियों के लिए 106.6 मिलियन अमरीकी डॉलर की आवश्यकता : यूएन

त्रिपोली, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने कहा है कि लीबिया में सूडान से आए शरणार्थियों की मदद के लिए 106.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तत्काल जरूरत है। यह फंड 3,75,000 सूडानी शरणार्थियों, 70,000 स्थानीय लोगों और 1,000 अन्य देशों के नागरिकों की सहायता के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

यूएनएचसीआर के अनुसार, इस धनराशि का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को आपातकालीन राहत से लेकर दीर्घकालिक समाधान तक हर जरूरी सहायता प्रदान करना है। लीबिया के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप विशेष प्रतिनिधि और मानवीय समन्वयक एनीस चुमा ने कहा कि यह योजना शरणार्थियों को सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सम्मानजनक जीवन जीने की मूलभूत सुविधाएं देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अप्रैल 2023 के मध्य में सूडान में हिंसक संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक 2,40,000 से अधिक सूडानी शरणार्थी लीबिया पहुंच चुके हैं। हालांकि, इतने बड़े पैमाने पर शरणार्थियों के आने से लीबिया में मानवीय संकट गहरा गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राहत प्रयासों के बावजूद, ये शरणार्थी गंभीर सुरक्षा खतरों और बुनियादी जरूरतों की कमी से जूझ रहे हैं। इनमें रहने के लिए आश्रय, साफ पानी, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं और भोजन जैसी आवश्यक चीजें शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र ने सूडान के भीतर और पड़ोसी देशों में इस संघर्ष से प्रभावित लगभग 26 मिलियन लोगों की मदद के लिए 6 बिलियन डॉलर की मानवीय सहायता अपील भी शुरू की है। यह राशि उन लोगों को राहत पहुंचाने के लिए इस्तेमाल की जाएगी, जो हिंसा और अस्थिरता की वजह से अपने घरों से बेघर हो गए हैं। अप्रैल 2023 से सूडानी सेना और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच लगातार संघर्ष जारी है। इस युद्ध में अब तक 29,683 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, कई शोधकर्ताओं का मानना है कि यह संख्या वास्तविकता से काफी अधिक हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों की कोशिश है कि इस मानवीय संकट को जल्द से जल्द नियंत्रित किया जाए।

अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स लीग -

नेट में एक्टिव हुए सचिन तेंदुलकर, लगाए बेदाग ड्राइव, पुल शॉट

मुबइ (एजंसा)। अतराष्ट्राय मास्टस लाग म भारताय पूव क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर एक बार फिर से प्रशंसकों को रोमांचित करने के लिए तैयार हैं। 22 फरवरी से शुरू हो रही लीग में तेंदुलकर इंडिया मास्टर्स टीम का नेतृत्व करते नजर आएंगे, जिसमें सुरेश रैना, युवराज सिंह, इरफान पठान जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

शनिवार को 6 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए लीग द्वारा एक टीजर जारी किया गया जिसमें तेंदुलकर नजर आए। बैटिंग आइकन ने भी मंगलवार को नेट्स में खूबसूरत स्ट्रोक्स खेलते हुए एक वीडियो साझा किया।

तेंदुलकर ने बेदाग स्ट्रेट ड्राइव, कवर ड्राइव, पुल और यहां तक कि स्वीप भी लगाई। उनकी वीडियो पर प्रतिक्रिया देने में बॉलीवुड आभनता आयुष्मान खुराना भा पाछ नहा हट।

तेंदुलकर ने पोस्ट में कैप्शन दिया- उस खेल में वापसी जिससे मैं प्यार करता हूं। प्रशंसकों ने इस पर खूब कमेंट्स किए। तेंदुलकर को लोकप्रिय रूप से 'क्रिकेट का भगवान' माना जाता है, इसलिए प्रतिक्रिया अपेक्षित तर्ज पर थी।

तेंदुलकर द्वारा लीग का प्रचार करने वाला यह एकमात्र पोस्ट नहीं था। सोमवार को भी मास्टर ब्लास्टर ने एक पोस्ट साझा की थी जिसमें महान क्रिकेटर ने पूछा था- मैं तैयार हूं, क्या आप? इस पर युवराज जोकि तेंदुलकर के पूर्व भारतीय साथी भी थे, ने एक मजेदार कमेंट किया। युवराज ने लिखा- पाजी शरीर में चोट नहीं, चोट में शरीर फंसी है।

अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स लीग का फॉर्मेट

श्रीलंका मास्टर्स, वेस्टइंडीज मास्टर्स, ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स, इंग्लैंड मास्टर्स और दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स अन्य 5 टीमें हैं जो टूर्नामेंट का हिस्सा हैं। भाग लेने वाली सभी टीमें पूर्व सितारों से भरी हुई हैं क्योंकि ब्रायन लारा वेस्टइंडीज का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसमें क्रिस गेल भी हैं। श्रीलंका पर नजर डालें तो कुमार संगकारा टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे, जबकि शेन वॉटसन ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे। इयोन मोर्गन इंग्लैंड का नेतृत्व करेंगे, जिसमें केविन पीटरसन जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं, जबकि जैक्स कैलिस दक्षिण अफ्रीका का नेतृत्व करेंगे। प्रोटियाज यूनिट के लिए हाशिम अमला एक्शन में नजर आएंगे।

शीर्ष टीमों की वापसी पाक क्रिकेट के लिए बहुत मायने रखती है: वसीम बारी

कराची (एजेंसी)। पूर्व कप्तान वसीम बारी आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी के जरिए पाकिस्तान में एक वैश्विक क्रिकेट प्रतियोगिता की वापसी देखकर खुश हैं और उम्मीद करते हैं कि 2009 में श्रीलंकाई टीम पर आतंकवादी हमले के बाद के बुरे दिन हमेशा के लिए भुला दिए जाएंगे। उस भयानक दिन के बाद पाकिस्तान 10 साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी नहीं कर सका और उसे अपने घरेलू मैच यूएई में खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

बारी उस समय स्वर्गीय एजाज बट की अध्यक्षता में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में निदेशक के रूप में कार्यरत थे जब तीन मार्च को गद्दाफी स्टेडियम के करीब लिबर्टी चौराहे के पास हमला हुआ था।

बारी ने कहा, 'यह मेरे जीवन का सबसे बुरा दिन था जब खबर मिली कि क्या हुआ था। हर कोई स्तब्ध था और हमारे में से ज्यादातर लोगों ने तुरंत महसूस किया कि यह पाकिस्तान क्रिकेट को कुछ साल पीछे ले जाने वाला है।

बारी ने कहा कि इसके बाद दुख की स्थिति पैदा हो गई। दोनों देशों की सरकारें और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इसमें शामिल हुए और बाद में श्रीलंकाई टीम को वापस घर भेजने के लिए एक चार्टर्ड विमान की व्यवस्था की गई। हमले में छह पुलिसकर्मी और दो अन्य लोग मारे गए और कई घायल हो गए जिसमें पाकिस्तानी अंपायर अहसान रजा भी शामिल थे जिनकी जान बचाने के लिए बाद में ऑपरेशन करना पड़ा।

बारी ने कहा कि जब गोलियों से छलनी बस और वैन की तस्वीरें वायरल हुईं जिसमें मैच अधिकारी और अंपायर खून से सनी शर्ट पहने हुए थे तो यह स्पष्ट हो गया कि चैंपियन्स ट्रॉफी या यहां तक ??कि 2011 विश्व कप मुकाबलों का आयोजन करने की पाकिस्तान की उम्मीदें खत्म हो गई हैं।

कोहली की एक झलक

श्रेयस का ऑटोग्राफ, भारतीय क्रिकेटरों के लिए दुबई में भी दीवानगी

दुबई (एजेंसी)। रहमान जैद मस्कट से हैं और फातिमा ओमान से। भारत के सुपरस्टार क्रिकेटरों की एक झलक पाने के लिए उन्होंने घंटों इंतजार किया और आखिर उनका सपना सच हो गया। इन देशों के क्रिकेटप्रेमियों को भारतीय खिलाड़ियों को इतने करीब से देखने का मौका कम ही मिलता है लेकिन जब मिला तो जिंदगी भर के लिये उनकी यादों में बस्या हो गया।

भारत से कई प्रशंसक यहां आये हैं लेकिन आईसीसी क्रिकेट अकादमी पर जमा 200 से अधिक प्रशंसकों में पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, ओमान, ब्रिटेन और अमेरिकी नागरिक भी थे।

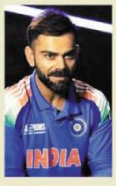

बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी को चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच से पूर्व भारतीय टीम सोमवार की शाम यहां तीन घंटे अभ्यास सत्र के लिये आई। इन प्रशंसकों ने खिलाड़ियों की तस्वीरें लीं और वीडियो बनाए।

खिलाड़ियों से महज पांच मीटर की दूरी पर खड़े इन प्रशंसकों और इनके प्रिय खिलाड़ियों के बीच चंद सुरक्षाकर्मी और बैरीकेड ही था। जैद ने कहा, 'हम ओमान से यहां आए हैं। हम भारत के कुछ मैच देखेंगे। हमें खुशी है कि इतने करीब से क्रिकेटरों को देखने का मौका मिल रहा है। उन्होंने अभ्यास सत्र पूरा होने के बाद भी तस्वीरें लेने की कोशिश की। क्रिकेटरों ने टीम बस में जाने से पहले आटोग्राफ दिए जिससे इनका दिन बन गया।

17 वर्ष की फातिमा को श्रेयस अय्यर का आटोग्राफ टीशर्ट पर मिला। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। आईसीसी को इस मौके के लिए धन्यवाद देती हूं जिसकी वजह से भारतीय क्रिकेटरों को इतने करीब से देख सकी। मुझे टी-शर्ट पर ऑटोग्राफ भी मिला। यह सपने जैसा था। मैंने विराट को देखा। वह आए और मुझे आटोग्राफ भी दिए। वह बहुत अच्छे और शानदार हैं। मैं शमी का आटोग्राफ नहीं ले सकी।% सबसे ज्यादा तालियां विराट के लिए बजी जो हर जगह प्रशंसकों के चहेते हैं।

आज से शुरू हो रही चैम्पियंस ट्रॉफी

टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही टीमों और उनके प्लेयर्स पर डालें नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी की साल 2017 के बाद वापसी हो रही है और कल से टूर्नामेंट का आगाज होगा जिसमें 8 टीमें खिताब के लिए एक दूसरे से भिड़ेंगी। पाकिस्तान टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा लेकिन भारत अपने सभी मैच हाईब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगा। पाकिस्तान गत चैम्पियन है ऐसे में वह 19 फरवरी को टूर्नामेंट की शुरूआत करेगा और पहला मैच न्यूजीलैंड से खेलेगा। वहीं भारत अपने अभियान की शुरूआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा जबकि चैम्पियंस ट्रॉफी का हाई-वोल्टेज मैच 23 फरवरी को भारत-पाकिस्तान के बीच दुबई में होगा। आइए टूर्नामेंट से पहले सभी टीमों पर नजर डाल लेते हैं-

ग्रुप ए

- **बांग्लादेश:** नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), सौम्य सरकार, तन्जीद हसन, तौहीद ह्रदोय, मुश्फिकुर रहीम, मोहम्मद महमुदुल्लाह, जेकर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन इमोन, नसुम अहमद, तन्जीम हसन साकिब, नाहिद राणा।
- **भारत:** रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।
- **न्यूजीलैंड:** मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग।
- **पाकिस्तान:** मोहम्मद रिजवान (कप्तान), बाबर आजम, फखर जमान, कामरान गुलाम, सऊद शकील, तैयब ताहिर, फहीम अशरफ, खुशदिल शाह, सलमान अली आगा, उस्मान खान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, मोहम्मद हसनैन, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी।

ग्रुप बी

- **अफगानिस्तान:** हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्ला उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।
- **ऑस्ट्रेलिया:** स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैथ्यू शॉर्ट, एडम जम्पा।
- **इंग्लैंड:** जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल रशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल सॉल्ट, मार्क वुड।
- **दक्षिण अफ्रीका:** टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

स्मृति मंधाना ने बताया-

किस मोड़ पर आते ही जीत गए थे मैच

बेंगलूर (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अपनी कप्तान स्मृति मंधाना की वजह से सोमवार को वडोदरा के कौटम्बी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में शानदार जीत हासिल हुई। स्मृति ने 81 रन बनाए जिससे उनकी टीम को 8 विकेट से जीत हासिल हुई। मैच खत्म होने के बाद स्मृति ने कहा कि आज गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली को 150 से कम तक सीमित रखना बहुत अच्छी बात थी। इसी ने हमारे पासे

में गेंद फेंक दी। वैसे भी हमारी साथी व्याट आज लय में थी। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की।

स्मृति ने कहा कि रणनीति अधिक तेज गेंदबाजी करने की थी लेकिन हमने खेल की स्थिति के आधार पर फैसला किया। यह मैदान कभी भी एक जैसा खेल दो बार नहीं खेलता। हमने जिस तरह से शुरुआत की वह शानदार थी। एक टीम के तौर पर हमें अपने गेंदबाजों पर गर्व है। एकता को पहले ओवर में गेंद लगी लेकिन उन्होंने अच्छी वापसी की। मैंने और डैनी ने एक साथ कई बार बल्लेबाजी की है।

ऐसा रहा मुकाबला

स्मृति मंधाना की तेजतर्रार 81 रनों की पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला ने वडोदरा के कौटम्बी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स महिला के खिलाफ खेले गए मुकाबले को 8 विकेट से अपने नाम कर लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली को रेणुका ठाकुर और जॉर्जिया ने शुरूआती झटके दिए थे जिससे टीम बड़े स्कोर तक नहीं पहुंच पाई। शैफाली जहां गोल्डन डक हुई तो वहीं, जेमिमा ने 34 तो सारा ने 23 रन बनाकर स्कोर 141 तक पहुंचाया। जवाब में आरसीबी की शुरूआत शानदार रही। स्मृति और डेनियल ने पहले विकेट के लिए 11 ओवर के अंदर ही 107 रन जोड़ दिए। डेनियल ने 42 रन बनाए। एलिसा पेरी ने फिर टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी।

टीमों की प्लेइंग इलेवन

दिल्ली कैपिटल्स महिला = मेग लैनिंग (कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, एनाबेल सदरलैंड, जेस जोनासेन, मारिज़ैन कप्प, सारा ब्राइस (विकेटकीपर), शिखा पांडे, राधा यादव, अरुंधति रेड्डी, मिन्नू मणि

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला - मंधाना (कप्तान), डेनिएल व्याट-हॉज, एलिसे पेरी, राघवी बिस्ट, ऋचा घोष (विकेटकीपर), कनिका आहूजा, जॉर्जिया वेयरहम, किम गार्थ, प्रेमा रावत, जोशिता वीजे, रेणुका ठाकुर सिंह।

चैंपियंस ट्रॉफी यात्रा नीति पर बीसीसीआई के सुर बदले

पत्नियों-परिवारों को दुबई में मैच देखने की अनुमति दी

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में हार के बाद बीसीसीआई ने सख्त यात्रा नीति की घोषणा की, जिसे कथित तौर पर चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान लागू किया जाना था। नियम के अनुसार आईसीसी टूर्नामेंट के दौरान दुबई में भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ परिवार नहीं रहेंगे। हालांकि ताजा रिपोर्ट से पता चला है कि बीसीसीआई ने सभी खिलाड़ियों के परिवारों को केवल एक मैच देखने के लिए दुबई जाने की अनुमति दी है।

भारतीय टीम गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद वे रविवार को गत चैंपियन पाकिस्तान और अगले सप्ताह न्यूजीलैंड से भिड़ेंगे। अगर भारत फाइनल में भी पहुंचता है, तो पूरा टूर्नामेंट तीन सप्ताह तक चलेगा, इसलिए बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के साथ परिवारों को दौरे पर जाने की अनुमति नहीं दी। नियम के अनुसार, विदेशी दौरे के दौरान 45 दिनों से अधिक समय तक भारत से अनुपस्थित रहने वाले खिलाड़ी अपने साथी और बच्चों (18 वर्ष से कम) को प्रति श्रृंखला (प्रारूप के अनुसार) दो सप्ताह की अवधि तक एक यात्रा के लिए शामिल कर सकते हैं।

बीसीसीआई ने यात्रा नीति पर अपना रुख बदला - मंगलवार को एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया कि अब कोई खिलाड़ी अपने परिवार को एक मैच के लिए दुबई ले जा सकता है, क्योंकि टीम प्रबंधन के एक शीर्ष व्यक्ति ने दुबई जाने से पहले बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया से बात की थी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि खिलाड़ियों को अब तदनुसार बीसीसीआई की अनुमति लेनी होगी, साथ ही टीम प्रबंधन से बोर्ड को एक सूची प्रस्तुत करने की उम्मीद है।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि पूरी टीम दुबई में है, इसलिए शुरू से ही कोई भी परिवार उनके साथ नहीं गया है। अब तक प्रत्येक खिलाड़ी को अपने परिवार को केवल एक मैच में ले जाने की अनुमति दी गई है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि किसी खिलाड़ी ने अनुमति मांगी है या नहीं। उन्होंने कहा कि यह खिलाड़ी पर निर्भर करता है कि वह चुने कि उसका परिवार उसके साथ मैच में जाएगा या नहीं। कई लोग अपने परिवार को थोड़े समय के लिए भी नहीं ले जा सकते हैं।

न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर

पैर की मांसपेशियों में खिंचाव, आईएलटी 20 के दौरान चोटिल लगी थी

यूएई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह काइल जेमिसन को मौका दिया गया है। न्यूजीलैंड को बुधवार 19 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी का ओपनिंग मुकाबला खेलना है। ऐसे में ऐन मौके पर फर्ग्यूसन का टूर्नामेंट से बाहर होना टीम के लिए बड़ा झटका है।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन करीब 10 दिन पहले यूएई की लीग आईएलटी 20 के एक मुकाबले के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी मसल्स में खिंचाव आया था।

33 साल के फर्ग्यूसन आईएलटी 20 के क्वालिफायर मुकाबले के दौरान चोटिल हुए थे। वे डेजर्ट वाइपर्स की कप्तानी कर रहे थे। वे पारी और अपने स्पेल का आखिरी ओवर डाल रहे थे। उन्हें परेशानी महसूस हुई और वे मैदान से बाहर चले गए। मोहम्मद आमिर ने ओवर की आखिरी बॉल डाली। कैपिटल्स को अंतिम गेंद पर एक रन की जरूरत थी, सिकंदर रजा ने चौका लगाकर दुबई कैपिटल्स को फाइनल में जगह दिलाई। मैच के बाद फर्ग्यूसन ने कहा था, बस थोड़ी हैमस्ट्रिंग की समस्या है। काश मैं आखिरी गेंद फेंक पाता।

फर्ग्यूसन ने 2023 वर्ल्ड कप के बाद से वनडे नहीं खेला- फर्ग्यूसन को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए न्यूजीलैंड टीम में शामिल किया गया था। वे न्यूजीलैंड के सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद से न्यूजीलैंड के लिए कोई वनडे मैच नहीं खेला है।

भारत को लगा झटका, चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बॉलिंग कोच इमरजेंसी के कारण स्वदेश लौटे

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल पारिवारिक आपातकाल के कारण दुबई से चले गए हैं। मोर्कल अपने पिता के निधन की खबर मिलने के बाद सोमवार 17 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना हो गए। यह घटनाक्रम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बांग्लादेश के खिलाफ भारत के पहले मैच से एक दिन पहले हुआ है। भारत दुबई में है, जहां वे टूर्नामेंट के अपने सभी मैच खेलेंगे। सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में बताया कि पूर्व दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज आपातकाल के कारण स्वदेश वापस आ गए हैं। मोर्कल से भारत के बॉलिंग अटैक को दिशा देने में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद थी जिसमें उनके स्टार तेज गेंदबाज और अटैक के अगुआ जसप्रीत बुमराह की सेवाएं नहीं हैं। मोर्न और उनके पिता के बीच करीबी संबंध थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के साथ पहले के एक साक्षात्कार में बॉलिंग कोच ने खुलासा किया था कि भारत की नौकरी मिलने के बाद उन्होंने सबसे पहले अपने पिता को फोन किया था।